हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, रविवार, 10 नवंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 175

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

उलेमा बोर्ड की मुसलमानों को 10% आरक्षण की मांग: चुनाव में... | कोमा से चैतन्य अवस्था में आ रहा है, विपक्ष और मतदाता | स्टार्टअप के जरिये शुरु करें अपना कारोबार...

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर निर्माण का हब! 32,000 करोड़ के दो प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी, 15 हजार नौकरियों की उम्मीद

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 32,000 करोड़ रुपये से अधिक के दो बड़े सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देकर प्रदेश को भविष्य के सेमीकंडक्टर निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। प्राइवेट सेक्टर के ये दोनों प्लांट, ग्रेटर नोएडा में निर्माणाधीन जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। राज्य कैबिनेट ने हाल ही में अगले पांच वर्षों में प्रदान की जाने वाली 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी को मंजूरी दे दी है, जिससे इन दोनों परियोजनाओं के लिए रास्ता साफ हो गया है। इन दोनों परियोजनाओं से 15,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। टार्क सेमीकंडक्टर्स, यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी एन्क्लेव में स्थापित किए जाने वाले सेमीकंडक्टर फैब प्लांट में 28,440 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। परियोजना के लिए, केंद्र और राज्य सरकार, कुल लागत पर 25 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी प्रदान करेंगे। बता दें कि टार्क सेमीकंडक्टर्स, हीरानंदानी ग्रुप का हिस्सा है।

अब देश के किसी भी बैंक की शाखा से निकाल सकते हैं पेंशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के लाखों पेंशनधारकों के लिए बड़ी खबर आ रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने अब ऐसी व्यवस्था कर दी है कि देश के किसी भी बैंक की शाखा से पेंशन निकाली जा सकेगी। इसके अलावा अब बैंक जाकर सत्यापन कराने की भी जरूरत नहीं होगी। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रायोगिक परीक्षण के सफल समापन की घोषणा की। श्रम मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि सीपीपीएस मौजूदा पेंशन संवितरण प्रणाली से एक आदर्श बदलाव है जो विकेंद्रीकृत है, जिसमें ईपीएफओ का प्रत्येक जोनल/क्षेत्रीय कार्यालय केवल 3-4 बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। सीपीपीएस में, पेंशन शुरू होने के वक्त पेंशनभोगियों को किसी भी सत्यापन के लिए बैंक जाने की जरुरत नहीं होगी और पेंशन जारी होने पर तुरंत जमा होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रायौगिक परीक्षण 29-30 अक्टूबर को पूरा हुआ और जम्मू, श्रीनगर और करनाल क्षेत्रों के 49,000 से अधिक ईपीएस पेंशनभोगियों को अक्टूबर, 2024 के लिए करीब 11 करोड़ रुपये का पेंशन वितरण हुआ।

अखाड़ों के संतों के बीच विवाद और मारपीट के बाद हुई सुलह

प्रयागराज,(ईएमएस)। यूपी के प्रयागराज में अखाड़ों के संतों के बीच हुए विवाद और मारपीट की घटना के बाद अब समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने अपनी शिकायत वापस ले ली है और महाकुंभ मेले को सफल बनाने पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया है। इस समझौते के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि महाकुंभ के आयोजन में शांति बनाए रखने में यह विवाद बड़ी चुनौती बन सकता था। बता दें गुरुवार को महाकुंभ में शिविर लगाने को लेकर प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय में 13 अखाड़ों के संत जमा हुए थे। इस दौरान कुर्सियों पर आगे बैठने को लेकर विवाद हो गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। कुंभ मेलाधिकारी के हस्तक्षेप और बातचीत के बाद शुक्रवार को दोनों पक्षों ने शिकायत वापस ले ली।

सड़क दुर्घटनाओं में मौत के बढ़ते ग्राफ से चिंतित गडकरी...खुद को दोषी मानूंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं और उसके कारण होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताकर सड़कों के निर्माण में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि अगर भविष्य में सड़क इंजीनियरिंग की गलती के कारण किसी की मौत होती है, तब इसके लिए मैं खुद को दोषी मांनूगा। रायपुर में एक कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र के प्रयासों पर बात करते हुए उन्होंने सरकारी इंजीनियरों से अपनी नौकरी छोड़कर एक अच्छी डीपीआर बनाने वाली कंपनी शुरू करने का आग्रह किया और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर काम देने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में पराली से बिटुमेन और सीएनजी के उत्पादन पर जोर देकर तर्क दिया कि इस कदम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण पर लगाम लगेगी।

झारखंड विस चुनाव : गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और झामुमो पर किया प्रहार, कहा-

सरकार में आए तो घुसपैठियों को खदेड़ेंगे, हमारे रहते मुस्लिमों को आरक्षण नहीं मिलेगा, झारखंडी युवाओं को नौकरी देंगे

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 43 सीटों का प्रचार अंतिम दौर में आ गया है। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने पलामू, हजारीबाग और पोटका में कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- ये सरकार (हेमंत) अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दे रही है। ये झारखंड के युवाओं की नौकरी खा जा रहे हैं। हमारी सरकार बना दो, हम सभी घुसपैठियों को खदेड़ देंगे।

अमित शाह ने कहा- हम धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। ये कांग्रेस वाले महाराष्ट्र में 10% मुस्लिमों को आरक्षण देने के पक्ष में हैं। मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं कि अगर ये आरक्षण देंगे तो कम किसका होगा? दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का होगा। इस दौरान उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र का उल्लेख कर अपने वादों का दोहराया।

उन्होंने कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर जमकर हमला बोला। जनता से अपील करते हुए कहा कि आप 350 करोड़ रुपए लूटने वाले को सबक सीखा दो। हम आपको सुखद प्रदेश देंगे। पोटका में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- सरकार सहारा का पैसा पाई-पाई वापस करेगी। झारखंड में एनडीए की सरकार बनाएं। हो समेत अन्य स्थानीय भाषाओं को पहले राज्य की अधिकृत सूची में शामिल करेंगे। इसके बाद संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा। पलामू प्रमंडल की छतरपुर विधानसभा सीट से भाजपा की पुष्पा देवी उम्मीदवार हैं, जो पूर्व मंत्री मनोज कुमार की पत्नी हैं। इसके बाद अमित शाह ने उतरी छोटानागपुर के हजारीबाग और फिर

कोल्हान के पोटका में जनसभा की। हजारीबाग से भाजपा के प्रदीप प्रसाद प्रत्याशी हैं। वहीं, पोटका से पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा चुनाव लड़ रही हैं।

जमशेदपुर में अमित शाह ने किया रोड शो

पोटका में जनसभा के बाद जमशेदपुर में अमित शाह ने रोड शो किया, जो दो विधानसभा (जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिम) से होकर गुजरा। रोड शो में भारी संख्या में लोगों की भीड़ थी। जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा साहू मैदान में हैं, जो पूर्व सीएम और ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू हैं। जबकि, जमशेदपुर पश्चिम से एनडीए के सहयोगी जदयू नेता सरयू राय चुनाव लड़ रहे हैं। शाह का रोड शो जुबिली पार्क गेट से शुरू होकर भालुबासा चौक पर जाकर समाप्त हुआ। इन सभी इलाकों में पहले चरण में 13 नवंबर को मतदान होगा।

अमित शाह कोल्हान के जमशेदपुर में रोड शो करेंगे, जो भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हवा का रुख बता रहा कि राज्य के इसी हिस्से में सबसे तीखी लड़ाई लड़ी जाएगी। ऐसा इसलिए कि कोल्हान का रुख ही तय कर देता है कि किसकी सत्ता आएगी, किसकी जाएगी। 2019 का विधानसभा चुनाव नजीर है। कोल्हान में एनडीए का खाता नहीं खुला तो सरकार चली गई। सत्ता के दावेदार दोनों गठबंधनों को कोल्हान की अहमियत का एहसास है।

कोल्हान में गठबंधन तोड़ना भाजपा को पड़ा था महंगा

कोल्हान एरिया में 2019 में बीजेपी का आजसू से गठबंधन तोड़ने का फैसला महंगा साबित हुआ, क्योंकि बाद में उसने पांच सीटों पर जीत का अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। वोट शेयर के हिसाब से बीजेपी ने 29%, जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन ने 42%, आजसू ने 8%, और जेवीएम (पी) ने चार प्रतिशत वोट हासिल किया था।

अमित शाह ने किये कई वादे

- *सरकार बनते ही महिलाओं 500 रुपए गैस सिलेंडर मिलेगा.*
- *रक्षाबंधन और दीपावली में दो गैस सिलेंडर मुफ्त दिये जायेंगे.*
- *युवाओं को 2000 रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जायेगा.*
- *पांच साल में पांच लाख रोजगार के अवसर सृजित किये जायेंगे.*
- *2.87 लाख रिक्त पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जायेगा.*

सहारा का पैसा पाई-पाई वापस करेगी सरकार

अमित शाह ने जनसभा में उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार सहारा का पैसा पाई-पाई वापस करेगी. झारखंड में एनडीए की सरकार बनाएं. हो समेत अन्य स्थानीय भाषाओं को पहले राज्य की अधिकृत सूची में शामिल करेंगे. इसके बाद संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा.

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है हेमंत सोरेन सरकार

भ्रष्टाचार को लेकर भी केंद्रीय गृहमंत्री ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा. अमित शाह ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है. यही वजह है कि झारखंड का समुचित विकास नहीं हो सका. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार वोट बैंक के लालच में राज्य को घुसपैठियों का अड्डा बना रही है. प्रदेश की जनता इस चुनाव में उन्हें सबक सिखाने जा रही है. बीजेपी की सरकार बनाएं, घुसपैठियों को चुन-चुनकर वापस भेजेंगे. वे शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. अमित शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को परिवारवाद के मुद्दे पर घेरा. उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद परिवारवाद में लिप्त रही है. हेमंत सोरेन सरकार ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है और सिर्फ अपने परिवार का विकास किया. ऐसी सरकार से राज्य के विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती है.

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला

झारखंड को दी 7 गारंटी, बोले- 3200 रु. में धान खरीदेगी गठबंधन सरकार

मोदी जी बड़े-बड़े प्लेन में उड़ते हैं, बोझ आम आदमी को उठाना पड़ता है

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले फेज के प्रचार में नेता पूरी ताकत से लग गए हैं। शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने धनबाद के बाघमारा और जमशेदपुर में चुनावी सभा की। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- मोदी जी बड़े-बड़े भाषण करते हैं। बड़े-बड़े प्लेन में उड़ते हैं। लेकिन बोझ आम आदमी को उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी गरीबों से हाथ मिलाने से भी कतराते हैं। वो अंबानी और अडानी के साथ जाएंगे, लेकिन गरीब दलितों, पिछड़ों से मिलना तक नहीं चाहते। 90 अफसर हिंदुस्तान के बजट को बनाते हैं। लेकिन इन नब्बे अफसरों में से केवल एक आदिवासी अफसर है।

झारखंड की जनता से राहुल गांधी ने वादा किया कि कृषि उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 50 फीसदी तक की वृद्धि की जाएगी. वह धनबाद के बाघमारा में इंडिया के उम्मीदवारों के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

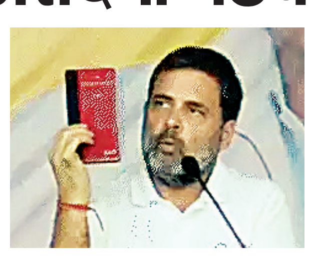

देश के युवा-महिलाएं दुखी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवा और महिलाएं आज दुखी हैं. यह सच्चाई है. उन्होंने कहा कि मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण करते हैं. करते कुछ नहीं हैं. कहा कि देश में जब महंगाई बढ़ती है, तो सबसे ज्यादा चोट हमारी माताओं-बहनों पर पड़ती है. उन्होंने कहा कि जीएसटी का पूरा ढांचा देश के गरीबों से पैसा लेने का तरीका है.

बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में ओबीसी, दलित, आदिवासी नहीं

राहुल गांधी ने आरक्षण की भी बात की. कहा कि देश में करीब 50 प्रतिशत ओबीसी, 15 प्रतिशत दलित, 8 प्रतिशत आदिवासी और 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं. राहुल गांधी ने कहा कि इसके बावजूद देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा.

1932 के खतियान आधारित स्थानीयता नीति की गारंटी

1932 आधारित खतियान की गारंटी भी उन्होंने दी. कहा कि 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीयता नीति बनाई जाएगी. उन्होंने सरना धर्म कोड लागू करने का भी वादा किया. झारखंड सरकार की सबसे चर्चित योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के बारे में राहुल गांधी ने कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह खटाखट 2,500 रुपए मिलेंगे.

10 लाख लोगों को नौकरी, 15 लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा: झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और भाकपा माले गठबंधन की ओर से रोजगार और स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी का भी वादा किया. कहा कि उनकी सरकार 10 लाख लोगों को नौकरी देगी. 15 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा का भी लाभ लोगों को मिलेगा.

भारत माता की सेवा और सुरक्षा जवानों की सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल गंगवार

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शनिवार को हजारीबाग के मेरू स्थित रानी झांसी परेड ग्राउंड के सहायक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दीक्षांत परेड में शामिल हुए. उन्होंने नव आरक्षकों के परिवारजनों को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके सहयोग और प्रेरणा के बिना यह सफलता संभव नहीं थी. भारत माता की सेवा और सुरक्षा हमारे जवानों की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनके समर्पण के कारण देशवासी सुरक्षित महसूस करते हैं.

सीमा सुरक्षा बल का रहा है गौरवशाली इतिहास

राज्यपाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल का गौरवशाली इतिहास रहा है. 1971 के भारत-पाक युद्ध में इस बल की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि बल का अदम्य साहस सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा. उन्होंने शहीद जवानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को अविस्मरणीय बताया.

मेरी भी सैन्य सेवा में जाने की थी प्रबल इच्छा: राज्यपाल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनकी भी सैन्य सेवा में जाने की प्रबल इच्छा थी, वे एनसीसी से जुड़े थे, लेकिन कुछ कारणों से सेना में नहीं जा सके. भारतीय सेना में राष्ट्र प्रेम और अनुशासन का जो जज्बा देखने को मिलता है, वह अन्यत्र कहीं नहीं. उन्होंने नव आरक्षकों को कठिन-से-कठिन परिस्थितियों में साहस और कर्मठता का परिचय देते हुए हर चुनौती का सामना करने और बल की प्रतिष्ठा को ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा दी.

पीएम मोदी रांची में डेढ़ घंटे तक करेंगे रोड शो, सुरक्षा में रहेंगे 11 एसपी रैंक के अधिकारी समेत दो हजार अतिरिक्त फोर्स

रांची : 10 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी के रांची में डेढ़ घंटे तक रोड शो करेंगे. रोड शो को लेकर पुलिस मुख्यालय और रांची पुलिस ने सुरक्षा की तैयारी पूरी कर ली है. पुलिस मुख्यालय ने शुक्रवार को रांची पुलिस को चार हजार अतिरिक्त फोर्स प्रदान कर दिया है. इसके अलावा 11 एसपी रैंक के अधिकारी के अलावा 30 अतिरिक्त डीएसपी भी प्रदान किये हैं.

शाम 4.55 बजे में शुरू होगा रोड शो: पीएम मोदी रविवार को दिन के 12 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे. वहां से ही बोकारो के लिए रवाना हो जायेंगे. वहां चंदनकियारी विधानसभा में वह दोपहर 1.45 बजे तक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. 1.55 पर प्रधानमंत्री बोकारो से गुमला के लिए रवाना हो जायेंगे. 3.05 बजे पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर गुमला में लैंड करेगा. वहां चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद शाम 4.15 में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लौट आयेंगे. इसके बाद पिस्का मोड़ स्थित ओटीसी मैदान से प्रधानमंत्री का रोड शो 4.55 बजे शुरू होगा. रोड शो लगभग 2.5 किमी रातू रोड चौराहा तक होगा. 6.35 बजे विशेष विमान से रांची से प्रस्थान कर जायेगा.

मोदी बोले-हिमाचल, तेलंगाना, कर्नाटक कांग्रेस के शाही परिवार के एटीएमः चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली इन 3 राज्यों में डबल हो गई है

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार दूसरे दिन रैली की। उन्होंने शनिवार अकोला में एक बार फिर 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दिया। इससे पहले 8 नवंबर को नासिक और धुले की रैली में भी उन्होंने यह नारा लगाया था। आज अकोला की रैली में पीएम के निशाने पर एक बार फिर कांग्रेस ही रही। उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बारे में एक शब्द नहीं बोला। उन्होंने कहा- जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आर्टिकल 370 की वापसी की मांग हो रही है। कांग्रेस और उसके सहयोगी इसका समर्थन करते हैं। पाकिस्तान भी यही चाहता है।

पीएम ने कहा- कांग्रेस की सरकार जिस राज्य में बन जाती है, वह राज्य शाही परिवार (गांधी परिवार) के लिए एटीएम बन जाता है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक सरकार का जिक्र किया। कहा- चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली इन राज्यों में डबल हो गई है। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि चुनाव जीतने के बाद क्या लूट होगी।

राम मंदिर पर बोले- एक बार फिर महायुति के लिए आर्शीवाद मांगने आया हूं। आज 9 नवंबर है, ये तारीख बहुत ऐतिहासिक है। आज ही के दिन 2019 में देश की सर्वोच्च अदालत ने राम मंदिर पर फैसला दिया था। 9 नवंबर की तारीख इसलिए भी याद की जाएगी कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने संवेदनशीलता का परिचय दिया। ये राष्ट्र प्रथम की भावना है। पीएम ने जय श्री राम का नारा भी लगाया।

एक हैं तो सेफ हैं पर- कांग्रेस अच्छी तरह जानती है, जितना देश कमजोर होगा, उतना ही वे मजबूत होंगे। जब कांग्रेस मजबूत होगी, देश मजबूर होगा। कांग्रेस विभिन्न जातियों के बीच विभाजन पैदा करती है। इसने हमारी जातियों को कभी एकजुट नहीं होने दिया। अगर हमारी जातियां एकजुट नहीं रहेंगी और एक-दूसरे के साथ संघर्ष करती रहेंगी, तो कांग्रेस इसका फायदा उठाएगी। आपको सचेत रहना होगा। याद रखें, 'एक हैं तो सेफ हैं।'

परिवारवाद पर- जहां कांग्रेस की सरकार बन जाती है, वो राज्य कांग्रेस के शाही परिवार का एटीएम बन जाता है। इन दिनों हिमाचल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के एटीएम बने हुए हैं। लोग बता रहे हैं कि इन दिनों महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर कर्नाटक में वसूली डबल हो गई है।

आर्टिकल 370 पर मोदी बोले- ये कौन लोग हैं जो 370 वापसी की मांग करते हैं। पाकिस्तान 370 का रोना रोता है। भारत विरोधी ताकतें 370 का समर्थन करते हैं। कांग्रेस भी वहीं भाषा बोलती है। जम्मू-कश्मीर में 370 लगाना, यहां हिंसा को फिर बढ़ावा देना है। ये अंबेडकर के कानून को बाहर निकालने वाला है। उन्होंने कहा- ये संविधान की किताब लहराने वाले कितने पापी लोग हैं, 75 साल से देश में जम्मू-कश्मीर का संविधान था, एक तरफ अंबेडकर का संविधान था। हम पूछते थे कि जम्मू-कश्मीर में संविधान लगेगा कि नहीं, इनके मुंह पर ताला लग जाता था।

एससी-एसटी, ओबीसी पर मोदी बोले- कांग्रेस चाहती है कि एससी समाज की अलग अलग जातियां आपस में लड़ती रहें, झगड़ा करती रहे। क्योंकि वो जानती है कि एससी समाज की अलग अलग जातियां आपस में झगड़ती रहेगी, तो उनकी आवाज बिखर जाएगी, उनका वोट बिखर जाएगा और ऐसा होते ही कांग्रेस के लिए सरकार में आने का रास्ता बन जाएगा। ओबीसी नाम सुनते ही कांग्रेस चिढ़ जाती है, ओबीसी समाज की अलग से पहचान न बनें, इसलिए कांग्रेस ने भांति-भांति के खेल खेले हैं।

पाक में क्वेटा रेलवे स्टेशन पर सुसाइड अटैक : धमाके में 26 की मौत, इनमें 14 सैनिक

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह ब्लास्ट में 26 लोगों की मौत हो गई है। इनमें 14 सैनिक हैं। धमाके में 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले की जिम्मेदारी मिलिटेंट ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए ने कहा कि यह एक सुसाइड अटैक था, जिसका निशाना स्टेशन पर तैनात पुलिस जवान थे। हालांकि पाकिस्तान के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि इस हमले के पीछे बीएलए है। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड ब्लास्ट लग रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कई घायल यात्रियों की मौत अस्पताल में हुई। ब्लास्ट तब हुआ, जब क्वेटा से पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर आने वाली थी। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट ट्रिब्यून एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक जाफर एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर पहुंचने से ठीक पहले यह हादसा हुआ। क्वेटा के एक सीनियर पुलिस अफसर ने कहा कि ट्रेन को 9 बजे पेशावर के लिए रवाना होना था। हादसे के

वक्त यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्लास्ट के वक्त प्लेटफॉर्म पर 100 से ज्यादा लोग थे।

पाकिस्तान पीएम बोले- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना के बाद इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और तुरंत जांच का आदेश दिया। ब्लास्ट के बाद घायलों को क्वेटा के सिविल अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

बीसीआई ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

रांची : बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया फेडरेशन के सदस्यों ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जिसमें उन्होंने सभी से मतदान करने के लिए अपील की अपने परिवार अपने पड़ोसी एवं अपने जान पहचान वालों को वोट देने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया ।पटेल पार्क हरमू से लेकर हरमू कॉलोनी एवं हरमू रोड तक यह अभियान चलाया गया । इसमें दृश बिजनेस क्रिएशन आफ इंडिया फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव शर्मा जी उपाध्यक्ष डॉ साजित कुमार, सचिव राजेश अग्रवाल, निर्देशक अजय कुमार, रमेश कुमार, शिवकुमार एवं प्रबंध निदेशक धीरज ग्रोवर एवं अन्य सदस्य शामिल थे ।

लीगल सर्विस डे के अवसर पर डालसा चलाया जिले के विभिन्न जगहों में कानूनी जागरूकता शिविर

जमशेदपुर । जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर द्वारा लीगल सर्विस डे के अवसर पर डालसा सचिव के निर्देशन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । लीगल सर्विस डे के अवसर पर घाघीडीह सेन्ट्रल जेल , जेजे बोर्ड, घाटशिला जेल के अलावा प्रत्येक प्रखंड में भी कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । घाघीडीह सेन्ट्रल जेल एवं जे जे बोर्ड में लीगल डिफेंस कौंसिल के सदस्यों द्वारा कैदियों के बीच उनके अधिकार एवं डालसा के कार्य व उद्देश्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया । वहीं घाटशिला जेल में रिमांड लॉयर्स द्वारा कैदियों को उनके अधिकार के बारे मे बताया गया । इसके अलावा डालसा पीएलवी द्वारा भी अलग अलग प्रखंडों में डोर टू डोर कैम्पेनिंग चलाकर दलित , पीड़ित एवं जरूरतमंदों को उनके अधिकार व कर्तव्य तथा डालसा के कार्य और उद्देश्यों के बारे में उन्हें जानकारी दिया गया । उक्त कानूनी जागरूकता शिविर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किया गया । यह कार्यक्रम जमशेदपुर सहित पोटका, पटमदा , बोड़ाम , चाकुलिया , घाटशिला , बहरागोड़ा आदि प्रखंडों में पंचायत व ग्रामीण स्तर पर किया गया ।

कांग्रेस कार्यालय में हजारीबाग विधानसभा की महत्वपूर्ण संपन्न

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में विधानसभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया । बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव नें की । इस बैठक में झामुमो के स्टार प्रचारक सह विधायक कल्पना सोरेन जी हजारीबाग गांधी मैदान में आगमन पर कार्यक्रम को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज नारायण भगत कटकमसांडी अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति सदर प्रखंड के अध्यक्ष अजीत सिंह दारू प्रखंड के अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद कटकम दाग प्रखंड के अध्यक्ष गोवर्धन गंझू , जिला उपाध्यक्ष सब प्रवक्ता निसार खान सदर विधानसभा प्रभारी रघु जायसवाल उपस्थित रहे ।

हज़ारीबाग के कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह के पक्ष में आज करेगी कल्पना सोरेन जनसभा को संबोधित

हज़ारीबाग।आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हजारीबाग सदर क्षेत्र में इंडिया महागठबंधन द्वारा एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। आज 10 बजे गांधी मैदान, मटवारी में आयोजित इस महत्वपूर्ण जनसभा में झारखंड की लोकप्रिय नेत्री एवं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की विद्यायक कल्पना सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी मुन्ना सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस जनसभा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में विकास और परिवर्तन की नई दिशा तय करना है। जनसभा में हजारीबाग एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान मुन्ना सिंह के विकास विजन और क्षेत्र के लिए प्रस्तावित योजनाओं को जनता के समक्ष रखा जाएगा।पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व का मानना है कि यह जनसभा हजारीबाग के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत साबित होगी। स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं में इस जनसभा को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

रामदयाल मुंडा के सुपुत्र गुंजल इंकीर मुंडा पदयात्रा की

तमाड़ - पदम श्री स्वर्गीय रामदयाल मुंडा के सुपुत्र गुंजल इंकीर मुंडा तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। शनिवार को गुंजल इंकीर मुंडा बुंडू,तमाड़ एवं कुबासाल बाजार में पदयात्रा की साथ ही उनका चुनाव चिन्ह ऑटो रिक्शा टेंपो का भी रैली निकाली। रैली में सर्मथक के साथ साथ सैकड़ों टेम्पु शामिल था। इस दौरान लोगों से अपील करते हुए कहा की तमाड़ विधानसभा में बदलाव को लेकर मुझे वोट दे और मेरा चुनाव चिन्ह ऑटो रिक्शा टेंपो है।

9 को रक्षा मंत्री हंटरगंज, 10 को असम के मुख्यमंत्री कान्हाचट्टी और 11 को लोजपा सुप्रीमो चतरा में करेंगे रोड शो

कोयलांचल संवाद
संवाददाता

चतरा, छठ महापर्व सम्पन के साथ ही विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा रेस दिख रही है। शनिवार 9 नवंबर को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हंटरगंज, 10 नवंबर रविवार को असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड प्रभारी हेमंत विश्व शर्मा कान्हाचट्टी और 11 को लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी जिला महामंत्री मिथलेश गुप्ता ने दी। उन्होंने कहा 11 नवंबर को भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान हंटरगंज, पांडेयपुरा, प्रतापपुर, जोरी व चतरा शहर रोड शो करेंगे। उक्त नेताओं ने चतरा से एनडीए समर्थित लोजपा उम्मीदवार जनार्दन पासवान और सिमरिया से कुमार उज्ज्वल के पक्ष में हुंकार भरेंगे।

एक दर्जन से अधिक फ्लाईओवर पाइपलाइन में हैं, जिससे शहर के जाम की समस्या कम होगीः महुआ माजी

रांची : आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की उम्मीदवार और राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संवाद में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबड़ा ने किया, और मंच पर कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे, जिनमें चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, कार्यक्रम संयोजक शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा थे ।

इस टॉक शो में महुआ माजी ने विभिन्न मुद्दों पर व्यवसायिक समुदाय के सवालों का विस्तारपूर्वक और संतोषजनक उत्तर दिया। उनके उत्तरों में उन्होंने अपने द्वारा उठाए गए कई ठोस कदमों का जिक्र किया, जिससे उन्होंने यह साबित किया कि वह व्यापारिक समुदाय की जरूरतों को लेकर गंभीर हैं।

महुआ माजी ने विशेष रूप से कृषि उपज बाजार कर (APMC Tax) के उन्मूलन का समर्थन किया और बताया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तो इस कर को समाप्त करने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों से भवन नियमितीकरण विधेयक लाया गया था, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के चलते इसे पास नहीं किया जा सका। माजी ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जब अपर बाजार क्षेत्र में भवनों के ध्वस्तीकरण का मामला आया था, तो उन्होंने लोगों के साथ खड़े होकर प्रशासन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनी तो भवन नियमितीकरण विधेयक को पास करवाकर व्यवसायियों को राहत प्रदान की जाएगी।

रांची में यातायात की समस्या के समाधान के लिए उन्होंने बताया कि एक दर्जन से अधिक फ्लाईओवर पाइपलाइन में हैं, जिससे शहर के जाम की समस्या कम होगी। इसके साथ ही, परिवहन नगर का निर्माण वर्तमान सरकार द्वारा किया गया है, जो व्यापारिक समुदाय के लिए एक बड़ी सहूलियत साबित हो रहा है। माजी ने अपने व्यापारिक पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए कहा कि वह खुद भी व्यापार समुदाय का हिस्सा हैं और व्यापारियों की समस्याओं को बखूबी समझती हैं। उन्होंने अपर बाजार, मुख्य सड़क और आस-पास के क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या का समाधान करने के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता जताई।

महुआ माजी ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार को राज्य का लगभग 1,36,000 करोड़ रुपए का रॉयल्टी लौटाना चाहिए, जिससे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर उन्होंने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पति और जीव-जंतु पर्यटन के लिए उपयुक्त हैं, और उनकी पार्टी इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में ब्रेन ड्रेन को रोकने के लिए उनकी पार्टी मेडिकल स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना करेगी। साथ ही, मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए मोहल्ला क्लीनिक खोले जाएंगे और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा।

महुआ माजी ने रांची को मेट्रो सिटी बनाने के अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें और उनकी पार्टी को जनता का समर्थन मिला तो वे आने वाले वर्षों में रांची को एक आदर्श शहर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

कार्यक्रम संयोजक शैलेश अग्रवाल एवं अमित शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि चुनाव के बाद जितने वाले प्रत्याशियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा ।

धन्यवाद ज्ञापनः चैम्बर के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने दिया और चुनाव के लिए शुभकामनाएं दी।

विश्रामपुर के विजय संकल्प सभा में जमकर गरजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,सभा में उमड़ी भीड़

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि झारखंड संस्कृति और समर्पण की भूमि है। यहां के वीरों ने संस्कृति और सम्मान के लिए अपना बलिदान दिया है। इतिहास गवाह है कि इस धरती ने अन्याय के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ी है। आगे भी यह धरती इतिहास रचेगी और निकम्मी हेमंत सरकार को सता से उखाड़ फेंकेगी। घोटालेबाज हेमंत सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार बनाएं ताकि देश के साथ झारखंड को भी विकसित किया जा सके। जेपी नड्डा शनिवार को विश्रामपुर में भाजपा द्वारा आयोजित विजय संकल्प सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बेल पर हैं और उनके कुछ मंत्री जेल में हैं। इस सरकार ने वोट की खातिर बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण दी है,भाजपा की सरकार बनते ही उन्हें चुन-चुन कर खदेड़ा जायेगा। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा कर रही है। देश के सभी लोगों को विकास से सीधा जोड़ रही है। भाजपा झारखंड के लोगों को विकास से जोड़ना चाहती है। इसके लिए सबों को कमल के निशान पर बटन दबाना होगा। आपका सही जगह बटन दबा तो राज्य का विकास होगा और गलत जगह बटन दबा तो विनाश होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विश्रामपुर में 123 करोड़ की लागत से पेयजलापूर्ति योजना स्वीकृत की थी,लेकिन हेमंत सरकार ने पांच साल तक उसे रोक कर रखा,सिर्फ इसलिए कि इस योजना का नाम अटल जी के नाम पर था। मोदी सरकार ने भारत की छवि विश्व में बदली है,हर देश के शासनाध्यक्ष और राष्ट्रध्यक्ष प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त बोलते हैं। विश्व में शांति स्थापना के लिए लोग मोदी से अपील करते हैं। भारत के इस बदलती तस्वीर देशवासियों को गर्वणवित करती है। उन्होंने कहा कि देश के 80 करोड़ लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर हो गए हैं,दस करोड़ से ज्यादा बहनों को गैस सिलेंडर देकर धुंआ से मुक्ति दिलाया,ग्यारह हजार करोड़ लोगों को शौचालय दिया। प्रधानमंत्री मोदी को झारखंड से ज्यादा लगाव है इसलिए उन्होंने लगभग सभी कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत झारखंड से की है। उन्होंने भाजपा प्रत्यासी निवर्तमान विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी की तारीफ करते हुए उनके लिए मतदान करने का अपील किया। रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि जिस समय दबंग नेताओं का बोलबाला था। उनके डर से कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता था। उस समय यहां की जनता ने मुझ जैसे अदना फटेहाल व्यक्ति को जीताकर विधानसभा भेजा। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाया,अपने द्वारा कराए गए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। सभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने किया। संचालन उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव ने किया। मौके पर संसद विष्णु दयाल राम,राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश,मिथलेश कटारिया,यूपी के मंत्री दया शंकर सिंह,भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी,वरिय भाजपा नेता भोला चंद्रवंशी,टिकैत चौबे,भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संध्या सिंह,एलसीएम कॉलेज की प्राचार्या नूतन रानी,नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी,राजन पांडेय,डॉ वी पी शुक्ला,पंकज लाल सहित कई भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

» जे पी नड्डा ने चंद्रवंशी के साथ किया रोड शो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश नड्डा का हेलीकॉप्टर नावाडीह कला स्थित जरासंध स्टेडियम में उतरा,जहां से श्री नड्डा रामचंद्र चंद्रवंशी के साथ खुली जीप में रोड शो करते हुए दो किमी दूर सभा स्थल पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोगों से भाजपा प्रत्यासी रामचंद्र चंद्रवंशी के पक्ष में मतदान करने का अपील किया।

विश्रामपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के संबोधन से प्रभावित होकर राजद के सैकड़ो कार्यकर्ता भाजपा में हुये शामिल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नप मुख्यालय के सोरडीहा में स्थित जनता उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित विजय संकल्प यात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के संबोधन से प्रभावित होकर आज बरडीहा प्रखंड से सैकड़ो राष्ट्रीय जनता दल के नेता-कार्यकर्ता भरतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। आज विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय के सोरडीहा स्थित सभा परिसर में ही भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने सभी राजद कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया। डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा के नीति सिद्धांतो व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के भाषण से प्रभावित होकर विभिन्न दलों से कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे है। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

गोपाष्टमी महोत्सव के अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा भव्य महाआरती का आयोजन

हज़ारीबाग।गोपाष्टमी महोत्सव के पावन अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी के द्वारा संचालित हजारीबाग गौशाला परिसर में एक भव्य महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गौमाता की सेवा और आराधना की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा और भारतीय परंपराओं के प्रति समाज को जागरूक करना था।कार्यक्रम की शुरुआत पूजन एवं मंत्रोच्चारण के साथ की गई, जिसमें चार प्रसिद्ध पुजारियों ने अपनी उपस्थिति से महा आरती को विशेष ऊर्जा और भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंत्रोच्चार और आरती के दौरान पूरा गौशाला परिसर भक्ति भाव में डूबा रहा। महा आरती के पश्चात श्रद्धालुओं ने चोकर, गुड़ और अन्य पौष्टिक आहार से गौमाता की सेवा की। इस सेवा में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने पूरे श्रद्धा और आदर के साथ भाग लिया। उपस्थित भक्तजनों का मानना था कि गौमाता की सेवा करने से आध्यात्मिक संतुष्टि मिलती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।गौशाला समिति द्वारा हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों को इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए सम्मानित किया गया। समिति ने मोमेंटो देकर संस्था का अभिनंदन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की गोपाष्टमी का यह महोत्सव हमारे समाज को एक दिशा देता है। गौमाता हमारे जीवन का आधार है, और उनकी सेवा से हमें आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होता है। हजारीबाग यूथ विंग ने इस अवसर पर भव्य महा आरती का आयोजन कर एक पहल की, वह वास्तव में सराहनीय रहा।गौ माता हमारे जीवन और समाज का आधार हैं। उनका संरक्षण और सेवा करना हमारा धर्म है। हमारे इस आयोजन का उद्देश्य न केवल गौ माता की सेवा करना है बल्कि हमारे युवाओं में संस्कार, सेवा और श्रद्धा की भावना को और प्रबल बनाना है। हमें गर्व है कि हमारे संस्था के द्वारा इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रही । हम आशा करते हैं कि समाज में गौ माता के प्रति सम्मान और संरक्षण का यह संदेश और भी व्यापक होगा। संरक्षक ने यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता, समर्पण और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम को विशेष रूप से सफल बनाने में संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव संजय कुमार, सह सचिव डॉ बी वेंकटेश,उपाध्याय जयप्रकाश खंडेलवाल, सहित कई लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के समापन पर सभी ने एक स्वर में गौमाता की जयकार लगाया गया।

निर्दलीय प्रत्याशी सिंहराय टूटी ने मोटरसाइकिल रैली निकाली

तमाड़ - विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी सिंहराय टूटी ने शनिवार को सैकड़ो मोटरसाइकिल के साथ अपने पक्ष में मतदान करने को लेकर रैली निकाली। रैली तमाड़ के मुख्य बाजारों में होते हुए रांची टाटा मार्ग एवं तमाड़ खुंटी पथ पर जोरदार तरीके से निकली गयी। रैली में शामिल लोग नारे भी लगा रहे थे। इस दौरान लोगों से अपील करते हुए सिंघराय टूटी ने कहा फुटबॉल खेलते खिलाड़ी चुनाव चिन्ह पर मोहर लगाकर मुझे विजय

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में पोस्ट बैलेट से मतदान जारी

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान जारी है। पोस्टल बैलट से मतदान के लिए फॉर्म 12-D में आवेदन करने वाले अब्सेंटी वोटर्स, अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता और मतदान कार्य मे लगे कर्मियों द्वारा मतदान किया जा रहा है।

मतदान कार्य में लगे कर्मी 11 नवंबर 2024 तक कर सकते हैं वोट

रांची जिला में मतदान कार्य में लगे जिन कर्मियों द्वारा पोस्टल बैलट से मतदान के लिए आवेदन दिया गया था, वो 11 नवंबर 2024 तक *राजकीय +2 उच्च विद्यालय, कांके* में बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर में मतदान कर सकते हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची श्री वरुण रंजन ने मतदान कार्य में लगे ज़िला के कर्मियों से अपना वोट अवश्य करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपने मताधिकार का अवश्य इस्तेमाल करें और उसके बाद चुनाव कार्य में अपना योगदान दें।

आंवला नवमी स्वास्थ्य और समृद्धि का पर्वः संजय सर्राफ

रांचीः विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन मनाया जाने वाला आंवला नवमी पर्व हिंदू धर्म में बहुत महत्व रखता है। यह पर्व आंवले के पेड़ की पूजा के लिए मनाया जाता है, जो स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार अक्षय नवमी का आरंभ 9 नवंबर की रात को 10 बजकर 45 मिनट पर होगा और अगले दिन 10 नवंबर को रात 9 बजकर 1 मिनट पर इसका समापन होगा। इसलिए उदया तिथि की मान्यता के अनुसार अक्षय नवमी 10 नवंबर की रात को मनाई जाएगी।पौराणिक कथा के अनुसार, आंवले के पेड़ की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई थी। जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया, तो उन्होंने राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी। राजा बलि ने भगवान विष्णु को तीन पग भूमि देने का वचन दिया, लेकिन भगवान विष्णु ने तीन पग में ही समस्त भूमि को माप लिया और राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया। राजा बलि की पत्नी विंध्यावली ने भगवान विष्णु से अपने पति की मुक्ति के लिए प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान दिया कि आंवले के पेड़ की पूजा से राजा बलि की मुक्ति होगी। आंवला नवमी में महिलाएं आंवला पेड़ की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करती है।आंवले के पेड़ की पूजा से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है,इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने से स्वास्थ्य और समृद्धि मिलती है। आंवला नवमी पर्व हमें स्वास्थ्य और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। इस पर्व को मनाने से हमें भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और हमारे जीवन में सुख और समृद्धि आती है।

सरकार की उम्र अब बस 13 दिन : सुदेश महतो

रांची/लोहरदगा : जनता ने राज्य के विकास के प्रति कार्य करने के लिए सरकार को बहुमत दिया था। इस सरकार ने पांच वर्षों में कोई काम नहीं किया और अब फिर से अपने झूठे वादों से जनता को भ्रामित कर रही है। सरकार की उम्र अब बस 13 दिन। जनता बदलाव के लिए तैयार है।

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने लोहरदगा में एनडीए उम्मीदवार नीरू शांति भगत के पक्ष में आयोजित पदयात्रा के दौरान कही। मौके पर उन्होंने लोहरदगावासियों से आगामी 13 नवंबर को एनडीए के पक्ष में अपना मत देने की अपील की। पदयात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

कांग्रेस के निरंकुश राज ने लोहरदगा के जनादेश का अपमान किया है। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को जनता ने प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया लेकिन उनके क्षेत्र के अधिकारी जनता और उनकी समस्याओं को महत्व नहीं देते हैं। यह इनकी विफलता है। वित्त मंत्री का क्षेत्र होने के बावजूद यहां के लोग आज भी सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए लोहरदगा संकल्पित है। जनता का मन और मत दोनों एनडीए के साथ है।

लोहरदगा को उसकी असली क्षमता के अनुसार संवारने और विकसित करने की तैयारी है। बबलू दा के सपनों को पूरा करने की दिशा में हम जनता के साथ मिलकर काम करेंगे। विकास की असीमित संभावना वाले इस क्षेत्र को सरकार ने पिछड़ा बना दिया है। हमारी तैयारी अन्नदाताओं को मजबूत करने की है। किसानों की आय तीन गुना करने के लिए आर्थिक सहायता के साथ ही उन्हें आधुनिक तकनीकी सहायता भी दी जाएगी। रबी एवं खरीफ फसल की खेती के लिए 20 हजार रुपए प्रति वर्ष और भूमिहीन खेतिहर परिवार को स्वरोजगार के माध्यम से आय के लिए 25 हजार रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। साथ ही भूमिहीन, खेतिहर मजदूर एवं कमजोर किसान परिवारों के मुखिया के लिए 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाएगा ताकि किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में उन्हें मदद मिल सके। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3200 रुपए प्रति क्विंटल किया जाएगा।

मौके पर नीरू शांति भगत ने कहा कि लोहरदगा में हर एक गांव, हर एक गली में जनता का स्नेह और प्यार एनडीए को मिल रहा है। स्व. कमल किशोर भगत के विकास कार्यों को लोगों ने देखा है। समाज के हर वर्ग ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया था। एक बार फिर जनता वही आशीर्वाद एनडीए को देगी। सरकार ने वादें पूरे नहीं किए साथ ही क्षेत्र के विकास पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जिससे जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। परिवर्तन जनता की मांग है। एनडीए क्षेत्र के युवाओं के पलायन को रोकने और उन्हें क्षेत्र में रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, नाली, गली, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत जनता की हर समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता है।

ईचागढ़ में पदयात्रा का आयोजन आज

आज दिनांक 10 नवंबर दिन रविवार को ईचागढ़ विधानसभा अंतर्गत नीमडीह प्रखंड के विभिन्न गांवों में एनडीए उम्मीदवार हरेलाल महतो के पक्ष में पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस पदयात्रा में पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य रूप से शामिल होंगे। इस दौरान एनडीए के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

रांची नगर निगम की अनोखी पहल, उंगली पर वोट की स्याही दिखाकर लें निशुल्क सुविधा का लाभ

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने है. पहला चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 2 नवंबर को होगा. रांची में 13 नवंबर को वोटिंग होगी. शहरी क्षेत्रों में आम नागरिकों को मतदान प्रतिशत बढ़ाने और मतदान के प्रति उत्साह-वर्धन के लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. इसी कड़ी में रांची नगर निगम ने भी विशेष पहल की है. मतदान दिवस यानी 13 नवंबर को मतदान करने वाले नागरिकों के लिए निगम कई सुविधाएं उपलब्ध करायेगा. इसके तहत नागरिक अपनी उंगली पर स्याही दिखाकर निशुल्क सिटी बस में यात्रा कर सकते हैं. वहीं निगम क्षेत्र अंतर्गत उपलब्ध पार्किंग में निशुल्क वाहन पार्क कर सकते हैं. यानी निगम उनका वाहन पड़ाव शुल्क माफ कर देगा. साथ ही निगम के पार्कों में चुनाव के दिन मतदान करने वाले नागरिक और उनके परिवार के नाबालिक सदस्य बिना प्रवेश शुल्क दिये पार्कों में प्रवेश कर सकते हैं.

जैसे हम प्रचार करते हैं, वैसे ही एजेंसियां अपना काम करती हैं-बाबूलाल मरांडी

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मारांडी ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं. जैसे हम अपना कार्य और प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, वैसे ही वे भी अपना काम करने का अधिकार रखती हैं. समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सबसे पहले झारखंड की जनता से माफी मांगनी चाहिए. प्रदेश में बड़े कारखाने और बांधों का निर्माण किया गया और इसके कारण लोग बेघर हुए, लेकिन उन्हें आज तक न्याय नहीं मिला है. उन्हें उन लोगों से माफी मांगनी चाहिए, जिन्होंने इस अन्याय को झेला है. उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने शनिवार की सुबह सुनील श्रीवास्तव के अशोकनगर रोड स्थित आवास समेत रांची और जमशेदपुर के 16 ठिकानों पर छापेमारी शुरु की है. जिसके बाद से राजनीतिक बयान आने शुरु हो गए हैं.

गवाही की विश्वसनीयता गवाहों की संख्या पर नहीं, साक्ष्य की गुणवत्ता पर निर्भर करती : झारखंड हाईकोर्ट

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि किसी गवाह की गवाही की विश्वसनीयता गवाहों की संख्या पर नहीं बल्कि प्रस्तुत साक्ष्य की गुणवत्ता पर निर्भर करती है. अगर किसी मामले में गवाह विश्वसनीय और भरोसेमंद है तो अकेली गवाही पर ही दोषसिद्धि की जा सकती है. हाईकोर्ट साहिबगंज की निचली अदालत द्वारा हत्या के जुर्म में दोषी करार दिये गये गुमिद मुर्मू की अपील पर सुनवाई कर रहा था. साहिबगंज सिविल कोर्ट ने गुमिद मुर्मू को डायन हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. निचली अदालत के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गयी थी. जिस पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच में सुनवाई हुई. साहिबगंज के बरहेट थाना में जो प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी थी, उसमें यह आरोप लगाया गया था कि गुमिद मुर्मू ने अपनी भाभी की धारदार हथियार से हत्या कर दी. मृतका का शव गुमिद के घर की मेड़ (बारी) पर पाया गया था. गुमिद ने महिला की हत्या से पहले उसे डायन भी कहा था. इस मामले में मृतका की बेटी एक मात्र चश्मदीद गवाह थी. जिसने ट्रायल कोर्ट में अपनी गवाही पूरी की और उसकी गवाही के आधार पर कोर्ट ने गुमिद को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई.

सुनील श्रीवास्तव के घर छापेमारी विपक्षी नेताओं पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयासः राकेश सिन्हा

रांची : कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव के आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी पर चर्चा करते हुए कहा है कि यह झारखंड में कोई नई बात नहीं है. यहां पर विपक्षी नेताओं और उनके व्यक्तिगत संबंधियों पर आयकर की छापेमारी लगातार हो रही है. राकेश सिन्हा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा है कि भाजपा अब अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इनकम टैक्स और ईडी के माध्यम से छापेमारी करने की कोशिश कर रही है. लेकिन यहां की जनता ने पहले ही इसे ठुकरा दिया है. ऐसे कदम उठाकर, वे केवल विपक्षी नेताओं पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने शनिवार की सुबह सुनील श्रीवास्तव के अशोकनगर रोड स्थित आवास समेत रांची और जमशेदपुर के 16 ठिकानों पर छापेमारी शुरु की है. छापेमारी में आयकर विभाग को क्या मिला है, इस बारे में अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है.

झारखंड विस : पांकी से निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कुमार की देनदारी सबसे अधिक 302 करोड़

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों ने जो अपना ब्योरा सौंपा है, उसके मुताबिक सबसे अधिक देनदारी निर्दलीय उम्मीदवारों की है. पांकी सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे विनोद कुमार की देनदारी 302 करोड़ 43 लाख 37 हजार 882 रुपये की है. इस मामले में दूसरे नबंर में रांची के हटिया सीट से बीजेपी के उम्मीदवार नवीन जायसवाल हैं, इनकी देनदारी आठ करोड़ 86 लाख 30 हजार है. तीसरे नंबर पर जमशेदपुर पूर्वी सीट से किस्मत आजमा रहे निर्दलीय उम्मीदवार शिव शंकर सिंह की है, इनकी देनदारी 4 करोड़ 55 लाख 26 हजार 615 रुपये है. इसका खुलासा एडीआर की रिर्पोट में हुआ है. बताते चलें कि पहले चरण के चुनाव में 682 उम्मीदवार मैदान में हैं. जेएलकेएम उम्मीदवार सुशील तोपनो के पास सबसे कम संपत्ति है. सुशील सिसई सीट से चुनावी अखाड़े में हैं. इनके पास सिर्फ 7000 रुपये की संपत्ति है. दूसरे नंबर पर सिमडेगा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में किस्मत आजमा रहे बसंत कुमार डुंगडुंग है. इनके पास मात्र 10 हजार रुपये की संपत्ति है. इस श्रेणी में तीसरे नंबर पर रोशन सुंडी हैं. जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव लड़ रहे रौशन के पास 15 हजार रुपये की संपत्ति है. पोटका सीट से निर्दलीय उम्मीदवार कंडोमानी भूमिज के पास सबसे अधिक 80 करोड़ 70 हजार रुपये की संपत्ति है. दूसरे नंबर पर 70 करोड़ 91 लाख 26 हजार 167 रुपये की संपत्ति के साथ डाल्टनगंज से कांग्रेस उम्मीदवार केएन त्रिपाठी हैं वहीं तीसरे नंबर पर रांची सीट से निर्दलीय उम्मीदवार आयुष रंजन है. इनके पास 70 करोड़ 55 लाख 8 हजार 672 रुपये की संपत्ति है. झारखंड विधानसभा के पहले चरण के चुनाव भाजपा के 36 में से 30 उम्मीदवार करोड़पति हैं. वहीं झामुमो के 23 में से 18, कांग्रेस के 17 में से 16, बीएसपी के 29 में से सात, राजद के पांच में से चार और जदयू के दोनों उम्मीदवार करोड़पति हैं.

हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव व उनसे जुड़े दर्जनों ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

रांची : राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव व उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ आयकर विभाग ने शनिवार की सुबह बड़ी कार्रवाई शुरू की है. सुनील श्रीवास्तव, उनके परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़े कुल 16-17 जगहों पर छापेमारी की सूचना है. जानकारी के मुताबिक, रांची में 7 और जमशेदपुर में 9 जगहों पर छापेमारी चल रही है. इसमें जमशेदपुर के अंजानिया इस्पात समेत अन्य ठिकाने भी शामिल हैं. छापेमारी को लेकर विस्तृत जानकारी आना बाकी है. आयकर विभाग ने विधानसभा चुनाव के दौरान हवाला के सहारे पैसों की लेन-देन की सूचना पर बीते 26 अक्टूबर को रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह और कोलकाता में छापेमारी शुरू की थी. कुल मिलाकर 35 ठिकानों पर छापेमारी की गयी. आयकर ने छापेमारी के दायरे में उन सभी व्यापारियों को शामिल किया था, जिनका संबंध हवाला कारोबार से है. आयकर विभाग ने हवाला कारोबारियों के ठिकानों से 150 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किये थे. साथ ही छापेमारी के दौरान मिली नकद राशि का व्यापारियों के बुक्स ऑफ अकाउंट से मिलान करने के बाद 70 लाख रुपये जब्त कर बैंक में जमा करा दिये थे.

असम में झारखंडी आदिवासियों की स्थिति दयनीय, यहां हिमंता बन रहे हितैषी

रांची : लोकतंत्र बचाओ अभियान की ओर से असम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के आदिवासी व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शनिवार को रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस की. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि झारखंडी आदिवासी असम में ना अनुसूचित जनजाति का दर्जा पा सकें, ना ही जल-जंगल-जमीन पर उनका विशेष अधिकार हैं और न ही उनकी भाषा-संस्कृति की सुरक्षा सुनिश्चित है. असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा का झारखंड में आदिवासियों के अधिकारों की वकालत करना असम में बसे झारखंडी आदिवासियों के लिए विरोधाभासी प्रतीत हो रहा है.

असम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के साथ हो रहा शोषण

असम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के आदिवासी व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आदिवासियों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है. असम से आये आदिवासी और सामाजिक कार्यकर्ता एमानुएल पूर्ति ने बताया कि असम में झारखंडी आदिवासी चाय बागानों में सबसे ज्यादा शोषण का शिकार हो रहे हैं. मध्य प्रदेश के आदिवासी नेता राधेश्याम काकोड़िया ने कहा कि भाजपा के "डबल बुलडोजर राज" के कारण आदिवासियों की संस्कृति, पहचान और अधिकार खतरे में हैं. वहीं छत्तीसगढ़ के आलोक शुक्ला ने आरोप लगाया कि अडानी समूह के मुनाफे के लिए हसदेव अरण्य के जंगलों को उजाड़ा जा रहा है. यहां बिना ग्राम सभा की सहमति के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खनन का कार्य चल रहा है.

झारखंड के आदिवासियों को भाजपा के "डबल बुलडोजर राज" से चेताया

असम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से आये कार्यकर्ताओं ने झारखंड के आदिवासियों को भाजपा के "डबल बुलडोजर राज" से चेताया है. उन्होंने कि भाजपा के "डबल बुलडोजर राज" का अनुभव झारखंड को न होने दें. लोकतंत्र बचाओ अभियान की ओर से एलिना होरो और मंथन ने कहा कि भाजपा का वर्तमान चुनावी अभियान सांप्रदायिकता और धार्मिक ध्रुवीकरण पर आधारित है. जबकि पार्टी ने आदिवासी-मूलवासी के अधिकारों पर चुप्पी साध रखी है.

पीएम मोदी के रोड शो से पहले पदयात्रा, संजय सेठ ने रांचीवासियों से की जोरदार स्वागत करने की अपील

रांची . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 नवंबर को झारखंड दौरे पर रहेंगे. रांची के रातू रोड में वे भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो करेंगे. इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया जाएगा. पीएम मोदी के रोड शो पहले आज शनिवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रातू रोड के ओटीसी मैदान से न्यू मार्केट चौक तक पदयात्रा की और लोगों से प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत करने की अपील की. विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दूसरी बार झारखंड आ रहे हैं. मोदी गुमला और चंदनकियारी में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनाव सभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद रांची में रोड शो करेंगे. गुमला की सभा में गुमला के साथ-साथ लोहरदगा, विशुनपुर व सिसई व सिमडेगा जिले के सभी भाजपा व एनडीए प्रत्याशी मंच पर मौजूद रहेंगे. तीनों जिले से भाजपा के लोग सभा में शामिल होंगे. सभा को लेकर प्रचार-प्रसार तेज कर दिया गया है. सभा स्थल पर मंच व पंडाल तैयार हो चुका है. चंदनकियारी की सभा में बोकारो व धनबाद जिले के सभी भाजपा प्रत्याशी शामिल होंगे. यहां भी जोरशोर से तैयारी चल रही है.

पीएम मोदी के स्वागत को रांची आएंगे 20 हजार बाइक सवार

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के पहले प्रधानमंत्री 10 नवंबर को रांची में भव्य रोड शो करेंगे. शाम 4 बजे से यह रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट (रातू रोड) चौक पर समाप्त होगा. प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्रों से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आएंगे. रांची से बाहर से आनेवाले वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था हेहल, पंडरा और आईटीआई के समीप की गयी है.

छऊ नृत्य से पीएम मोदी का स्वागत करेंगे कलाकार

संजय सेठ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष स्नेह झारखंड को हमेशा मिलता रहा है. रांची में पारंपरिक छऊ नृत्य के जरिए कलाकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करेंगे. 501 ब्राह्मण शंखध्वनि से प्रधानमंत्री के विजय संकल्प को आशीर्वाद देंगे. अलग-अलग स्थानों पर और विभिन्न मंचों के माध्यम से प्रधानमंत्री का पारंपरिक स्वागत किया जाएगा. सिख समाज भी प्रधानमंत्री के स्वागत को तैयार है. रातू रोड के विभिन्न स्थानों पर ढोल, ताशा परंपरागत वाद्ययंत्र, भजन सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके स्वागत में किए जाएंगे.

महिलाएं बना रहीं रंगोली, पुष्पवर्षा की भी तैयारी

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि रातू रोड के नागरिक स्वतः अपने घरों को सजा रहे हैं. महिलाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर रंगोली बनायी जा रही है. कई स्थानों पर प्रधानमंत्री पर पुष्पवर्षा की व्यवस्था हो रही है. रांची सहित रातू रोड के नागरिकों से उन्होंने आह्वान किया है कि प्रधानमंत्री का यह रोड शो और उनका अभिनंदन ऐतिहासिक हो.

सुरक्षा की रहेगी कड़ी व्यवस्था

रोड शो के दौरान रातू रोड सहित शहर के कई इलाकों में रविवार को सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी रहेगी. तीन हजार से अधिक जवानों की तैनाती की जा रही है. दो घंटा पहले ही सड़क पर आवाजाही रोक दी जाएगी. लोग वैकिल्पक मार्ग से आना-जाना करेंगे. सुरक्षा को लेकर सड़क की घेराबंदी कर दी जाएगी. कई बड़े पुलिस अधिकारी सुरक्षा की जिम्मा खुद संभाल रहे हैं. एसपीजी की टीम रांची पहुंच गई है. टीम व्यवस्था की निगरानी कर रही है. पीएम के रोड शो को लेकर भाजपाइयों में भारी उत्साह है.

पदयात्रा में ये हुए शामिल

इस कार्यक्रम में पंडरा मंडल के अध्यक्ष सुबेश पांडे, सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे, सत्यनारायण सिंह, ललित ओझा, संजय जयसवाल, हरेंद्र सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, सुरेश सिंह, ललन सिंह, संजीव चौधरी, अंबिका तिवारी, अंकित वर्मा, बबीता सिंह, रेणुका सिंह, मिथिलेश केसरी, कुमुद झा समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

कांग्रेस वोट बैंक के लिए देश बांटने वाली ताकतों का कर रही समर्थन

रांचीः महाराष्ट्र और झारखंड में हो रहे विधानसभा को लेकर भाजपा और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल वोटरों को लुभाने के लिए कई वादे कर रहे हैं. इंडिया गठबंधन मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए दोनों राज्यों में आरक्षण देने और अल्पसंख्यकों के हित में कई कदम उठाने का वादा किया है. वहीं भाजपा इंडिया गठबंधन पर तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहा है. चुनाव प्रचार के बीच महाराष्ट्र में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की मांग को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की चिट्ठी को लेकर विवाद बढ़ गया है. भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उलेमा बोर्ड की मांग का समर्थन कर देश बांटने का कुत्सित प्रयास किया है. शनिवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उलेमा बोर्ड की मांग को कांग्रेस का समर्थन बेहद गंभीर विषय है. इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस वोट बैंक के कोई भी काम कर सकती है. गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की ओर महाराष्ट्र कांग्रेस को समर्थन देने के लिए 17 मांग को स्वीकार करने के लिए चिट्ठी लिखी थी. पत्र में वक्फ बिल का विरोध, मुसलमानों को नौकरियों और शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण, पुलिस भर्ती में मुस्लिम युवाओं को प्राथमिकता और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांग की गयी थी. इस पत्र के जवाब में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मांगों का समर्थन करते हुए उन मांगों पर विचार करने का भरोसा देने की बात कही.

संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की नहीं है व्यवस्था

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस की सोच देश को तोड़ने वाली है. धर्म के आधार पर देश में किसी को आरक्षण का प्रावधान नहीं है. संविधान में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने फैसले में साफ कहा कि धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण नहीं दिया जा सकता है. लेकिन कांग्रेस को संविधान से कोई मतलब नहीं है. राहुल गांधी हर रोज संविधान लेकर घूमते हैं लेकिन उसे कभी पढ़ते नहीं है. कांग्रेस और राहुल गांधी को कोशिश वोट के लिए देश को किसी तरह विभाजित करना है. महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के पत्र से साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस देश के हित में काम करने वाले आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग का समर्थन करती है. कांग्रेस के सहयोगी शरद पवार और उद्धव ठाकरे को इस मामले में अपना रूख साफ करना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगले साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल होने वाले है. कांग्रेस और सहयोगी दल वोट बैंक के लिए किसी स्तर पर जाने को तैयार हैं.

झारखंड विधानसभा चुनाव : दो लाख से भी अधिक पोस्टल बैलेट से वोट पड़ने का अनुमान

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्थित एक्सचेंज सेंटर से जिलों द्वारा पोस्टल बैलेट से प्राप्त आवेदनों का आदान प्रदान किया जा रहा है. सभी जिलों में पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया चल रही है. इसे लेकर जिलों में सुविधा केंद्रों का निर्माण किया गया है. साथ ही पोस्टल बैलेट से मतदान करने के अर्हता रखने वाले मतदाताओं तक इससे संबंधित फॉर्म पहुंचाये जा रहे हैं.

चार कैटेगरी के मतदाता पोस्टल बैलेट के माध्यम से मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं

विधानसभा चुनाव 2024 में कुल चार कैटेगरी के मतदाता पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं. इसके तहत अबसेंटी वोटर की श्रेणी में आने वाले वैसे 85 वर्ष से अधिक उम्र एवं दिव्यांग मतदाताओं के (होम वोटिंग) कुल 5,716 फॉर्म 12D के माध्यम से आवेदन प्राप्त हुए हैं. इनमें से 3,738 पोस्टल बैलेट निर्गत करते हुए, अबतक 2922 मतदाताओं को होम वोटिंग करा ली यी है. शेष फॉर्म प्रक्रियाधीन है. इस क्रम में अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के अबतक कुल 8,812 फॉर्म 12D प्राप्त हुए हैं जिसमें 2,888 पोस्टल बैलेट निर्गत करने के बाद अब तक 460 मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपना मताधिकार का इस्तेमाल कर लिया है, बाकी प्रक्रियाधीन है.

52,186 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लिया

चुनाव कार्य में ड्यूटी कर रहे कर्मियों को कुल 2,02,271 फॉर्म 12 प्राप्त हुए जिनमें से 1,13,588 पोस्टल बैलेट निर्गत किये गये हैं, 52,186 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लिया है एवं शेष प्रक्रियाधीन हैं. वहीं सर्विस वोटर के रूप में कुल 44,015 मतदाता चिन्हित है जिनका वोटिंग हेतु इलेक्ट्रॉनिकली पोस्टल बैलेट ट्रांसमिट कर दिया गया है. इस प्रकार अब तक पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए कुल 2,60,814 आवेदन प्राप्त हो चुके है एवं पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया जारी है. पोस्टल बैलेट से मतदान हेतु 10 नवम्बर अंतिम तिथि निर्धारित है.

अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए 16 नवंबर अंतिम तिथि

मतदान कार्य में लगे मतदाताओं के लिए 11 नवंबर एवं बचे हुए निर्वाचन कार्य से जुड़े मतदाताओं के लिए 12 नवंबर को अंतिम तिथि निर्धारित की गयी है. दूसरे चरण की होम वोटिंग के लिए 17 नवंबर, अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए 16 नवंबर एवं मतदान कार्य में लगे मतदाताओं के लिए 18 नवंबर, बचे हुए निर्वाचन कार्य से जुड़े मतदाताओं के लिए 19 नवंबर अंतिम तिथि निर्धारित की गयी है. बता दें कि विधानसभा चुनाव 2004 में पोस्टल बैलेट से मतदान का आंकड़ा क्रमशः 274 वर्ष 2009 में 2,262वर्ष 2014 में 21,675 वर्ष 2019 में 45,918 एवं 2024 के लोकसभा चुनाव में यह आंकड़ा 1,81,603 था.

पीएम का है झारखंड से विशेष लगावः नड्डा

रांचीः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झारखंड से विशेष लगाव है. सभी बड़ी स्कीमों की शुरूआत झारखंड से हुई है. भाजपा की सरकार बनने पर झारखंड में 10 नए मेडिकल कॉलेज बनाएंगे. गोगो दीदी योजना के तहत हर महिला को 2100 रुपए मिला. वे शनिवार को विश्रामपुर में बीजेपी उम्मीदवार रामचंद्र चंद्रवंशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झामुमो के लोग कहते थे कि यहां के लोग अनपढ़ हैं. आज यह देखकर खुशी होती है कि हमारी आदिवासी बहन भी मोबाइल पर गपशप करती हैं. हाइवे हो, रेलवे, एलिवेटेड सड़क, इंटरनेट हो या एयरपोर्ट पीएम मोदी के नेतृत्व में सब काम हो रहे है. यहां की जनता हेमंत सरकार को

उखाड़ फेंक, कमल खिलाएगी. केंद्र सरकार झारखंड के हर इलाके को विकसित करने के लिए संकल्पित है.

झारखंड में चाहिए डबल इंजन की सरकार

नड्डा ने कहा कि झारखंड में सिंगल नहीं डबल इंजन की सरकार चाहिए. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने 123 करोड़ की पानी की योजना को रोक कर रखा. इसकी वजह ये रही कि ये पैसा मोदी जी दे रहे थे. पीएम मोदी समाज के हर वर्ग में ऐसे लोगों को विकसित करना चाहते हैं जो दूसरों के लिए मिसाल बन सकें.

सीएम हेमंत ने बाबूलाल का घेरा, कहा- पिछड़ों का आरक्षण घटाकर गद्दारी की

रांची : झारखंड में अब बयानों के तीर चलने और तेज हो गये हैं. हर दल से तरकश से एक से बढ़कर एक बयानों के तीर चल रहे हैं. अब आरक्षण के मुद्दे पर सीएम हेमंत सोरेन ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को घेरा है. अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि भाजपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के राज में पिछड़ों का आरक्षण 27% से घटाकर 14 % कर उनके हको के साथ गद्दारी की. उनके विश्वास का गला घोंटा. जब हमने पिछड़ों का आरक्षण 14% से बढ़ाकर 27% किया, आदिवासियों का आरक्षण 28% तक बढ़ाया, दलितों का आरक्षण 12 % तक बढ़ाया. लेकिन इसका सबसे ज्यादा विरोध भाजपा ने किया.

भाजपा ने झारखंड में सबसे ज्यादा समय तक किया राज

सीएम ने एक अन्य पोस्ट में लिखा है कि झारखंड में सबसे ज़्यादा समय तक भाजपा ने राज किया. पर हमेशा सिर्फ़ और सिर्फ़ बड़े-बड़े उद्योगपतियों के हितों को पोषित किया. हमने हर एक झारखंडी के हितों को आगे रख कर कार्य किया है और आने वाले समय में पिछले 100 दिनों वाले कार्य की गति से भी तेज दोगुनी गति से कार्य करेंगे. 38 लाख से अधिक झारखंडी परिवारों का बिजली बिल जीरो आना शुरू है. एसी चलाइए, फ्रिज चलाइए या कोई और उपकरण. अबुआ सरकार के रहते बिजली बिल रहेगी शून्य मतलब 0 हमेशा.

अवैध घुसपैठ राज्य और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : बाबूलाल

रांची : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने घुसपैठ मामले पर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा है कि झारखंड में अवैध घुसपैठ राज्य और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है. राज्य का खुफिया विभाग ये स्वीकार कर चुका है कि मदरसों और मस्जिदों में बांग्लादेशी मुसलमानों को पनाह देकर उनके पहचान पत्र और आधार कार्ड तैयार किये जा रहे हैं. इसके बावजूद राज्य सरकार ने न्यायालय में झूठा शपथ पत्र दिया. घुसपैठ के तथ्यों को छिपाकर उच्च न्यायालय को गुमराह किया है.

संथाल में बस चुके हैं हजारों जमाई टोले

बाबूलाल ने आगे लिखा कि संथाल परगना में रोहिंग्या मुसलमानों के हजारों जमाई टोले बस चुके हैं. रांची डाल्टनगंज मार्ग (ब्रांबे, मांडर, चान्हो, मदरसा, कूड़) और रांची गुमला मार्ग (पिस्का, नगड़ी, इटकी, सिसई) में सैकड़ों अवैध मस्जिद-मदरसे खड़े हो गये हैं. लोहरदगा की स्थिति अत्यंत नाजुक हो चुकी है. इन इलाकों में पर्व त्यौहार मनाना, शादी विवाह करना तक दुश्वार हो गया है. घुसपैठिए हमारे भाई नहीं हो सकते. अवैध रूप से झारखंड में रह रहा हर बांग्लादेशी मुसलमान राज्य के लिए, हमारी संस्कृति के लिए, हमारे आदिवासी समाज के लिए और हमारी रोटी- बेटी- माटी के लिए बड़ा खतरा है. ये घुसपैठिए गरीब कामगार भाईयों का रोजगार छीन रहे हैं, आदिवासी बेटियों को लव जिहाद में फंसाकर उनका शारीरिक शोषण कर रहे हैं. जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और हमारे पर्व त्यौहार में विघ्न उत्पन्न कर रहे हैं. भगवान बिरसा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए, रोजगार और नौकरी के पर्याप्त अवसर के लिए, पारदर्शी परीक्षा के लिए, युवाओं को न्याय दिलाने के लिए, आदिवासी समाज के अस्तित्व को बचाने के लिए, माटी-बेटी-रोटी की रक्षा के लिए घुसपैठियों और उनके सरपरस्तों को यहां से खदेड़ना होगा.

सीएम पर कसा तंज, आदिवासियों की जमीनों को औने-पौने दामों पर खरीद कर उनको ठगा

बाबूलाल ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि हेमंत सोरेन ने आदिवासियों की जमीनों को औने-पौने दामों पर खरीद कर उन्हें ठगने का काम किया है. कांग्रेस शासनकाल में एचईसी समेत जितनी भी कारखाने स्थापित हुए, उसके कारण विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गयी. राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी को झारखंड की जनता से माफी मांगनी चाहिए. आदिवासी समाज के मान-सम्मान और अभिमान को वापस दिलाने के लिए परिवर्तन जरूरी है.

कपलिंग खोलते वक्त इंजन-बोगी के बीच दबा रेल कर्मचारी, मौतः2 घंटे फंसी रही लाश

बेगूसराय. बेगूसराय के बरौनी जंक्शन पर ट्रेन के पार्सल वैन और इंजन के बीच दबकर रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान दलसिंहसराय निवासी शंटिंग मैन अमर कुमार राउत (35) के रूप में की गई है। हादसा शनिवार सुबह हुआ। बताया जा रहा कि 15204 लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर आई थी। ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के लिए इंजन बदला जाना था। इंजन को बदलने के लिए शंटिंग मैन अमर कुमार राउत इंजन और बोगी के बीच काम कर रहे थे। वो कपलिंग खोल रहे थे। इसके बाद शंटिंग इंजन लगाकर ट्रेन को वॉशिंग पिट पर ले जाया जाता। इंजन बैक करने के दौरान वह दब गए। मौके पर ही मौत हो गई। प्लेटफार्म पर मौजूद लोगों ने शोर किया तो ड्राइवर इंजन को आगे करने के बदले वहां से भाग गया। जिसके बाद लोगों में काफी आक्रोश है। फिलहाल शव को निकाल कर प्लेटफार्म पर रखा गया है। मौके पर बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी और बरौनी रेलवे कॉलोनी में रह रहे मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे हुए हैं। करीब 2 घंटे के बाद शव को निकाला गया। पूर्व मध्य रेलवे के जीएम ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। सोनपुर डीआरएम को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है।

दहेज के लिए महिला को घर से निकालाः पति और परिजन ने की डिमांड, इनकार पर पत्नी और ससुर की जमकर की पिटाई

जमुई. जमुई के खैरा थाना इलाके में दहेज के लिए एक महिला को उसके ससुरालवालों ने घर से निकाल दिया। इससे पहले दहेज से इनकार करने पर महिला और उसके पिता की जमकर पिटाई भी की गई। पिटाई से घायल महिला और उसके पिता को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों का इलाज कराया गया। इस दौरान महिला के पिता ने पूरी कहानी बयान की। मामला खैरा थाना इलाके के पकरी गांव का है। पीड़ित महिला की पहचान निशा कुमार जबकि उसके पिता की पहचान सत्यनारायण साह के रूप में हुई है। घायल सत्यनारायण साह ने बताया कि वे अपनी बेटी को उसके ससुराल से मायका ले जाने के लिए पहुंचे थे। घायल सत्यनारायण ने बताया कि जैसे ही वे अपनी बेटी के ससुराल पहुंचे, दामाद और उसके परिजन ने दहेज की डिमांड कर डाली। उन्होंने कहा कि जब तक दहेज नहीं मिलेगा, निशा अपने मायके नहीं जाएगी। इस दौरान सत्यनारायण साह ने दहेज से इनकार किया, तो बेटी समेत उनकी पिटाई कर दी गई। मलयपुर थाना क्षेत्र के कटौना गांव के रहने वाले सत्यनारायण साह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी पकरी गांव के रहने वाले नागौ साह के बेटे प्रमोद से करीब दो साल पहले की थी। शादी के अगले दिन जब निशा अपने ससुराल गई। कुछ दिनों बाद ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार बेटी ने फोन कर हमें जानकारी दी। सत्यनारायण साह ने बताया कि शुक्रवार को जब वे निशा से ससुराल पहुंचे, तो उन्हें देखकर एक बार फिर दामाद और उसके परिजन ने दहेज की डिमांड कर दी। जब उन्होंने दहेज देने से इनकार किया, तो पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई, फिर प्रमोद ने अपने घरवालों के साथ उनकी पिटाई कर दी और घर से बाहर निकाल दिया।

डीएम ने गौशाला में की गाय की पूजाःजहानाबाद में गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन

जहानाबाद. जहानाबाद के गोरक्षणी स्थित गौशाला में गोपाष्टमी महोत्सव मनाया गया। डीएम अंलकृता पांडे इस समारोह में शामिल हुए। जिलाधिकारी ने गाय की पूजा की। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साल 1906 में गौशाला स्थापित हुआ है। लेकिन जिस तरह से इस गौशाला की हालत काफी दयनीय है। हम सभी लोगों को मिलकर संकल्प लेना है कि इस गौशाला को कायाकल्प करना है। उपस्थित लोगों से डीएम ने आग्रह किया कि सभी लोग इस गौशाला में कुछ ना कुछ दान करें। इस समिति के सदस्यों को उन्होंने कहा कि आप लोग भी एक प्लान बनाएं। इस गौशाला को किस तरह से आत्मनिर्भर बनाया जाए, जिससे इसकी आमदनी हो और रहने वाली गाय की सही ढंग से देखरेख हो सके। जिला प्रशासन भी इसमें हर तरह की मदद करने को तैयार है। जिला प्रशासन भी प्लान तैयार करेगी। किस तरह से इस गौशाला को आत्मनिर्भर बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि धार्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गौ माता को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इसलिए हम सभी लोगों को गौ की सेवा करनी चाहिए। 100 साल पहले इस गौशाला का निर्माण किया गया। काफी गर्व की बात है। लेकिन इसके आमदनी के कोई प्लान नहीं बनाया गया। इसके कारण इस गौशाला की हालत दयनीय है।

नदी में डूबे किशोर का शव 3 दिन बाद मिला

मोतिहारी. मोतिहारी में तीन दिन पहले नदी में नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव आज घटना स्थल से दस किलोमीटर दूर बरामद हुआ है। शव मिलने के बाद घर में कोहराम मच गया है। ये छठ पर्व पर घर आया था। घटना मोतिहारी पकड़ीदयाल नगर पंचायत वार्ड नंबर-5 की है। मृतक की पहचान तेजा महतो का 15 वर्षीय बेटे विशाल कुमार के रूप में हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सांझीया घाट को विशाल सिरसोपता बनाने के बाद सिकरहना नदी में नहाने गया। जहां नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गया था। डूबते देख अन्य बच्चों ने शोर मचाया।

लव अफेयर में चाचा के साथ भतीजे की मारी गोली

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में शनिवार सुबह दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजा थे। हत्या की वजह से अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन दोनों की हत्या के पीछे की वजह प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। तिरहुत रेंज के डीआईजी बाबूराम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले में दो लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। वारदात पारु थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान मोहजमा गांव निवासी सिंगेश्वर दास का 18 साल के बेटे राजू दास और लालबाबू के 14 साल के बेटे सूरज दास के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, राजू दास और सूरज दास की लाश उनके घर से 150 गज की दूरी पर मिली है। उधर, वारदात की सूचना के बाद पारु थाना की पुलिस और एसडीपीओ कुमार चंदन पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से बंदूक की गोली के दो खोखे बरामद किए हैं। एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि सूचना मिली थी कि पारु थाना क्षेत्र के मोहजमा गांव में दो युवकों की डेड बॉडी पड़ी है। जिसकी सूचना मिलते ही पारु थाना अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और मामले की जांच का आदेश दिया। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। तिरहुत रेंज के डीआईजी बाबू राम ने बताया कि पारू थाना क्षेत्र में दो युवकों की हत्या हुई है। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग को लेकर हत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक राजू दास के मोबाइल से कुछ सबूत मिला है, जिसके आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। साथ ही कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। जल्द ही मामला का खुलासा कर दिया जाएगा। डबल मर्डर केस की जानकारी के बाद तिरहुत रेंज के डीआईजी बाबूराम ने बताया कि प्रेम प्रसंग में हत्या

शिक्षक 4 दिन लेट पहुंचेंगे, फिर एक सीएल कटेगाः अटेंडेंस पंच की जल्दबाजी से मिलेगी राहत

पटना. बिहार के पांच लाख शिक्षकों को अटेंडेंस पंच के लिए जल्दबाजी करने से राहत मिलने वाली है। ई-शिक्षा कोष पर लेट पंच को अपडेट किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग की तय नियमावली को जोड़ा जाएगा। अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने जानकारी दी है कि शिक्षकों को लेट से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग का ऑर्डर देखना चाहिए।

शिक्षा विभाग ने सामान्य प्रशासन के आदेश को लागू किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की नियमावली के मुताबिक शिक्षक या कर्मी 4 दिन तक स्कूल लेट पहुंचते हैं, तो उन्हें एक कैजुअल लीव (सीएल) गंवानी होगी। नियमावली में स्पष्ट है कि तय समय में दस मिनट तक की रियायत दी जा सकती है।

क्लास 6 से 8 तक अब कंप्यूटर की होगी पढ़ाई

बिहार सरकार अब क्लास 6 से 8 तक के बच्चों को भी कंप्यूटर का ब्रिज कोर्स करवाएगी। बाद में इसे प्राइमरी सेक्शन में भी लागू किया जाएगा। आने वाले दिनों में क्लास 1 से 5 के बच्चे भी कंप्यूटर का ज्ञान हासिल करेंगे। जानकारी के अनुसार क्लास 6-8 में नए सेशन की शुरुआत से कंप्यूटर की पढ़ाई होगी।

हेडमास्टर तय करेंगे संगीत क्लास की टाइमिंग

स्कूलों में अब संगीत क्लास की टाइमिंग हेडमास्टर तय करेंगे। हेडमास्टर अपने मुताबिक क्लास में संगीत की पढ़ाई करवाएंगे। यहीं नहीं, जिन स्कूलों में संगीत टीचर नहीं हैं, वैसे स्कूलों के आसपास के स्कूल से संगीत टीचर जाकर बच्चों की म्यूजिक क्लास लेंगे।

दानापुर में बंद घर से 8.50 लाख की चोरीःछठ मनाने गांव गया था परिवार, गहने और नगद पर चोरों ने साफ किया हाथ

पटना. दानापुर थाना क्षेत्र के चित्रकूट नगर रोड नंबर 12 में बीती रात चोरों ने बंद घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर के सभी कमरों को खंगाल दिया। चोरों ने किरायेदार के कमरों को भी खंगाला। इस दौरान 6 लाख 50 हजार के जेवरात सहित 41 हजार नगद पर हाथ साफ किया है। वहीं किराएदार के कमरे से एक लाख के जेवरात और 50 हजार नगद चोरी कर ले गए। पीड़ित मकान मालिक सच्चिदानन्द सिंह ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत दिया है। उन्होंने बताया है कि वह पूरे परिवार के साथ 4 नवंबर को छठ पर अपने पैतृक गांव छपरा के परसा थाना के जमलकी गांव गए हुए थे। वहीं किरायदार विजय सिंह 6 नवंबर को घर में ताला लगा छठ करने छपरा अपने गांव चले गए। आज शनिवार की सुबह पड़ोसी संजय राय ने कॉल कर बताया कि आपने घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। इसके साथ ही घर के अंदर कमरों में सामान बिखरा हुआ है। सूचना मिलने के बाद आनन-फानन में घर पहुंचे। घर पहुंच इसकी सूचना डायल 112 के टीम के साथ ही स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पाकर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच छानबीन की। चोरों ने कमरे में रखे दीवान पलंग के अंदर से 10 तोला सोने के जेवरात जिसकी कीमत 6 लाख 50 हजार रुपए है। इसके अलावा 41 हजार रुपए नगद की चोरी कर ली गई है। वहीं किराएदार विजय सिंह के कमरे का गोदरेज तोड़कर एक लाख के जेवर सहित 15 हजार नगद की चोरी कर ली। इस मामले में दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि चित्रकूट नगर में बंद घर में चोरी की घटना हुई है। मामले की छानबीन की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

पटना में सेना के जवान और व्यापारी के घर चोरी

पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के सोहगी मोड़ के नजदीक चोरों के गिरोह ने बीती रात भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने घर में रखे गहने सहित नगद रुपए चोर कर ली। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने इसकी सूचना गौरीचक थाने को दी है। घर सेना के जवान का है। जवान संजय कुमार ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ छठ पूजा में शामिल होने अपने गांव बेगूसराय गए थे। सुबह में पड़ोसी के द्वारा उन्हें सूचना दी गई थी उनके घर का ताला टूटा पड़ा है। जब वह वापस घर लौटे तो देखा कि उनके घर में चोरी हुई है। उन्होंने बताया कि घर में घुसकर चोरों ने घर के सभी कमरे के आलमारी का ताला तोड़कर नगद रुपए, सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। लगभग 5 से 7 लाख रुपए के सामान की चोरी हुई है। घटना के बाद उन्होंने इसकी शिकायत गौरीचक थाने में की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं दूसरी घटना एक व्यापारी गोलू कुमार के घर हुई है। गोलू ने बताया कि वह मूल रूप से सैदपुर के रहने वाले हैं और गौरीचक में अपना मकान बनाकर रह रहे थे। छठ पूजा में शामिल होने अपने गांव गए हुए थे। जब लौटकर आया तो देखा कि घर के कमरे का ताला टूटा पड़ा है और गोदरेज में रखे गए नगद रुपए और जेवर गायब हैं। उन्होंने इसकी शिकायत गौरीचक थाने में की है। घटना की पुष्टि करते हुए गौरीचक थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जमालपुर-देवघर एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन अचानक हुआ खराबःबांका में यात्री परेशान

बांका. बांका रेलवे ओवरब्रिज के पास जमालपुर देवघर एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में शनिवार को अचानक खराबी हो गई। इस कारण ट्रेन के यात्री परेशान हो गए। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे से ही ट्रेन का इंजन खराब पड़ा है। काफी देर होने के बाद इंजन ठीक नहीं होने पर ट्रेन में सवार सभी यात्री छोटे वाहनों के सहारे रवाना हुए। सूचना के बाद रेलवे प्रशासन ट्रेन के इंजन में खराबी की जांच करने में जुट गई है। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। ट्रेन के इंजन में खराबी होने के कारण इस रास्ते से जाने वाली अन्य ट्रेन पर असर पड़ सकता है। रेलवे प्रशासन के अनुसार इस रूट पर दूसरे ट्रेन को अभी फिलहाल दिक्कत नहीं हुई है। यहां से शाम 5 बजे के बाद दूसरी ट्रेन जाती है। रेल का इंजन 5 बजे तक ठीक नहीं होने पर ट्रेनें प्रभावित हो सकती है।

जानकारी के अनुसार जमालपुर देवघर एक्सप्रेस ट्रेन जमालपुर से देवघर जा रही थी। इसी दौरान बांका रेलवे ओवर ब्रिज के पास अचानक इंजन में कुछ खराबी हो गई। इसके बाद ट्रेन अचानक रुक गई। यात्री कुछ समझ नहीं पा रहे थे कि ट्रेन अचानक क्यों रुक गई है। काफी देर होने के बाद जब यात्री परेशान होने लगे, तो ट्रेन से उतरकर लोको पायलट से पूछताछ करने पर पता चला कि इंजन में कुछ खराबी आ गई है। यात्रियों ने पूछा कब तक ठीक हो जाएगा। इस पर रेलवे प्रशासन ने बताया कि इंजन ठीक होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। बताया जा रहा है कि भागलपुर में ही इंजन को बदलना था। लेकिन किसी कारण से नहीं बदल पाए। काफी देर होने के बाद ट्रेन में सवार यात्री परेशान होने लगे तो सभी उतरकर छोटे वाहनों का सहारा लेकर वहां से सभी रवाना हो गए। देवघर जाने वाले यात्री ने बताया कि परेशानी के साथ-साथ डबल खर्च भी हम लोगों को करना पड़ रहा है। सभी ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर जाने के लिए हम सभी ने टिकट कटाया भी था।

शिशिर सिन्हा बनेंगे बिहार खेल विश्वविद्यालय के पहले कुलपतिः पूर्व आईएएस ने 2018 में लिया था वीआरएस, 5 साल में मिली है तीसरी पोस्टिंग

पटना. पूर्व आईएएस अधिकारी शिशिर सिन्हा बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के पहले कुलपति बनाए गए हैं। शिशिर सिन्हा 1982 बैच के आईएएस रहे हैं। खेल विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी की है। बता दें कि शिशिर सिन्हा भाजपा के राज्यसभा सांसद रहे सीपी ठाकुर के दामाद हैं। सेवानिवृति के बाद उन्हें यह तीसरी पोस्टिंग मिली है। वह सीएम नीतीश कुमार के काफी करीबी माने जाते हैं। सेवा के दौरान बिहार के विकास आयुक्त

पद पर रहे हैं। साल 2018 में उन्होंने रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले वीआरएस ले लिया था। इसके बाद उन्हें पहले बीपीएससी का चेयरमैन बनाया गया। फिर बिहार इलेक्ट्रिसिटी रेग्यूलेटरी अथॉरिटी के चेयरमैन रहे। अब नवनिर्मित खेल विश्वविद्यालय संभालेंगे।

3 लोगों को घायल करने वाले ड्राइवर को बनाया बंधक, पुलिस पहुंची तो उसपर भी हमला हुआ

मोतिहारी. मोतिहारी में भीड़ ने दरोगा धर्मेन्द्र कुमार को घेर लिया। जिसके बाद बचाव में डुमरिया घाट थाना के दरोगा ने फायरिंग कर दी। हवाई फायरिंग के बाद लोग थोड़ी दूर हुए। जिसके बाद दरोगा ने वहां मौजूद लोगों पर पिस्टल तान दी, और गोली मारने की धमकी दी। तब जाकर लोग शांत हुए। पुलिस फिलहाल टीम पर हमला करने वालों की अरेस्टिंग के लिए रेड कर रही है। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि भीड़ पुलिस की गाड़ी की ओर दौड़ती है। लेकिन, समय रहते पुलिस वाले गाड़ी लेकर वहां से निकल जाते हैं। इसके बाद

भीड़ पीछे मुड़ती है, और वहां खड़े दरोगा को घेर लेती है। दरोगा पर हमला करती इससे पहले दरोगा ने हवाई फायरिंग कर दी। मामले की जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा- 'डुमरिया घाट थाना में गश्ती गाड़ी पर असामाजिक लोगों ने हमला किया है। पुलिस ने अपनी सुरक्षा के लिए पहले लाठीचार्ज किया, फिर हवाई फायरिंग की है। वीडियो सामने आया है। उसमें से आरोपियों की पहचान की जा रही है। एफआईआर दर्ज कर SIT बनाई गई है। मौके पर और सर्किल इंस्पेक्टर मौजूद हैं। फिलहाल स्थिति सामान्य है।' लोग पिकअप वैन के ड्राइवर को छुड़ाने से नाराज थे। दरअसल, पिकअप वैन की टक्कर से तीन लोग घायल हो गए थे। जिसके बाद लोगों ने ड्राइवर को बंधक बना लिया था। पुलिस ने जैसे ही ड्राइवर को लोगों से बचाया, भीड़ आक्रोशित हो गई। मामला डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के रामपुरवा का है।

6 महीने में बिहार के 3 दरोगा का मर्डर

15 अगस्त 2023 को समस्तीपुर में बदमाशों ने एक दरोगा को गोलियों से भून डाला। फिर 20 दिसंबर 2023 को बेगूसराय में शराब तस्करों ने एक दरोगा को कार से कुचलकर मार डाला। घटना के 3 दिन बाद बदमाशों ने राजधानी पटना में एक दरोगा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जमुई में एक दरोगा को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला गया। अफसर सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने में लगे रहे और ग्राउंड पर पुलिस अपनी इज्जत बचाती रही।

भोजपुर में नीतीश कुमार की जनसभाः एनडीए कैंडिडेट के लिए मांगे वोट, एक बार फिर बोले- अब कहीं नहीं जाएंगे; राजद पर बरसे

आरा(भोजपुर). भोजपुर में तरारी प्रखंड के खैल मैदान में सीएम नीतीश कुमार ने तरारी विधानसभा उप चुनाव को लेकर एनडीए प्रत्याशी और भाजपा नेता विशाल प्रशांत के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। चिराग पासवान हम लोगों के साथ हैं वह भी काम करेगा। हमारा इनके परिवार से पुराना रिश्ता है। जेपी आंदोलन में हम जेल चले गए और रामविलास पासवान बाहर ही रह गए। रामविलास के लिए सारा इंतजाम हम बाहर रखे हुए थे। जब वह सांसद बनकर दिल्ली गए, उसके बाद ही चिराग पासवान का जन्म हुआ। अभी चिराग लड़का है और केंद्र में मंत्री है। इनके रहने पर

एक साथ बिहार में काम होगा। तरारी की जनता से यही अपील है कि आप एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी विशाल प्रशांत को आशीर्वाद दीजिए और इन्हें जीता कर सदन में भेजिए। नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से बिहार के लिए काम रहे हैं। इस दौरान हमसे दो बार गलती हुई है। गलत लोगों को साथ लेकर काम किया। बाद में पता चला कि वो सब काम गड़बड़ करता है। अब किसी भी प्रकार से बाएं-दाएं नहीं होगा। जो हमारा शुरू से रिश्ता है वही चीज कायम रहेगा। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में हम मंत्री रहे वह कितना मानते थे। जब तक गड़बड़ हुआ तब तक हुआ लेकिन आगे अब किसी प्रकार की भी गड़बड़ी नहीं होगी। जब राजद का राज्य था, तब बिहार के लोग शाम के समय में घर से बाहर नहीं निकलते थे। वह लोग मुस्लिम के वोट को लेने के चक्कर में रहते थे। उसकी सरकार में हिंदू और मुस्लिम आपस में झगड़ते थे। जब से हमारी सरकार आई है ना ही मुस्लिम झगड़ते हैं न ही हिंदू। राजद की सरकार में शिक्षा,स्वास्थ्य की लचर व्यवस्था थी। जाने आने के लिए कोई भी सड़क सही नहीं थी। हमारी सरकार जब से आई है तब से बिहार की सभी सड़कें दुरुस्त हो गई है। हमारी एनडीए की सरकार ने बिहार के लिए काम किए हैं इसलिए आप लोगों के बीच हम आए हैं। कब्रिस्तान की दीवार हिंदू–मुस्लिम के झगड़े के बीच फंसा रहता था। 8000 से ज्यादा हम लोगों ने तय करके कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई है। इसके बाद हिंदू के मंदिरों की घेराबंदी कराई। मंदिरों में घुसकर चोर मूर्ति,गहने, दान पेटी की चोरी कर लेते थे। आज के समय में यह संभव नहीं है कि मंदिरों में घुसकर लोग चोरी कर ले।

जेब में फटा मोबाइल, 4 लोग जख्मीःयुवक की पैंट से धुआं निकलने पर घर वाले पहुंचे

सुपौल. सुपौल में एक व्यक्ति की पॉकेट में रखा मोबाइल फट गया। हादसे में 4 लोग हल्के तौर पर जख्मी हो गए हैं। मामला छातापुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर खूंटी वार्ड-3 का है। घायलों में विजय कुमार, उनके माता-पिता और बड़े भाई शामिल हैं। विजय के अनुसार उसकी पैंट की पॉकेट में मोबाइल रखा था, जिसमें अचानक धुआं निकलने लगा। बड़े भाई ने निकालने की कोशिश की। इसी दौरान फट गया। विजय के अनुसार सभी का स्थानीय स्तर पर ही इलाज कराया गया है। उसने 5 साल पहले 2019 में मोबाइल खरीदा था। मोबाइल क्यों फटा, इसकी वजह पता नहीं चल सकी है। घटना शनिवार की सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। विजय कुमार अपने घर से जरूरी कामकाज के सिलसिले में बाजार जा रहा था। इसी दौरान उसकी पैंट की जेब से निकल रहे धुआं पर परिजनों की नजर पड़ी। परिजन वहां दौड़कर पहुंचे और उसकी जेब से मोबाइल निकालने लगे। इसी दौरान मोबाइल निकालने के प्रयास में युवक विजय कुमार के अलावा उसके पिता किशुनदेव मंडल, उसकी मां अहिल्या देवी और बड़ा भाई अजय मंडल शामिल है। घटना की सूचना पर जख्मियों के घर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय डॉक्टर को बुलाया गया है। फिलहाल सभी घायलों का उपचार निजी स्तर पर चल रहा है।

6 महीने पहले लव मैरिज अब मौतःऔरंगाबाद में शख्स ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस बोली- पोस्टमार्टम कराइए

औरंगाबाद. औरंगाबाद शहर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक शख्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शख्स ने 6 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। शख्स को फंदे से लटका देख परिजन उसे अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को लेकर चले गए। उधर, मामले की जानकारी के बाद पुलिस ने जांच पड़ताल की बात कही है। घटना औरंगाबाद शहर के जसोईया मोड़ स्थित भरथौली पथ के इलाके की है। मृतक की पहचान 24 साल के भोलू कुमार के रूप में हुई है. भोलू को अस्पताल ले जाने और उसके मृत घोषित होने के बाद कुछ स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। इसी दौरान भोलू के परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और लाश को लेकर अपने पैतृक गांव फेसर थाना क्षेत्र के बघोई कुसा लेकर चले गए। इस संबंध में परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। हालांकि मिली जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल 2024 को भोलू कुमार ने लव मैरिज की थी। गांव के ही कुछ लोगों का दावा है कि भोलू पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक कलह से जूझ रहा था।

18 की हुई तो प्रेमी से शादी करने पहुंचीःइनकार पर खुद को लगाई आग

गया. गया में 18 साल की होने पर एक लड़की अपने प्रेमी के पास शादी करने पहुंच गई। वहां विवाद होने के बाद लड़की ने सुसाइड करने की कोशिश में खुद को आग लगा ली। घटना के बाद आसपास के लोगों ने किसी तरह से आग बुझाई। वो बुरी तरह से झुलस गई है, और मगध मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा है। दरअसल, शुक्रवार को वजीरगंज की रहनेवाली डॉली 18 साल की हुई। जिसके बाद वो अपने प्रेमी सौरभ से मिलने गई। जहां दोनों में किसी बात को लेकर बहस हुई। इस बीच सौरभ के घरवालों ने उसे थप्पड़ मारे, उसका मोबाइल भी छीन लिया और उसे घर से धक्का देकर भगा दिया। इससे दुखी होकर लड़की चुपचाप घर लौट आई।

अगले दिन वह फिर प्रेमी की दुकान पर आई। साथ में एक बोतल में पेट्रोल लाई थी, जिसे छिड़ककर लाइटर से खुद को आग लगा ली। पूरा मामला वजीरगंज बस स्टैंड के पास का है। डॉली और सौरभ के बीच ढाई साल से प्रेम संबंध है। दोनों के परिवार में भी शादी की बात हो चुकी थी। डॉली के हाथ में सौरभ के नाम और उसकी फोटो का टैटू भी है। अपने इंस्टाग्राम आईडी पर उसने कई रील्स शेयर किए हैं, जिसमें वो सौरभ को अपना पति बता रही है। डॉली कुमारी और सौरभ कुमार का प्रेम प्रसंग था। पिछले साल जब यह मामला थाने पहुंचा तो लड़के और लड़की के परिवारों के बीच शादी को लेकर सहमति बनी थी। उस वक्त ये तय हुआ था कि लड़की की उम्र 18 साल होने के बाद दोनों की शादी कर दी जाएगी। युवती का 8 नवंबर को 18वां जन्मदिन था। वादे के मुताबिक, शादी की उम्मीद में वह शुक्रवार को छठ पूजा के मौके पर अपने प्रेमी के परिवार से मिलने पहुंच गई। जहां, सौरभ और डॉली के बीच बहस होने लगी। विवाद इतना बढ़ा कि प्रेमी के घरवालों ने उसे घर से धक्का देकर भगा दिया। खुद को आग लगाने वाली डॉली का सोशल मीडिया अकाउंट भी सामने आया है। इंस्टाग्राम पर डॉली काफी एक्टिव रहती थी। छठ पूजा से पहले उसने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें शारदा सिन्हा का गाना 'ससुर पिता है... पति देवता है' बज रहा है। वीडियो में कुछ फोटोज भी हैं, जिसमें डॉली सिंदूर लगाए दिख रही है। कहा जाता है कि दोनों परिवार के शादी के लिए राजी होने के बाद से डॉली अपने प्रेमी सौरभ को अपना पति मानने लगी थी और उसके नाम का सिंदूर भी लगाने लगी थी। गया का सौरभ पटना में रहकर पढ़ता है। वो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। उसकी वजीरगंज बस स्टैंड पर सब्जी की दुकान भी है, जहां लड़की का परिवार भी सब्जी बेचता है। डॉली 8वीं तक ही पढ़ी है। वह अपनी मां और भाई के साथ रहती है। पिता कोलकाता में काम करते हैं, जो दिव्यांग हैं।

सिर्फ घूमिए नहीं, बिहार के लिए कुछ कीजिए भीःतेजस्वी यादव का नड्डा के दौरे पर तंज

पटना. तेजस्वी यादव ने जेपी नड्डा के बिहार दौरे को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा है सबको आना चाहिए। छठ पर्व कितना फल-फूल गया है। इसका विस्तार काफी तेजी से हुआ है। अब यह देश में नहीं बल्कि विदेशों में भी मनाया जाता है। तेजस्वी ने कहा कि हम लोग यही चाहेंगे कि जो लोग अभी सत्ता में है, जिनके पास पूरे देश की कमान है। वह सिर्फ बिहार आकर घूमे ही ना कम से कम बिहार के लिए भी कुछ करें भी। हमें उम्मीद थी की छठ से पहले ही बिहार को विशेष राज्य का

दर्जा मिल जाएगा। अब भी मिल जाए तो इससे बढ़िया क्या होता? पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को फिर से धमकी मिलने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। यह प्रशासन और सरकार का मामला है। इधर, तेजस्वी के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि तेजस्वी चाहते हैं कि नड्डा छठ में व्रतियों का आशीर्वाद ना लें। तेजस्वी अपने शासन में हुई गुंडगार्दी को याद करें और मुझसे बात करें।

बेलागंज उपचुनाव में करेंगे प्रचार

पटना में राजद समर्थक द्वारा लगाए गए पोस्टर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा- 'पार्टी के हर लोग इस तरह के पोस्टर लगाते हैं। वैसे भी रोजगार सबको मिलना चाहिए हम सभी की यही इच्छा है।' दरअसल पोस्टर के जरिए तेजस्वी को नियुक्ति मैन बताया गया था, साथ ही 2025 में सीएम बनाने की बात की गई थी। तेजस्वी यादव ने कहा-'छठ के बाद झारखंड और बिहार उपचुनाव को लेकर प्रचार के लिए निकलेंगे।' बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को पटना पहुंचे थे। इस दौरान स्टीमर में बैठकर उन्होंने गंगा नदी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री नितिन नवीन, संजय मयूख समेत अन्य नेताओं के घर पहुंचकर, छठ पूजा में शामिल हुए। जेपी नड्डा राजेंद्र नगर स्थित शारदा सिन्हा के घर भी पहुंचे और उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। देर शाम वो पटना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का बिहार से पुराना नाता रहा है। वो मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं, लेकिन उनका बचपन और कॉलेज तक की पढ़ाई पटना में ही हुई है। छठ पूजा में शामिल होने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहली बार पटना आए थे।

आरबीआई ने साउथ इंडियन बैंक पर लगाया 59.20 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला किया है। बैंक ने अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए आरबीआई के पर्यवेक्षी मूल्यांकन का समर्थन किया था। इसके परिणामस्वरूप, आरबीआई के निर्देशों और गैर-अनुपालन के आधार पर साउथ इंडियन बैंक को जुर्माना लगाने का फैसला लिया गया। आरबीआई का कहना है कि बैंक ने कुछ ग्राहकों को एसएमएस/ई-मेल या पत्र के माध्यम से सूचित किए बिना न्यूनतम शेष/औसत न्यूनतम शेष राशि न बनाए रखने पर दंडात्मक शुल्क लगाया था। इस विवादित मुद्दे पर दी गई सुनवाई के दौरान आरबीआई ने यह फैसला सुनाया कि बैंक पर लगाए गए आरोप सही हैं और इसके लिए जुर्माना लागू किया गया। यह जुर्माना आर्थिक और नियामकीय अनुपालन पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य बैंक को अपने ग्राहकों के साथ संबंधित सेवाओं में कमियों के लिए जिम्मेदार ठहराना है।

बीजेपी सांसद ने शांति सैनिकों पर विषय से भटकने पर की पाकिस्तान की आलोचना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सांसद और बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शांति सैनिकों पर संयुक्त राष्ट्र सत्र पर विषय से भटकने के पाकिस्तान के प्रयासों की आलोचना की है और जम्मू और कश्मीर के बारे में झूठ बोला। उन्होंने दोहराया कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना विषय पर बोलते हुए पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने विषय से भटकने की कोशिश की और कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 1948 में जम्मू और कश्मीर में विवादित क्षेत्र के रूप में शांति सैनिकों को तैनात किया था। त्रिवेदी ने आपत्ति जताते हुए उत्तर देने का अधिकार का विकल्प चुना और सदन में दृढ़ता से कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हाल ही में उचित लोकतांत्रिक चुनाव हुए हैं और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मंच का गैर-तत्वपूर्ण और भ्रामक शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत, पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों का जवाब देने का विकल्प चुनता है, जिसने एक बार फिर इस प्रतिष्ठित संस्था को उसके एजेंडे से भटकाने का प्रयास किया है। हम यह बताना चाहेंगे कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने लोकतांत्रिक और चुनावी अधिकारों का प्रयोग किया है और एक नई सरकार चुनी। पाकिस्तान को इस तरह की बयानबाजी और झूठ से बाज आना चाहिए क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदलेंगे।

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में सीएम का समोसा बना चर्चा का विषय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में समोसा चर्चा में बना हुआ है। अब समोसा विवाद के बीच पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ समोसा पार्टी की। एक्स पर इसकी वीडियो शेयर की है। इस समोसा पार्टी को राज्य सरकार पर तंज के तौर पर देखा जा रहा है। असल में बीते दिनों हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 अक्टूबर को सीआईडी मुख्यालय गए थे। यहां पर उनके लिए तीन बॉक्सेज में समोसे और केक मंगवाए गए थे। ये फूड आइटम्स सीएम के पास पहुंचने के बजाय सुरक्षाकर्मियों को बांट दिए गए थे। इसके बाद इस पूरे मामले पर सीआईडी जांच बैठाई गई। सीआईडी ने जांच की है किसकी गलती से सीएम के लिए लाए गए समोसे और केक सीएम के स्टाफ को परोसे गए। जांच रिपोर्ट पर एक सीनियर अधिकारी ने लिखा- यह कृत्य सरकार और सीआईडी विरोधी है। इसके बाद से बीजेपी इसको लेकर सरकार को घेर रही है। बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार को सूबे के विकास की कोई चिंता नहीं है और उसकी एकमात्र चिंता मुख्यमंत्री का समोसा है। उन्होंने कहा कि सुक्खू के लिए लाए गए समोसे से जुड़ी घटना ने विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि जांच में इस गलती को सरकार विरोधी कृत्य बताया गया है। बीजेपी प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह घटना हिमाचल प्रदेश के सियासी हलकों में चर्चा का मुद्दा बन गई है। वास्तव में सीएम जैसे वीवीआईपी से जुड़े कार्यक्रम में इस तरह की समन्वय समस्याओं के कारण सरकारी मशीनरी शर्मिंदा है।

भजनलाल सरकार में बीजेपी विधायक की सुनवाई नहीं, अधिकारी नहीं उठा रहे फोन

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान की भजनलाल सरकार में बीजेपी विधायकों का अपनी ही सरकार के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। उनकी सरकार उनकी एक नहीं सुन रही है। अजमेर में मंत्री के सामने ही बीजेपी विधायक अनिता भदेल नाराज हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी भ्रष्ट हैं। काम करने के लिए पैसे मांगते हैं। उन्होंने कहा कि अगर इसी तरह चलता रहा तो मैं इन्हें मारूंगी। दरअसल नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा अजमेर में जनसुनवाई करने गए थे। यहां अजमेर दक्षिण की विधायक अनिता भदेल नाराज हो गईं। भदेल ने कहा कि अधिकारी बिना किसी गलती के लोगों के घर और गोदाम सीज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न तो नोटिस दिया जा रहा है और न ही कागज देखे जा रहे हैं। गैस गोदाम सीज होने से 15 हजार उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। सबके पास वैध कागज हैं लेकिन उपायुक्त समेत कोई भी अधिकारी विधायक का फोन नहीं उठाता है और अगर फोन पर बात के बाद पीड़ित व्यक्ति अधिकारी से मिलने जाता है तो वह कहता है कि विधायक से फोन करवाया है, अब 50 हजार रुपए और दो। विधायक जिद करने लगीं कि मंत्री के सामने ही उपायुक्त को फोन लगाया जाएं फोन लगाया तब भी उपायुक्त ने फोन नहीं उठाया उसके बाद मंत्री ने विधायक को आश्वासन दिया कि मैं इस पूरे मामले को दिखाऊंगा और कोई अधिकारी नहीं सुनता है तो उस पर कार्रवाई करेंगे।

तमिलनाडु सरकार ने सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी किया घोषित

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने राज्य सरकार ने सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित कर दिया है। इस साल जून तक राज्य में 7,300 सांप से काटने के मामले सामने आए हैं, जिनमें 13 लोगों की मौत हुई। पिछले साल राज्य में सर्पदंश के 19,795 मामले सामने आए थे और 43 मौतें हुई थीं, जबकि 2022 में 15,120 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 17 मौतें हुई थीं। सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित करने के बाद अस्पतालों को अब सांप के काटने के मामलों की रिपोर्ट सरकार को देनी होगी। तमिलनाडु सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत लिया गया यह कदम सर्पदंश के कारण होने वाली मौतों को रोकने, सांप के काटने से बचाव के लिए डेटा संग्रह, एंटी वैनम की आपूर्ति और नैदानिक बुनियादी ढांचे में सुधार में मदद करेगा। राज्य सरकार के इस फैसले का उद्देश्य सर्पदंश के कारण होने वाली मौतों में कमी लाना और स्वास्थ्य सेवाओं को सर्पदंश पीड़ितों के इलाज के लिए सशक्त बनाना है।

कांग्रेसी नेता बोले- बीजेपी यानी भारतीय झूठ पार्टीः मुंबई पहुंचे तेलंगाना-हिमाचल के सीएम, कर्नाटक के डिप्टी सीएम

मुंबईः महाराष्ट्र चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस शासित तेलंगाना-हिमाचल के मुख्यमंत्री और कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने बीजेपी के आरोपों का जवाब देने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान डीके शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी नेताओं का आभार कि उन्होंने हमे देश के लोगों के सामने भारतीय जनता पार्टी का झूठ सामने लाने का मौका दिया। कांग्रेस ने यह भी कहा कि बीजेपी का झूठ हर जगह बड़े-बड़े विज्ञापनों में देखने मिल रहा है। उसे भारतीय झूठ पार्टी कहना गलत नहीं होगा। एक ऐसी पार्टी जो पिछले 10 सालों से अपनी लकीर नहीं बढ़ा पाई, वह हमारी लकीरों को छोटी करती है।

मुंबई में शनिवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सुक्खू, कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और पवन खेड़ा भी मौजूद रहे। जहां सभी ने PM मोदी के 1 नवंबर को लगाए आरोपों का जवाब दिया। दरअसल एक पोस्ट में पीएम ने कहा था- कांग्रेस को यह बात अब समझ में आ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है, लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना मुश्किल है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में विकास और वित्तीय सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

कांग्रेस महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में शामिल हैं। एमवीए का मैनिफेस्टो जारी करते हुए राहुल ने महाराष्ट्र की महिलाओं को 3 हजार रुपए और युवाओं को 4 हजार रुपए देने का वादा किया था।

तीनों प्रमुख नेताओं ने क्या-क्या कहा...

डीके शिवकुमार बोले- महायुति के नेता कर्नाटक आएं, 33 वॉल्वो बसों में बैठाकर विकास दिखाएंगे डीके ने कहा- हम यहां सिर्फ झूठ बताने नहीं महायुति की तीनों पार्टियों को कर्नाटक आमंत्रित करने आए हैं। हम उन्हें कर्नाटक दिखने के लिए 33 वॉल्वो बस तैयार करेंगे। इतनी प्रगति एकाएक नहीं हुई, हमने काम किया है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में देखा कि कैसे लोग महंगाई से जूझ रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए हमने निर्णय लिया कि हम लोगों को महंगाई की मार के बाहर निकलने में मदद करेंगे।

रेवंत बोले- पिछली सरकारों ने तेलंगाना को धोखा दिया, हमने वादे पूरे किए रेवंत ने कहा- बीजेपी अगर गारंटियों के खिलाफ है तो 'मोदी की गारंटी' क्यों बोल रही है। बस चुनाव में बोलने के लिए कुछ चाहिए। लोगों को बताना जरूरी है कि कांग्रेस क्या कर रही है। तेलंगाना के किसानों को पिछली सरकार ने धोखा दिया। हमारी सरकार ने करोड़ों किसानों का कर्ज माफ किया। मैं हर किसान का डेटा दे सकता हूं। पिछले 10 महीने में हमारी सरकार ने 50 हजार लोगों को नौकरी दी। कोई भी नेता आकर देख सकता है। 50 लाख परिवारों को मुफ्त बिजली मिल रही है। हमने वादा किया और उसे निभाया।

सुक्खू बोले- क्या पैसे के बल पर सरकार गिराना लोकतंत्र है सुखविंदर सिंह ने कहा- हिमाचल में हमने पहले कार्यकाल में ही सरकारी अधिकारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम दी। 5 साल में गारंटी पूरी होती हैं, हम काम पहले ही शुरू कर देते हैं। बात चुनाव की होनी चाहिए, लेकिन चर्चा गारंटियों की हो रही है। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 5 हजार करोड़ की रेवड़ियां बांटी थीं। क्या पैसे के बल पर सरकार गिराना लोकतंत्र है।

चुनावी वादों को लेकर पीएम के कांग्रेस पर 5 आरोप

पीएम ने 1 नवंबर को लिखा- कांग्रेस लगातार प्रचार अभियान चलाकर लोगों से वादे करती रहती है, जिन्हें वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब वे लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। कांग्रेस की तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति का शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं, जिन्हें न केवल इन वादों का लाभ नहीं मिल रहा है, बल्कि उनकी मौजूदा योजनाएं भी कमजोर होती जा रही हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी विकास करने की बजाय पार्टी की अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त है। इतना ही नहीं, वे मौजूदा योजनाओं को भी वापस लेने जा रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जाता। तेलंगाना में किसान अपने वादे के मुताबिक कर्जमाफी का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उन्होंने कुछ ऐसे भत्ते देने का वादा किया था जो पांच साल तक लागू नहीं किए गए। कांग्रेस किस तरह काम करती है, इसके कई उदाहरण हैं।

उलेमा बोर्ड की मुसलमानों को 10% आरक्षण की मांगः चुनाव में महाविकास अघाड़ी के सामने समर्थन की 17 शर्तें रखीं

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने के लिए मुस्लिमों को 10 फीसदी आरक्षण, आरएसएस पर बैन जैसी 17 शर्तें रखी हैं। बोर्ड ने 7 नवंबर को एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार, शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी में उलेमा बोर्ड ने कहा है कि अगर महाराष्ट्र में एमवीए की सरकार बनती है तो वे वक्फ बिल का विरोध करें। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाएं। बोर्ड ने महाराष्ट्र में मुस्लिमों के लिए 10% आरक्षण और मुस्लिमों के खिलाफ बयान देने वाले भाजपा विधायक नीतिश राणे जैसे नेताओं पर कार्रवाई की मांग की है। उधर, भाजपा ने धर्म आधारित आरक्षण की मांग पर आपत्ति जताई। सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'संविधान के तहत धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले जमीयत उलेमा-ए-हिंद से कैसे कहते हैं कि वे मुसलमानों के लिए 10% आरक्षण की उनकी मांग पर विचार करेंगे।'

महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटों पर सिंगल फेज में 20 नवंबर को चुनाव होंगे। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। भाजपा महायुति गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने 148, शिंदे गुट ने 80, अजित गुट ने 53 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। बाकी सीटें छोटे दलों को दी हैं।

महाराष्ट्र में मुस्लिम वोटर्स अहम क्यों हैं

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में मुस्लिम आबादी करीब 1.3 करोड़ है। जो कि प्रदेश की कुल 11.24 करोड़ आबादी का 11.56% हिस्सा हैं। राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 38 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां मुसलमान करीब 20% हैं। इनमें 9 सीटें तो ऐसी हैं जहां मुस्लिम आबादी 40% से ज्यादा है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की बात करें तो यहां 10 सीटें पर 25% से ज्यादा आबादी मुस्लिमों की है। पिछले लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक वोट महाविकास अघाड़ी को मिले थे।

अब जानिए महाराष्ट्र चुनाव में कितने मुस्लिम उम्मीदवार

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों के लिए कुल 4,140 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें से मुस्लिम उम्मीवारों की संख्या मामूली है। महायुति की बात करें तो इसमें शामिल बीजेपी ने किसी भी मुस्लिम नेता को टिकट नहीं दिया। शिंदे गुट की शिवसेना से एक मुस्लिम प्रत्याशी उतारा गया है, जबकि अजित पवार की एनसीपी ने चार मुस्लिम नेताओं को टिकट दिया है। महाविकास अघाड़ी में शिवसेना उद्धव गुट ने भी एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं उतारा है, जबकि कांग्रेस ने आठ, एनसीपी-शरद गुट और सपा ने एक-एक मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट दिया है। वहीं, ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 14 प्रत्याशी चुनाव में खड़े किए हैं जिसमें 10 मुस्लिम हैं।

मेडिकल डिवाइस आत्मनिर्भर बनाने सरकार ने लांच की 500 करोड़ की योजना

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने भारत के चिकित्सा उपकरण उद्योग को मजबूत प्रदान करने के लिए 500 करोड़ रुपये की योजना को प्रारंभ किया है। इस योजना का उददेश्य मुख्य घटकों और सहायक उपकरणों का निर्माण, कौशल विकास, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन, सामान्य इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और उद्योग को बढ़ाने पर होगा। बताया जा रहा है कि इस योजना का शुरुआती बजट 500 करोड़ रुपये होगा, जो तीन साल तक के लिए है और वित्तीय वर्ष 2026-27 तक चलेगा। इस योजना में पांच घटक शामिल हैं, जिनमें मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए सामान्य सुविधाएं, क्षमता निर्माण और कौशल विकास, आयात निर्भरता को कम करने के लिए एक सीमित निवेश योजना, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन और एक मेडिकल डिवाइस प्रमोशन योजना शामिल हैं।

इस योजना के तहत, भारत में लगभग 20 मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए शोध और विकास लैब्स, डिजाइन और टेस्टिंग सेंटर और पशुओं के लैब्स जैसी सामान्य सुविधाओं का निर्माण करके इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 110 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें टेस्टिंग सेंटरों को बढ़ना भी शामिल होगा। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सामान्य सुविधाओं के लिए 20 करोड़ रुपये और टेस्टिंग सुविधाओं के लिए 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसी तरह मेडिकल डिवाइसों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख घटकों और कच्चे माल के उत्पादन को प्रोत्साहित करके वैल्यू चेन को बढ़ाने के लिए सीमांत निवेश योजना के लिए 180 करोड़ रुपये की रूपरेखा तैयार की गई है, जिससे आयात निर्भरता कम होगी।

यह उप-योजना 10-20 प्रतिशत की एकमुश्त पूंजी सब्सिडी प्रदान करती है, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये है। सरकार चिकित्सा उपकरणों की क्लिनिकल स्टडीज के लिए 100 करोड़ रुपये की सहायता योजना भी प्रदान करेगी, जिससे डेवलपर्स और निर्माताओं को पशु अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने और सफल होने पर मेडटेक उत्पादों को मान्य करने के लिए मानव परीक्षणों के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाया जा सकेगा।

टाटा भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थेः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा के प्रति प्रतिबद्धता वाला भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं का प्रतीक बताया। रतन टाटा का पिछले महीने आज ही के दिन निधन हो गया था। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष को श्रद्धांजलि देते हुए मोदी ने लिखा कि उनकी कमी न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी वेबसाइट पर 'श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि' नामक लेख में कहा कि टाटा आज भी उन जिंदगियों और सपनों में जीवित हैं, जिन्हें उन्होंने सहारा दिया और जिनके सपनों को साकार किया।

उन्होंने कहा कि भारत को एक बेहतर, सहृदय और उम्मीदों से भरी भूमि बनाने के लिए आने वाली पीढ़ियां उनकी सदैव आभारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक समाज के हर वर्ग के लोग उनकी कमी को गहराई से महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कोई उद्योगपति हो, उभरता हुआ उद्यमी हो या कोई पेशेवर हो, हर किसी को उनके निधन से दुख हुआ है। मोदी ने कई स्टार्टअप समेत पर्यावरण तथा समाज सेवा के क्षेत्रों में टाटा के निवेश का हवाला देते हुए कहा कि पर्यावरण रक्षा से जुड़े लोग और समाज सेवा से जुड़े लोग भी उनके निधन से उतने ही दुखी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टाटा ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां व्यापार अच्छे कार्यों के लिए एक शक्ति के रूप में काम करे और जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को महत्व दिया जाए और जहां प्रगति का आकलन सभी के कल्याण एवं खुशी के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे, जो याद दिलाते हैं कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा न किया जा सके।

उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने सभी को सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है। मोदी ने कहा कि दूसरों के लिए वह भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे तथा विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि टाटा के नेतृत्व में, टाटा समूह दुनियाभर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नयी ऊंचाइयों पर पहुंचा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने टाटा द्वारा भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का मार्गदर्शन करने और भविष्य की संभावनाओं से भरे उद्यमों में निवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि दूसरों के सपनों का खुलकर समर्थन करना टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। मोदी ने कहा, टाटा ने युवा उद्यमियों की आशाओं और आकांक्षाओं को समझा और साथ ही भारत के भविष्य को आकार देने में उनकी क्षमता को पहचाना। भारत के युवाओं के प्रयासों का समर्थन करके, उन्होंने नए सपने देखने वाली पीढ़ी को जोखिम लेने और सीमाओं से परे जाने का हौसला दिया।

पेंशनर्स के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेंशनर्स के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन अब अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत पेंशनर्स को 31 दिसंबर तक सत्यापन कराना होगा, अन्यथा उनकी पेंशन अस्थायी रूप से बंद हो सकती है। पेंशनर्स इस सत्यापन को ई-मित्र कियोस्क, अटल सेवा केंद्र, या ई-मित्र प्लस केंद्र पर जाकर बायोमेट्रिक (अंगुली की छाप) के जरिए करवा सकते हैं। अगर किसी पेंशनर को बायोमेट्रिक सत्यापन में परेशानी आती है, तो वे आइरिस स्कैन या एंड्रॉइड मोबाइल ऐप पर फेस रिकॉग्निशन के माध्यम से भी सत्यापन करा सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पेंशन निर्बाध रूप से जारी रहे, सभी पेंशनर्स को 31 दिसंबर से पहले अपना सत्यापन करवाना अनिवार्य है। पेंशनर्स के लिए भौतिक सत्यापन के विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन न कर पाने पर, उनका सत्यापन आइरिस स्कैन के द्वारा किया जा सकता है और अगर वे इसके लिए भी सक्षम नहीं हैं, तो फेस रिकॉग्निशन के जरिए सत्यापन की सुविधा दी गई है। अगर इन सभी विधियों से सत्यापन संभव नहीं हो पाता, तो पेंशनर को पेंशन स्वीकृति अधिकारी के पास व्यक्तिगत रूप से जाकर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। साथ ही यदि पेंशनधारक ने जन आधार से जुड़ी किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ लिया है, जैसे राशन या चिकित्सा बीमा, और वह बायोमेट्रिक सत्यापन से गुजर चुका है, तो उन्हें अलग से सत्यापन नहीं कराना होगा।

बांग्लादेश में इस्लामी चरमपंथी समूह इस्कॉन को निशाना बनाने की रच रहे साजिश

-लेखिका तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर किया दावा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया पर चटगांव स्थित इस्लामी चरमपंथी समूह हिफाज़त-ए-इस्लाम का हवाला देते हुए इस्कॉन के खिलाफ हिंसक की साजिश रचने का दावा किया है। तसलीमा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि हिफाज़त-ए-इस्लाम समूह ने इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की अपील की है और इस्कॉन को जान से मारे वाले नारे लगाए हैं। तसलीमा ने अपने पोस्ट में लिखा कि हिफाज़त-ए-इस्लाम ने खुले तौर पर आतंकवाद का समर्थन किया है और इस्कॉन के सदस्यों को निशाना बनाना चाहता है। तसलीमा ने सवाल उठाया कि क्या इस्कॉन ने कभी किसी पर हिंसा की है क्या उन्हें प्रतिबंधित किया जाना चाहिए? उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- इस्कॉन केवल एक धार्मिक संगठन है, जो विश्वभर में कृष्ण भक्ति का प्रचार करता है। फिर भी बांग्लादेश में उन्हें कट्टरपंथी समूहों का सामना करना पड़ रहा है। तसलीमा ने दावा किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों को भगाने की कोशिश करते हैं। इससे पहले भी तसलीमा ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के उत्पीड़न पर सवाल उठाए थे। उन्होंने चटगांव के हजारी लेन इलाके में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हिंदू समुदाय पर अत्याचार का असली कारण यह है कि एक मुस्लिम व्यक्ति ने इस्कॉन के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके जवाब में कुछ हिंदुओं ने विरोध प्रदर्शन किया और अपनी सुरक्षा की मांग की।

सीजेआई बनने से पहले जस्टिस खन्ना ने मॉर्निंग वॉक छोड़ीःसिक्योरिटी के साथ जाने की सलाह दी गई थी; इनकार कर दिया, बोले- आदत नहीं

नई दिल्लीः 11 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश की शपथ लेने जा रहे जस्टिस संजीव खन्ना ने मॉर्निंग वॉक छोड़ दी है। दरअसल, जस्टिस खन्ना को सिक्योरिटी के साथ मॉर्निंग वॉक पर जाने की सलाह दी गई थी, लेकिन जस्टिस खन्ना ने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी की आदत नहीं है। जस्टिस खन्ना सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद जस्टिस संजीव खन्ना भारत के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। वह 11 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश की शपथ लेंगे।

अकेले कई किलोमीटर मॉर्निंग वॉक करते हैं जस्टिस खन्ना

जस्टिस खन्ना दिल्ली में हर सुबह लोधी गार्डन एरिया और अपने घर के आसपास कई किलोमीटर तक अकेले टहलते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि कोई उन्हें पहचान नहीं पाएगा। हालांकि, अब उन्होंने बाहर मॉर्निंग वॉक बंद कर दी है।

सीजेआई चंद्रचूड़ का 8 नवंबर को आखिरी वर्किंग डे था, उन्हीं ने खन्ना के नाम की सिफारिश की

सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। उससे पहले 8 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में उनका आखिरी वर्किंग डे था। सीजेआई चंद्रचूड़ की विदाई के लिए सेरेमोनियल बेंच बैठी। वहीं, शाम को विदाई समारोह रखा गया। चंद्रचूड़ ने ही सरकार से संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की है। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है, इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे

जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया। सुप्रीम कोर्ट जज बनाए जाने से पहले वे दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे। उन्हें 2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट जज बनने पर भी हुआ था विवाद

32 जजों की अनदेखी करके जस्टिस खन्ना को सुप्रीम कोर्ट जज बनाने पर जमकर विवाद हुआ था। 10 जनवरी 2019 को कॉलेजियम ने उनकी जगह जस्टिस माहेश्वरी और वरिष्ठता में 33वें स्थान पर जस्टिस खन्ना को प्रमोट करने का फैसला किया। इसके बाद सिफारिश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दस्तखत कर दिए थे। अप्रैल 1973 में सुप्रीम कोर्ट के तीन सीनियर जजों को दरकिनार करते हुए एएन रे को सीजेआई बनाया गया था।1977 में जब जस्टिस रे रिटायर हुए तो जस्टिस एचआर खन्ना सबसे सीनियर थे। लेकिन, उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को चुना गया। इमरजेंसी के दौरान जस्टिस खन्ना ने इंदिरा सरकार के खिलाफ फैसले सुनाए थे, जस्टिस संजीव खन्ना उन्हीं के भतीजे हैं।

कोमा से चैतन्य अवस्था में आ रहा है, विपक्ष और मतदाता

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर है। पिछले 10 वर्षों में पहली बार विपक्ष और मतदाता अब मुखर होकर सामने आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विपक्ष के ऊपर जो आरोप लगाते हैं। विपक्ष अब उसका न केवल जवाब देना, सीख गया है। बरन भाजपा और केंद्र सरकार के ऊपर दमदारी के साथ आरोप लगाना भी सीख गया है।पिछले 10 वर्षों में इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों और विपक्ष ने भाजपा की हर रणनीति को समझ लिया है। जिस तरह से भाजपा चुनाव के दौरान जो घोषणा करती है। वह चुनाव के बाद जुमले बनकर रह जाते हैं। पिछले 10 साल के वादों को लेकर अब विपक्षी दलों ने भाजपा नेताओं के ऊपर हमला करना सीख लिया है। हाल ही में महाराष्ट्र के चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों पर भाजपा के ही सहयोगी दलों ने आपत्ति जताते हुए खुलकर विरोध जताया है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा झारखंड में जाकर जिस तरह से बंगाली घुसपैठियों को लेकर झारखंड सरकार को घेरने की कोशिश की। उसका जवाब भी उन्हें बड़े तगड़े तरीके से मिला है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने हेमंत विश्वा शर्मा और भाजपा को यह कहकर घेर लिया है। झारखंड की कोई भी सीमा बांग्लादेश से नहीं लगती है। बांग्लादेश के घुसपैठिये यदि झारखंड में आ रहे हैं, तो यह केंद्र सरकार की नाकामी है। केंद्र सरकार अपनी नाकामी का ठीक कर झारखंड सरकार पर कैसे फोड़ सकती है जो आरोप भाजपा नेताओं द्वारा विपक्ष के ऊपर लगाए जाते हैं। विपक्ष अब उसका जवाब देने और भाजपा को घेरने का कोई मौका नहीं चूक रहा है। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी को अब चुनाव के दौरान जवाब देना मुश्किल हो रहा है। महाराष्ट्र में धार्मिक ध्रुवीकरण का कोई भी प्रयास सफल होता हुआ नहीं दिख रहा है। उल्टे एनडीए गठबंधन के सहयोगी अजीत पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दोनों ने विरोध जताया है। भाजपा के बाहरी नेता महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सार्वजनिक रूप से यह कहा गया, कि इस तरह के बिगड़े बोल महाराष्ट्र के चुनाव में उल्टा असर दिखाएंगे। भाजपा नेताओं के बयान से अजीत पवार और एकनाथ शिंदे ने अपने आप को दूर कर लिया है। इसी तरह से झारखंड में भी बांग्लादेशी घुसपैठिए के नाम पर जो धार्मिक ध्रुवीकरण का वातावरण बनाया जा रहा था। उससे भी आम जनता प्रभावित होती हुई नजर नहीं आ रही है। पिछले 10 वर्षों से भाजपा ने चुनाव लड़ने का ट्रेंड बदल दिया है। वह मतदाताओं की जरूरतों, महंगाई, बेरोजगारी जैसे विषयों को छोड़कर अब केवल धार्मिक ध्रुवीकरण की बात करते हैं। विकास की कोई बात नहीं करते हैं। भाजपा नेताओं के पास केवल दो मुद्दे चुनाव प्रचार के लिए होते हैं। एक तो हिंदू मुसलमान का धार्मिक ध्रुवीकरण और विपक्षी नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर चुनाव को जीतने की कोशिश बीजेपी करती है। पिछले 10 वर्षों से यही सब होते हुए जनता देख रही है। भारतीय जनता पार्टी सही मायने में मतदाताओं को विश्वास नहीं दिला पा रही है। भाजपा जो बोल रही है उसे पूरा किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी को भी पता है, उसे चुनाव किस तरह से जीतना है। इसके लिए वह समय-समय पर चुनाव आयोग, ईडी, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और न्यायपालिका का उपयोग कर चुनाव जीतने के लिए सुनयोजित प्रयास करती है। जिसका फायदा चुनाव परिणाम में भाजपा के पक्ष में ही निकालकर सामने आता है। हरियाणा विधानसभा का चुनाव जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी ने जीता है। उसके बाद यह आम धारणा बन चली है, परिणाम तो भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में ही आएंगे। जनता और विपक्षी दल खुलकर यह कहने लगे हैं, जिसके कारण चुनाव की विश्वसनीयता घटती चली जा रही है। झारखंड में पहले चरण का मतदान दो दिन बाद होना है। आयकर विभाग की टीम ने जब मतदान होने में इतना कम समय रह गया है। तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आसपास के लोगों पर जो चुनाव में काम कर रहे थे। उनके यहां आयकर का छापा डलवा दिया। उन्हें चुनाव में काम करने से एक तरह से रोककर चुनाव को प्रभावित किया है। मतदाता अब इन सब बातों को समझने लगा है। इससे भाजपा को फायदा होगा या हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति लहर बनेगी, यह कहना मुश्किल है। चुनाव परिणाम में यह स्पष्ट हो जाएगा चुनाव के दौरान इस तरह से विपक्ष को आतंकित और प्रताड़ित करने से चुनाव परिणाम में क्या असर पड़ा है। बड़े बुजुर्ग यह कहते हैं। जिन कारणों से सफलता मिलती है, वही असफलता के कारण भी होते हैं। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर पिछले वर्षों में भाजपा को बहुत सफलता मिली है। भाजपा को केंद्र और कई राज्यों में सरकार भी बन गई। सरकार बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी आज भी धार्मिक ध्रुवीकरण को ही अपनी सफलता का आधार मानती है, तो यह गलती कर रही है। 10 साल के शासन में रहने के बाद अब आम जनता के लिए सरकार ने क्या काम किए हैं। इस आधार पर जनता वोट करेगी। जो वादे मतदाताओं को पहिले प्रभावित कर देते थे। यदि वह वास्तविक स्वरूप में जमीन पर नहीं उतरते हैं। सपने दिखाकर मतदाताओं को ज्यादा समय तक जोड़कर नहीं रखा जा सकता है। बार-बार प्रबंधन से चुनाव भी नहीं जीते जा सकते हैं।

विज्ञान में रूचि तो साहित्य भी जरुरी

वैज्ञानिक सोच में नवाचार हेतु विज्ञान संचार आज की आवश्यकता है जो विज्ञान से संबंधित विषयों के बारे में तकनीकी जानकारी को सार्वजनिक उपभोग के लिए समझने योग्य विज्ञान लेख, शोध पत्र और प्रश्न मंच को वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और आम जनों में वितरित करने की प्रक्रिया है। यह वैज्ञानिकों और आम जनता के बीच की खाई को पाटने से संबंधित क्षेत्र है, और संचार का एक बहुआयामी रूप है जो विज्ञान के कठिन विषयों यथा भौतिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, पर्यावरण विज्ञान और अधिक जैसे वैज्ञानिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है।इसलिए विज्ञान पत्रिका को यह देखना चाहिए क्रोई गलत न्यूज ना जा पाए इसमें व्याकरण का उतना महत्व ना भी हो तो क्रोई बात नहीं है लेकिन विज्ञान का समाचार फोर्मुला, टेबल या अन्य सामग्री रोचक बनाने में गलत ना हो और भ्रम न फैले जैसे भूत, प्रेत, जादू टोना दूसरे गह में एलियन आदि जो प्रायोगिक रूप से सिद्ध ही नहीं हुआ वो किस लॉजिक से दिया जा रहा है विज्ञान पत्रिका का उद्देश्य सुपरहिट नहीं, सुपरफिट जो वैज्ञानिक सिद्धांत के साथ साथ प्रयोग पर भी आधारित हो वैज्ञानिक का परिचय भी आवश्यक होता है ताकि वैज्ञानिक ने कैसे खोज की आधार क्या था उसमें कुछ ऐसे भी लेख हो जो ख़ासकर शोध पर भी आधारित हो जो युवाओ के करियर पर भी सही दिशा दिखाती हो जो उस फील्ड के एक्सपर्ट ही लिखें तो ज्यादा अच्छा हो हिंदी पत्रिका तो काफी निकल रही है लेकिन क्रोई अच्छा भी लिखता हो तो संपादक से सम्बन्ध ठीक नहीं रहता तो उसे छापना तो दूर पढ़ना भी पसन्द नहीं करते हैं पत्रिका में विज्ञान के हर फील्ड से कुछ ना कुछ सामग्री अवश्य हो और वेद विज्ञान भी जरुरी है जो आपके संस्कार को अच्छा बनाती है अब आज की तारीख में क्रोई रूचि नहीं ले रहा है बहुत सी पत्रिका बन्द या सिमित मात्रा में प्रकाशित कर रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसे में वैज्ञानिक पत्रिका निरंतर वैज्ञानिक लेखों और उससे सम्बंधित समाचार क्विज आदि का सफल प्रकाशन कर विज्ञान का हिंदी में प्रचार प्रसार कर रही है अभी हाल ही में 56(3) जुलाई सितम्बर 24 का एक बेहतरीन अंक प्रकाशित की है जो परिषद के लिए अति उत्तम और उसके ऑब्जेक्टिव को हासिल करने में सफल प्रयास कर रही है लेख जितना अच्छा संपादन होता उतना ही पाठकों को विज्ञान में रूचि पैदा होती है और जब कोई गुणवत्ता पूर्ण लेख अपनी पत्रिका में छापता है तो क्रोई अपने को बहुत बड़ा विज्ञान लेखक मानते हुए लेख को निकाले लाने पर क्रोधी हो जाता है लेकिन अपने लेख के बारे में नहीं देखता है विज्ञान लेखन स्वतंत्र है और विज्ञान की जानकारी प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है ऐसे में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद मुंबई के द्वारा वैज्ञानिक पत्रिका बिना किसी भेदभाव के अच्छे विज्ञान के लेख प्रकाशित करती है जिसके संपादक जाने माने विज्ञान संचारक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं जो पत्रिका को गुणवत्ता पूर्ण बना रहें हैं बधाई के पात्र हैं। वैज्ञानिक के वर्तमान मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र जो जागृति समिति, अनुशक्तिनगर के उपाध्यक्ष है निरंतर प्रयासरत है जो निश्चित रूप से हिंदी में विज्ञान संचार का अमूल्य कार्य कर रहें हैं वैज्ञानिक' द्वारा पाठकों में हिन्दी में वैज्ञानिक जागरूकता पैदा की जाती है जिसमें विज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों को समझाया जाता है ताकि लेख के स्तर पर पाठक अपने ज्ञान व क्षमता में वृद्धि कर सके इस , संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी।एन। मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं। अतः हिंदी में विज्ञान का संचार आज की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए सभी हिंदी विज्ञान की पत्रिका के अधिकारी बधाई के पात्र है जो अंधेरा में अंधविश्वास को दूर कर विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित कार्यों का सही विवरण व शोध लेख के माध्यम से प्रदान करते हैं।

अनुच्छेद 370 पर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा

इस देश कि किस्मत में क्या लिखा है ये कहना बहुत कठिन है । उस देश ने बहुत से बुरे दिन देखे है। 1947 से पहले भी और 2014 के बाद भी। जबकि 2014 में नारा अच्छे दिन आएंगे का दिया गया था। नारा केवल नारा ही साबित हुआ। नारा अमल में नहीं आ पाया। इसके लिए देश कि जनता जिम्मेदार है या नेता ये कोई अदालत तय नहीं कर सकती । हमारे पास तो अदालतें आजकल आधे-अधूरे फैसले देने के लिए लोकप्रिय है, फैसले टालने के लिए चर्चित है। नेताओं के साथ आरतियां उतरने के लिए सुर्ख़ियों में है। अब जो होगा सो 23 नबंवर के बाद देखा जाएगा ,जब विधानसभा चुनावों /उप चुनावों के परिणाम सामने आएंगे । देखा जाएगा 25 नबम्वर को जब देश के संसद एक बार फिर बैठेगी।

राकेश अचल

भारतीय राजनीति में जड़ता टूटने का नाम ही नहीं ले रही। सभी प्रमुख दलों का सुर एक जैसा है, यानि मेरा टेसू यहीं अड़ा। बात महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा चुनावों की नहीं बल्कि उस जम्मू-कश्मीर विधानसभा की है जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए रखे गए प्रस्ताव पर मुंहवाद ही नहीं हुआ बल्कि लात-घूंसे भी चले। जम्मू-काश्मीर से मीलों दूर महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने समवेत स्वर में कहा कि -मोदी के रहते इस प्रावधान की वापसी कभी नहीं होगी। हालाँकि महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधानसभा चुनावों का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है। अनुच्छेद 370 को हटाने कि पैरवी करते हुए प्रधानमंत्री जी और उनका कटक [फ़ौज] एक ही तर्क दे रहा है कि जम्मू-काश्मीर में बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान लागू है और वो ही रहेगा। अब सवाल ये है कि क्या संविधान का अनुच्छेद 370 का प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया था ? ये प्रवधान सौ फीसदी उसी संविधान का हिस्सा था जो बाबा साहब अम्बेडकर कि अगुवाई में रचा गया था।
हमारा संविधान लचीला है, उसे देश-काल के हिसाब से बदला जाता रहा है। कांग्रेस के समय भी और भाजपा के समय भी ,इसलिए कोई ये दम्भ और दावा कैसे कर सकता है कि जम्मू-काश्मीर को दोबारा अनुच्छेद 370 का संरक्षण नहीं मिल पायेगा।
आज का जम्मू -काश्मीर, कल के जम्मू काश्मीर से एकदम अलग है। आज के कश्मीर के पास राज्य का वैभव नहीं है । ये वैभव उसे आजादी के बाद बाबा साहब के संविधान से ही हासिल हुआ था। आज वो खंड-खंड हो चुका है। केंद्र के अधीन क्षेत्र भर है आज का जम्मू-काश्मीर। उसे उसका राज्य का दर्जा भी वापस चाहिए और संविधान के अनुच्छेद 370 का संरक्षण भी। अब ये कब और कैसे होगा? होगा भी या नहीं होगा? ये कहना कठिन है। भाजपा ने जम्मू-काश्मीर विधानसभा में और देश के दूसरे हिस्सों में जिस तरह से अनुच्छेद 370 को लेकर प्रतिक्रिया दी है उसे देखकर ये तो तय है कि जम्मू-काश्मीर की जनता के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा कि सरकार ने वादा खिलाफी की है। जम्मू-काश्मीर के लोगों को इस सरकार के रहते न राज्य का वैभव वापस मिलेगा और न अनुच्छेद 370 का छाता।
संविधान के अनुच्छेद 370 को लेकर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके हनुमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोलें तो समझ में भी आता है, लेकिन जब बाबा योगी आदित्यनाथ बोलते हैं तो हंसी आती है। वे आजकल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा का नया माउथपीस बने हुए है। वे बटोगे तो कटोगे का नारा देने के बाद अब कहते फिर रहे हैं कि देश में अब कांग्रेस का हाल भी संविधान के अनुच्छेद 370 जैसा होगा,यानि कांग्रेस भविष्य में कभी केंद्र कि सत्ता में नहीं लौटेगी। योगी बाबा के नारे को लेकर भाजपा गठबंधन में फूटे विरोध के स्वर देखते ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस नारे को नया मुखौटा लगाने की चतुराई दिखाई है । उनका नया नारा है कि - एक रहोगे तो सेफ रहोगे ये हिंदी और अंग्रेजी का खिचड़ी नारा है। इस नारे से न मराठी मानुष प्रभावित होने वाला है और न झारखण्ड का आदिवासी समाज।
एक सामान्य पत्रकार होने के नाते मै माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी कि वाडी लेंग्वेज देखकर ये बात दावे के साथ कह सकता हूँ कि दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बाद भी माननीय मोदी जी के स्वभाव में कोई तब्दीली नहीं आयी है । वे नारा अवश्य सबका साथ ,सबका विकास का लगा रहे हैं लेकिन हकीकत ये है कि वे इस देश के अल्पसंख्यकों को न एक रहने देंगे और न सेफ। उन्हें बहुसंख्यक हिन्दुओं को एक रखने और सेफ रखने की सनक सवार है। ये सनक भी है और इसे ुका दृढ संकल्प भी कहा जा सकता है। आरएसएस का एजेंडा भी कहा जा सकता है। इसे आप जो चाहे सो कह सकते हैं। सम्भवतःवे राजनीति में अवतरित ही इसी के लिए हुए हैं मुझे अनुच्छेद 370 वापस लाने में कोई दिलचस्पी नहीं है । मेरी चिंता जम्मू-काश्मीर कि जनता के साथ हो रहे दुराव को लेकर है । इस समय देश में लोकतंत्र के जितने भी स्तम्भ हैं उनमें से अधिकांश माननीय मोदी जी के सुर में सुर मिला रहे हैं या उनके प्रत्यक्ष और परोक्ष इशारों पर नर्तन कर रहे हैं। किसी एक विश्व विद्यालय के अलप संख्यक या बहुसंख्यक दर्जे का सवाल नहीं है, सवाल ये है कि आने वाले दिनों में क्या अल्पसंख्यकों को इतना दबाया जाएगा कि वे या तो बहुसंख्यक समाज के दास बन जाएँ या फिर देश छोड़कर भाग जाएँ,लेकिन ये दोनों ही सपने पूरे होने वाले नहीं है ।
अगर आप कान लगाकर सुनें तो आपको मोदी जी के सुर में वही तारत्व सुनाई देगा जो इजराइल के प्रधान नेतन याहू के या रूस के राष्ट्रपति पुतिन के या अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सुरों में शामिल है। एक अलग तरह का राष्ट्रवाद दुनिया के तमाम देशों में ठाठें मार रहा है। ऐसा दुनिया में पहले भी हुआ है ,आज भी हो रहा है और शायद कल भी होगा ,लेकिन इस राष्ट्रवाद की उम्र बहुत छोटी होती है। दुनिया में वही राष्ट्रवाद कामयाब है जहां सचमुच सभी जातियों ,धर्मों और वर्णों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। भारत जिस बीमारी से 1947 में बचकर निकल गया था आज वही बीमारी तेजी से फ़ैल रही है। बांटने और काटने की बात आजादी के पहले सुनाई दी थी और आज आजादी के 77 साल बाद एक बार फिर से सुनाई दे रही है। इस देश कि किस्मत में क्या लिखा है ये कहना बहुत कठिन है । उस देश ने बहुत से बुरे दिन देखे है। 1947 से पहले भी और 2014 के बाद भी। जबकि 2014 में नारा अच्छे दिन आएंगे का दिया गया था। नारा केवल नारा ही साबित हुआ। नारा अमल में नहीं आ पाया। इसके लिए देश कि जनता जिम्मेदार है या नेता ये कोई अदालत तय नहीं कर सकती । हमारे पास तो अदालतें आजकल आधे-अधूरे फैसले देने के लिए लोकप्रिय है, फैसले टालने के लिए चर्चित है। नेताओं के साथ आरतियां उतरने के लिए सुर्ख़ियों में है। अब जो होगा सो 23 नबंवर के बाद देखा जाएगा ,जब विधानसभा चुनावों /उप चुनावों के परिणाम सामने आएंगे । देखा जाएगा 25 नबम्वर को जब देश के संसद एक बार फिर बैठेगी।
अनुच्छेद 370 को लेकर दोबारा से शुरू हुई यलगार थमने वाली नहीं है। थम भी नहीं सकती,क्योंकि दोनों ही पक्ष झुकने को राजी नहीं है। याद रहे की अनुच्छेद 370 व्यवहार में तो हटाया जा चुका है किन्तु जम्मू-कश्मीर की जनता के दिलों से इसे हटाना आसान काम नहीं है। यदि होता तो विधानसभा चुनाव के बाद्घाटी में नेशनल कांफ्रेंस या इंडया गठबंधन की नहीं भाजपा गठबंधन एनडीए की सरकार होती। खंडित सूबे की जनता ने महाप्रभु मोदी का सपना खंडित कर एक और अपराध कर दिया है।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह-जीवन के निर्माण में मदद की है। विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं।

ललित गर्ग

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव पहली बार 1999 में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व विज्ञान सम्मेलन के दौरान रखा गया था। यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की गई कि विज्ञान समाज पर किस प्रकार प्रभाव डालता है और समाज के लिये अधिक उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से विज्ञान की अहमियत को सामने लाना और विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर आम लोगों की बहस को बढ़ावा देकर इस दिन के ज़रिए, विज्ञान को समाज एवं व्यक्ति से और ज्यादा करीबी से जोड़ा गया है। यह दिन हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युग की समस्याओं एवं चुनौतियों का समाधान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे विज्ञान जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करता है। यह युवाओं को विज्ञान का पता लगाने और दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में जिज्ञासा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जागरूकता बढ़ाकर, विश्व विज्ञान दिवस लोगों को समाज पर वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के सकारात्मक प्रभाव की सराहना करने के लिए एक साथ लाता है। लेकिन अब इस दिवस के साथ अध्यात्म को भी जोड़ा जाना चाहिए।
तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके। विज्ञान दिवस मनाकर, हमारा उद्देश्य सभी में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम-संबंध को प्रेरित करना है, जिससे एक अधिक आदर्श, संतुलित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। वैज्ञानिक खोजें दुनिया भर में शांति और विकास में सहयोग करते हुए लोगों को नई वैज्ञानिक प्रगति के बारे में बताती है। गरीबी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए विज्ञान के ज़िम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित भी करती है। वैज्ञानिक इस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह एवं सृष्टि के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे हम अपना घर कहते हैं और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में भूमिका निभाते हैं।
शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करते हुए यह दिवस विभिन्न देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना भी इस दिन का ध्येय है।. आज जबकि जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों और ग्रह के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसके लिये जलवायु परिवर्तन को सकारात्मक मोड़ देने के लिए विश्व समुदायों का निर्माण करने की अपेक्षा है। यह दिवस हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान के प्रभाव का प्रतीक है। यह हमें वैज्ञानिक प्रगति को आकर्षित करने और हमारे ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक गहन समझ को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता है। विज्ञान के ज़रिए वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी इस दिवस का मकसद रहा है।
यूनेस्को द्वारा 2001 में इसकी घोषणा के बाद से, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस ने दुनिया भर में विज्ञान के लिए कई ठोस परियोजनाएं, कार्यक्रम और वित्तपोषण उत्पन्न किया है। इस दिवस ने संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद की है, इसका एक उदाहरण यूनेस्को द्वारा समर्थित इजरायल-फिलिस्तीनी विज्ञान संगठन का निर्माण है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2024-2033 की अवधि को सतत विकास के लिए विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में घोषित किया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दोहन करने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनेस्को के नेतृत्व में, इस दशक का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सामाजिक और मानव विज्ञान, साथ ही अंतःविषय और उभरते क्षेत्रों सहित वैज्ञानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संगठित करना है, ताकि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में परिवर्तनकारी बदलाव में योगदान दिया जा सके। वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करके, दशक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए सुरक्षित, अधिक समृद्ध, शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में काम करने में विज्ञान की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। निश्चित ही विज्ञान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार किया है, रोज़गार के अवसर बढ़ाए हैं, असंख्य लोगों की जान बचाई है, कई उद्योगों में अहम भूमिका निभाई है, ऊर्जा और पानी तक पहुंचने में मदद की है, बीमारियों को ठीक करने में मदद की है, चिकित्सा-क्रांति का माध्यम बनकर कर असाध्य बीमारियों को नियंत्रित किया है।
विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह-जीवन के निर्माण में मदद की है। विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं। जरूरत है अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वित प्रयत्नों की, आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्वों के निर्माण की। नये सत्यों को खोजने की। न्यूटन से कहा गया- 'आपने बहुत से नियम खोजे हैं।' उन्होंने बहुत मार्मिक उत्तर दिया- 'तुम लोग कुछ भी कहो। लेकिन मेरी स्थिति तो समुद्र के तट पर खड़े उस बालक जैसी है, जो समुद्र के किनारे पड़ी सीपियों को बटोर रहा है।

सर्वोपरीः राजनीति- न शर्म न हयाः संविधान की रोज हत्या....?

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी 'विश्वगुरू' का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का 'शिष्य' बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है। आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग-अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।
....लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज 'बंटेगें तो कटेगें' का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल 'जुड़ेगे तो जीतेगें' को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक ''कुर्सी'' है।
यहां सबसे दुःखद यह है कि हमारे संविधान में साफ-साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज धर्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थों में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए?
आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है।

स्टार्टअप के जरिये शुरु करें अपना कारोबार, हो सकती है अच्छी खासी आय

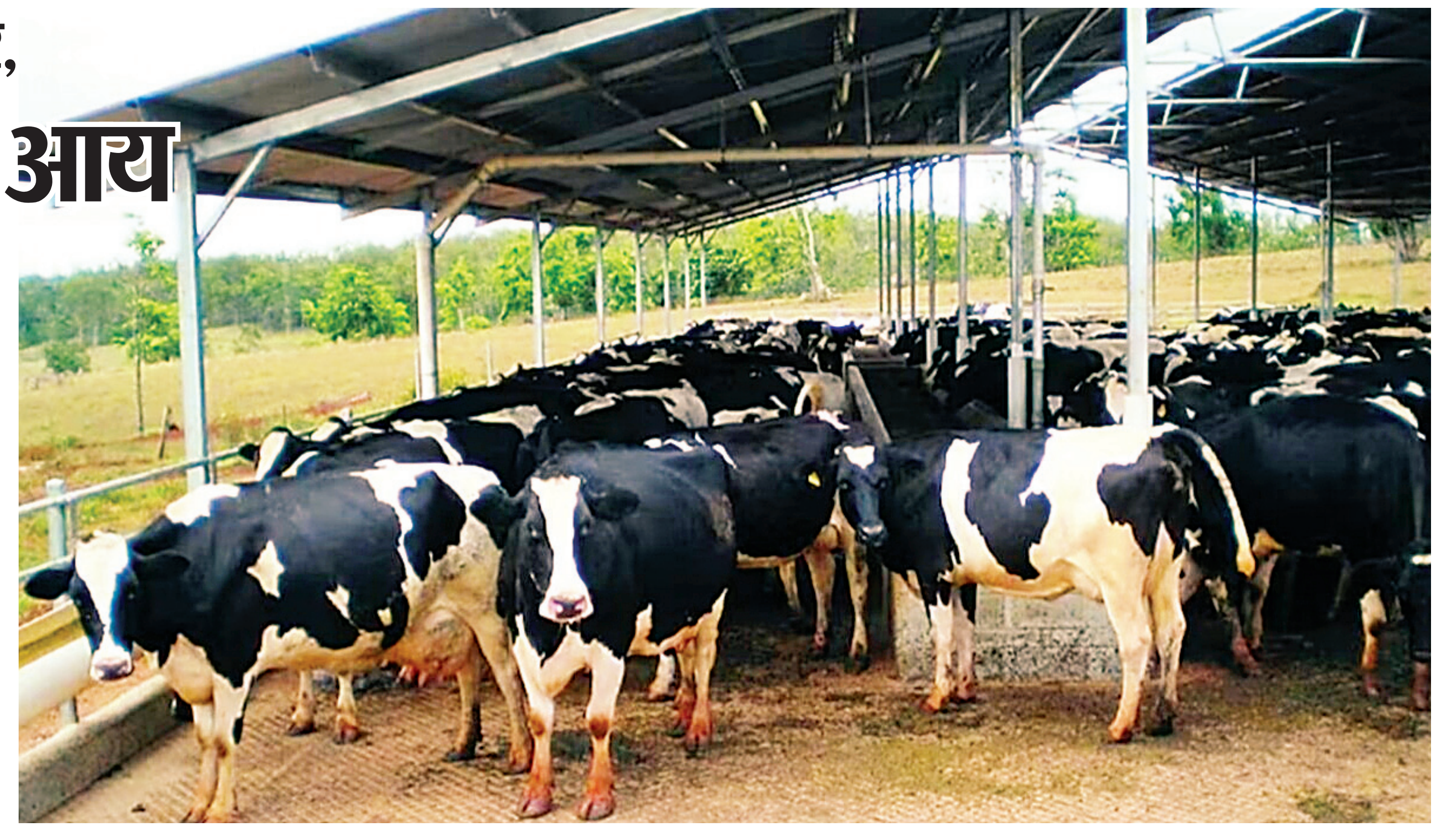

देश में बढ़ती बेरोजगारी देखते हुए अब स्वरोजगार पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में युवा स्टार्टअप के जरिये अपना स्वयं का कारोबार शुरु कर रहें हैं। सरकार भी इसको बढ़ावा दे रही है। स्टार्टअप के तहत दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में भी नये तरीके अपना कर कई करोबार शुरु किए जा सकते हैं। इसमें कम निवेश पर भी अच्छी खासी आय हो सकती है। आज हम आपको बात रहे है कुछ ऐसे ही व्यवसायों के बारे में जिन्हें आप कम लागत में ही शुरु कर लाखों रुपये कमा सकते हैं

डेयरी शुरु करें

गांव में रहने वाले अपने पास गाय या भैंस रखते ही हैं। बस एक या दो और गाय या भैंस खरीद कर डेयरी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। आपको एक अच्छी गाय 30 हजार रुपए तक की कीमत में और एक भैंस 50 हजार रुपए तक में मिल सकती है। शहरों में दूध की काफी मांग रहती है, इसलिए दूध का बिजनेस फायदेमंद हो सकता है। दूध 50 रुपए प्रति लीटर तक बिक जाता है। दूध की बिक्री के लिए आप डेयरी कंपनियों से संपर्क कर सकते हैं या फिर स्थानीय स्तर पर दूध बेचने वालों से भी संपर्क कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती

धान और गेहूं उगाने के अलावा सब्जियों की खेती आपको मालामाल कर सकती है। अगर आपके पास छोटी सी जमीन भी है तो इसमें आप सब्जी उगा सकते हैं। आजकल तो भारत सरकार देश के अलग अलग हिस्सों में कृषि सेंटर भी खोल रही है जहां आपको कम जमीन में अधिक पैदावार की तकनीक आसानी से मिल जाएगी। मिर्च, गोभी, टमाटर जैसी सब्जियां जमकर मुनाफा देती हैं।

मछली पालन

मछली पालन एक अच्छा बिजनेस साबित हो सकता है। शहरों में मछली की मांग काफी ज्यादा है। आप मछली पालन के लिए छोटी जमीन से काम शुरू कर सकते हैं। जमीन खोदने के बाद निकलने वाली मिट्टी तो बेच ही सकते हैं, जो गड्ढा बनेगा उसे तालाब की शक्ल देकर जलस्तर बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। ये कारोबार आपको लाखों की कमाई करा सकता है।

फूलों की खेती

आजकल हर त्योहारों, कार्यक्रमों, शादियों और पूजा-पाठ में फूलों की मांग काफी ज्यादा होती है। आप अपनी जमीन पर फूलों की खेती कर सकते हैं। सूरजमुखी, गुलाब, गेंदे की खेती बेहद फायदे की है। फूल बिक्रेता या कंपनियों से संपर्क कर आप अपने फूल बेच सकते हैं।

पेड़ लगायें

अगर आपके पास एक या दो बीघे की भी खेती है तो आप उसमें शीशम, सागौन जैसे बेशकीमती पेड़ लगा सकते हैं। अच्छे तरीके से लगाए गए ये पेड़ 8-10 साल बाद आपको करोड़पति बना सकते हैं। एक शीशम का पेड़ 40 हजार रुपए में बिक जाता है। सागौन का पेड़ तो उससे भी कीमती है।

सही दिशा में कदम से मिलती है सफलता

हर इंसान अपनी जिंदगी में सफल होना होना चाहता है। सफलता पाने के लिए हर व्यक्ति जी तोड़ मेहनत करता है और अपनी मेहनत से ही सफलता पा भी लेते है। अपने करियर को जिंदगी में सफलता पाने के लिए सही दिशा में कदम आपको ही उठाने पड़ते है। अपनी जिंदगी को सही तरीके से चलाने के सारी चीजें आप खुद ही योजना बनाते हैं। इसलिए अपने करियर के चुनाव और करियर में आगे बढ़ने के लिए आपको स्वयं को जानने की जरुरत है ताकि आप अपनी कमियों को पहचान कर उनको दूर कर सकते है। कुछ लोग इतने संवेदनशील होते हैं कि अगर उनका उत्साह टूट जाए तो वे हिम्मत हार जाते हैं। किसी एक क्षोत्र में मिली हार के बाद वे प्रयत्न करना ही बंद कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि योग्यता होने के बावजूद वह औसत या उससे भी निचले दर्जे के व्यक्ति बनकर रह जाते हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि जीवन किसी एक की सफलता पर आधारित नहीं वह तो निरंतर श्रम और प्रयत्न पर निर्भर है। इसलिए हमें कभी भी अपनी परिस्थितियों के आगे घुटने नही टेकने चाहिए बल्कि उनका डट कर मुकाबला करना चाहिए और हिम्मत और धैर्य से काम लेना चाहिए।

हमें विपरीत परिस्थितियों में घबराना नहीं चाहिए, अपने पर विश्वास रखना चाहिए और धैर्यपूर्वक सही दिशा में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। ऐसा करने से हमें सफलता निश्चित ही मिलेगी, इसे कोई रोक नहीं सकता।

बढ़ेगी एकाग्रता

हमारे आसपास मौजूद ऊर्जा हम पर सीधा प्रभाव डालती है। अगर मन स्थिर नहीं रहता या एकाग्रता की कमी है तो कहीं न कहीं हमारे आसपास मौजूद नकारात्मक ऊर्जा इसका कारण हो सकती है और यही हमारी सफलता में बाधक हो सकती है। ऊर्जा का संतुलन बेहद आवश्यक है।

बहाने न बनायें

अगर आप वास्तव में अपने काम को लेकर गंभीर हैं तो बहाने न बनायें। जब लोग अपना काम समय पर और सही तरीके से नहीं कर पाते तो वे दूसरों को दोष देने लगते हैं। यह बहाने सिर्फ आपके काम को ही नहीं, बल्कि आपके कॅरियर ग्राफ को भी प्रभावित करते हैं। साथ ही कुछ लोग अपने काम को दूसरों पर टालने के लिए इन बहानों का सहारा लेने लगते हैं। बाद में यह उनकी आदत में शामिल हो जाता है और वे कभी भी सफलता नहीं हासिल कर पाते।

आत्मविश्वास रखें

किसी भी काम में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले आपको आप पर भरोसा होना चाहिये। जब आप स्वयं ही खुद पर भरोसा नहीं करेंगे तो फिर दूसरे आप पर भरोसा कैसे कर सकते हैं। अगर आपको लगता है कि आप यह काम नहीं कर पाएंगे तो अपने से कहें कि मैं यह कर सकता हूं और दूसरों से बेहतर कर सकता हूं।

कम उम्र के बच्चों को भी होता है अवसाद

आजकल छोटी उम्र में भी बच्चे अवसाद का शिकार हो रहे हैं। बच्चों में इस बीमारी को रोकने में अभिभावक अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन में सामने आया है कि बच्चों से संवाद की इस नई थैरेपी के तहत अभिभावक बच्चों से बातचीत करने की कला सीख उन्हें बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि अभिभावक इस थैरेपी से बच्चों में व्यवहारिक तौर पर होने वाले विकार से निजात दिलाई जा सकती है। साथ ही यह थैरेपी बच्चों के छोटी उम्र में हुए अवसाद से बाहर निकालने में कारगर साबित हो सकती है।

आपको बता दें कि कुछ मामलों में 3 साल की उम्र के बच्चों में भी अवसाद पाया गया है। कुछ मामलों में तो स्कूल जाने से पहले ही बच्चों को एंटी डिप्रेशन दवाएं लेने की जरूरत पड़ती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को साइकोथैरेपी की भी जरूरत पड़ती है। इस थैरेपी में अभिभावकों को बच्चों से बात करने की सही तकनीक सिखाई जाती हैं। इन तकनीकों का अभ्यास अभिभावक पहले विशेषज्ञों की देखरेख में कर सकते हैं।

कम उम्र में बच्चों को अवसाद से बचाने के लिए शोधकर्ताओं ने इस थैरेपी में उनके भावनात्मक विकास के लिए भी मोड्यूल तैयार किया है। इस थैरेपी में इस्तेमाल होने वाली तकनीकों से अभिभावक बच्चों को उनकी भावनाओं पर नियंत्रण रखना सीखा सकते हैं और साथ ही वे उनके बेहतर भावनात्मक सहभागी भी बन सकते हैं। इन तकनीकों को इस तरह तैयार किया गया है कि बच्चे अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने के साथ-साथ भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त भी कर पाएं। इस अध्ययन में कम उम्र के बच्चों में पाए जाने अवसाद के कारण और उनके लक्षणों का पता लगाया गया है। साथ ही इससे छुटकारा पाने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए इसका भी पता लगाया गया है। 3 से 6 साल की उम्र के अवसादग्रस्त बच्चों को कम उम्र में अवसाद वाले वर्ग में रखा जाता है। साथ ही ऐसे बच्चों के अभिभावकों को थैरेपी के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है।

व्यायाम रखेगा बीमारियों से दूर

शरीर स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना जरुरी है। अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट व्यायाम करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं। आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें।

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है ! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं ! लोग अपनी बीमारियों को टालने की कोशिश करते हैं या फिर अपनी बीमारियों को नहीं मानते जो नुकसानदेह है। किसी भी तखलीफ में डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आप हर रोज पांच अलग रंग के फल खाएं। साफ पानी तीन से 5 लीटर पीयें। दूध का सेवन करें। इसके अलावा खुश रहने के बहाने खोजें। सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। आप काम के साथ ही खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि। स्वस्थ रहने के लिए साफ सफाई का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है। आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

नंगे पैर चलना बच्चों के लिए होता है फायदेमंद

बच्चों के बेहतर विकास के लिए माता-पिता उनका ख्याल रखने के दौरान सुरक्षा के प्रति भी जगह रहते हैं। वहीं अब एक अध्ययन में पाया गया है कि नंगे पांव रहने वाले बच्चों में कूदने और संतुलन बनाने की क्षमता उन बच्चों के मुकाबले बेहतर होती है जो ज्यादा समय तक जूते पहने रहते हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि बच्चों ने कूदने और संतुलन बनाने में बेहतर प्रदर्शन किया है, जो यह दर्शाता है कि बचपन और किशोरावस्था में बुनियादी संतुलन का विकास लंबे समय तक नंगे पैर रहने से बेहतर होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार नंगे पैर रहने से ज्यादा प्राकृतिक रहने का अहसास होता है जबकि पैरों में कुछ पहनकर चलने से पैरों के स्वास्थ्य और संचालन की प्रगति प्रभावित होती है।

इस अध्ययन में संतुलन, लंबी कूद और 20 मीटर दौड़ की गतिविधियों के लिए ग्रामीण दक्षिण अफ्रीका तथा उत्तरी जर्मनी के शहरी क्षेत्रों के 6-18 आयु वर्ग के 810 लोगों को शामिल किया गया है।

परिणामें में सामने आया है कि नंगे पैर चलने वाले लोगों ने संतुलन और ऊंची कूद में जूते पहनकर चलने वाले लोगों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है।

नंगे पैर चलने के फायदे-

नंगे पैर जमीन पर चलने से बॉडी पोश्चर सही रहता है। इससे कमर भी सीधी रहती है, जिससे कमर और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बहुत सी परेशानियां दूर हो जाती हैं। नंगे पैर चलने से पैरों के दर्द में भी फायदा होता है। नंगे पैर चलने से रक्त संचार बढ़ता है जिससे पैरों का निचला हिस्सा मजबूत होता है। एक शोध के अनुसार, नंगे पैर चलने से तनाव भी कम होता है और दिमाग शांत होता है।

सूर्य पूजा के साथ करें शिव आराधना

सावन माह के दूसरे दिन रविवार को भगवान भोले नाथ और माता शक्ति की एक साथ पूजा करें और साथ में सूर्य की भी पूजा करें इससे आपको संतान सुख, वैभव, धन और वर्चस्व की प्राप्ति होगी। सबसे पहले रविवार को स्नान के पश्चात पूजास्थल में विराजित शिवलिंग या शिव पार्वती की तस्वीर का विधिवत पूजन करें। लाल और पीले रंग के वस्त्र पहनें तो अति उत्तम रहेगा। इसके बाद पूर्व मुखी होकर कुशा के आसन पर बैठ कर पूजा करें। दिया जलायें, शिव जी और सूर्य देव पर जल चढ़ायें। शिवलिंग पर धतूरे के पुष्प, अकौड़े के पुष्प और बेलपत्र अर्पित करें। जल में गुड़ मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें तथा जायफल हाथ में लेकर नीचे लिखे मंत्र का 108 बार जाप करें और उसके बाद जायफल को घर की पूर्व दिशा में किनारे रख दें।

अब विधान पूर्वक सूर्य की पूजा करें। सूर्य देव का ध्यान कर जल में कुमकुम मिलाकर अर्घ्य दें। सूर्य और शिवलिंग पर लाल चंदन चढ़ाएं। सूर्य देव को लाल कनेर के फूल अर्पित करें और लड्डू या गुड़ का भोग लगाएं। फिर नीचे दिए सूर्य मंत्र का जाप करें। इस मंत्र जाप करने से सफलता के साथ यश भी प्राप्त होता है। त्वचा संबंधी रोगों का अंत होता है। ये सूर्य मंत्र कामना सिद्धि प्रदान करने वाला होता है।

सूर्य आराधना मंत्र- ह्रीं सूर्याय सर्वभूतानां शिवायार्तिहराय च। नमः पद्मप्रबोधाय नमो वेदादिमूर्तये।।

मंत्र समाप्ति के बाद सूर्य देव के चित्र की प्रदक्षिणा करें। रविवार को उपवास करें और सूर्यास्त से पहले नमक का सेवन न करें। ऐसा करने से संतान सुख में वृद्धि होती है, जीवन वैभवशाली बनता है अपार धन की प्राप्ति होती है और सामाजिक वर्चस्व बढ़ता है।

...तो बच्चा खुशी-खुशी जायेगा स्कूल

कई बार बच्चे स्कूल जाने के नाम से ही रोने लगते हैं। ऐसे में अभिभावक भी परेशान हो जाते हैं और समझ नहीं पाते कि बच्चे को कैसे राजी करें। इस प्रकार के हालात में प्यार से बच्चों को स्कूल और पढ़ाई की अहमियत बता कर आप उन्हें जाने के लिए मना सकते है। इसके अलावा कई और बातों से भी आप उसे स्कूल जाने को उत्साहित कर सकते हैं।अक्सर स्कूल जाते समय बच्चे माता-पिता से दूर होने के कारण डरते है। ऐसे में आप उन्हें वहां पर होने वाले खेल-कूद के बारे में बताकर स्कूल जाने के लिए मना सकते है। स्कूल में बच्चे को दूसरे बच्चों के साथ दोस्ती करने बारे में बताएं। इससे आपका बच्चा दोस्तों के साथ खेल-कूद के बहाने स्कूल जाने लगेगा।बच्चों के लंच बाक्स में उनकी पंसद से ही खाना पैक करें। टिफिन पैक करने से पहले बच्चों से ही पूछ लें कि वो लंच में क्या खाना चाहते है। बच्चे टीचर से जल्दी अटैच हो जाते है लेकिन अगर आपका बच्चा किसी टीचर से डरता है तो उनसे बात करें।

ट्रंप-जेलेंस्की की फोन पर हुई बात, रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के मिल रहे सकारात्मक संकेत

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से पहली बार फोन पर बात की। इस दौरान एलन मस्क भी मौजूद थे। ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद का विरोध करने के बाद यूक्रेन चिंतित था, लेकिन इस बातचीत के बाद सकारात्मक संकेत मिले हैं।

अभी तक ट्रंप ने रुसी राष्ट्रपति पुतिन से संपर्क नहीं किया है। पुतिन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ट्रंप कॉल करेंगे, तो वह बात जरुर करेंगे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका जेलेंस्की से बातचीत इसी दिशा में उठाया गया कदम हो सकता है।

इसमें एलन मस्क की मौजूदगी दर्शाती है कि ट्रंप प्रशासन में उनका कितन असर रहेगा। इससे पहले मस्क ने तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन

से ट्रंप की कॉल में भी भाग लिया था, जिससे उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत मिलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों से ट्रंप और जेलेंस्की की टीमों के बीच संवाद चल रहा था। करीब 25 मिनट की कॉल में जेलेंस्की ने ट्रंप को चुनाव में जीत की बधाई दी। ट्रंप ने बातचीत में यूक्रेन के समर्थन का आश्वासन दिया और एलन मस्क ने भी स्टारलिंक उपग्रहों के जरिए से यूक्रेन का समर्थन जारी रखने की बात कही।

ट्रंप की हत्या के लिए ईरान ने दी खतरनाक किलर को सुपारी

ईरान की पैरामिलिट्री रिवॉल्यूशनरी गार्ड के एक अनाम अधिकारी ने फरहाद शकीरी नाम के शख्स को ट्रंप की निगरानी और हत्या की जिम्मेदारी दी थी। ईरान ने यह योजना सितंबर में ही बनाई थी और एक हफ्ते में अंजाम तक पहुंचाने का इरादा भी किया था। ट्रंप की हत्या की साजिश में न्यूयॉर्क के दो लोग भी शामिल थे। फरहाद से यह भी कहा गया था कि अगर वह सितंबर में ऐसा करने में नाकाम रहा तो फिर उसे अमेरिकी चुनाव खत्म होने तक इंतजार करना होगा। ईरान को ऐसा लग रहा था कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव हार जाएंगे। ऐसे में ट्रंप के पास सुरक्षा का बहुत ताम-झाम नहीं रहेगा और उन्हें मारना आसान होगा। मैनहटन की संघीय अदालत में दाखिल एक आपराधिक शिकायत में यह बात कही गई है।

शिकायत के अनुसार शकीरी ने एफबीआई को बताया कि ईरानी अधिकारी ने उसे सात दिन के भीतर हत्या की योजना बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि उसने तब योजना बनाई नहीं थी। ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा उनकी जीत के कुछ ही दिनों के बाद हुआ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमला हुआ है। इन हमलों के दौरान ट्रंप बाल-बाल बच गए थे। बता दें कि ईरान डोनाल्ड ट्रंप को मारकर ईरानी मेजर जनरल और कुद्स फोर्स के कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेना चाहता है। सत्ता में आने के बाद भी ट्रंप ने ईरान को लेकर अपने खतरनाक इरादे जाहिर कर दिए हैं। ऐसे में ईरान ट्रंप को खत्म कर देना चाहता है।

फरहाद के साथ इस साजिश में न्यूयॉर्क के रहने वाले दो लोग, 36 साल का जोनाथन लोधोल्ट और 49 साल का कार्लिस्ली रिवेरा भी शामिल थे। इन सभी के अलावा अमेरिका में रहने वाले दो यहूदी बिजनेसमैन और एक ईरानी-अमेरिकी ऐक्टिविस्ट भी साजिश में शामिल बताया गया है। 51 वर्षीय फरहाद शकीरी मूल रूप से अफगानी है। लूट के मामले में अमेरिकी जेल में 14 साल बिताने के बाद उसे 2008 में वहां से डिपोर्ट कर दिया गया था। इसके बाद वह ईरान की सेना में भर्ती हो गया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया है कि रिवेरा और जोनाथन को कस्टडी में ले लिया गया है। वहीं, शकीरी अभी भी ईरान में आजाद है।

अमेरिका का दावा, ट्रंप की हत्या कराने ईरान में हुआ षड्यंत्र

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का षड्यंत्र ईरान में रचे जाने का दावा अमेरिका ने किया है। दरअसल अमेरिका के विधि मंत्रालय ने बताया कि नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए रचे गए ईरानी षड्यंत्र को लेकर एक याचिका दायर की गई है। इस षड्यंत्र को एफबीआई ने विफल कर दिया, इसी के साथ मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में आपराधिक आरोपों की घोषणा की है। मैनहट्टन में संघीय अदालत में दायर एक आपराधिक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक अधिकारी ने सितंबर में अपने संपर्क को ट्रंप पर नजर रखने और अंततः उनकी हत्या करने का षड्यंत्र रचने का निर्देश दिया था। यह षड्यंत्र कथित रूप से ट्रंप को निशाना बनाने के लिए रचा गया था.

ट्रंप की जीत के बाद अब अमेरिका में बाबा बेंगा की भविष्यवाणी पर होने लगी चर्चा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल कर इतिहास रचा है। ट्रप की इस जीत से रिपब्लिकन पार्टी में उत्साह का माहौल है और उनके समर्थक जश्न में डूबे हैं। हालांकि ट्रंप को लेकर भविष्यवक्ता बाबा बेंगा की खतरनाक भविष्यवाणी भी चर्चा हो रही है। बाबा बेंगा को 'बाल्कन की नास्त्रेदमस' कहा जाता था, क्योंकि उनके द्वारा की गई कई भविष्यवाणियां, सही साबित हुईं।

बाबा बेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि ट्रंप एक रहस्यमय बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं, जिससे वह बहरे हो जाएंगे और ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित हो सकते हैं। फिलहाल ट्रंप स्वस्थ हैं और ऐसी कोई बीमारी उनको नहीं है, लेकिन ट्रंप के समर्थक इसको लेकर चिंतित हैं। उनकी आशंका को बढ़ावा हाल की एक घटना से भी मिला जब 13 जुलाई, 2024 को पेंसिल्वेनिया के बटलर में ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया था। ट्रंप एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे, तभी एक युवक ने उन पर गोली चला दी थी। अचानक हुई इस घटना से पूरे अमेरिका में हड़कंप मच गया था। उस समय ट्रंप ने अपने कान को छुआ और खून देखा, जिसके बाद सुरक्षा एजेंट्स ने तेजी से ट्रंप को सुरक्षा घेरे में ले लिया था।

हालांकि बाबा बेंगा की सभी भविष्यवाणियां सच नहीं हुईं हैं। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की थी कि 2016 तक यूरोप खत्म हो जाएगा और 2010-2014 के बीच दुनिया परमाणु युद्ध का सामना करेगी, जो कि सच नहीं हुई। इसलिए ट्रंप समर्थक आशा कर रहे हैं कि उनके नेता को लेकर बाबा बेंगा की भविष्यवाणी भी गलत साबित हो। गौरतलब है कि बाबा वेंगा का जन्म 1911 में हुआ था और उन्होंने 12 साल की उम्र में एक तूफान में फंसने के बाद अपनी दृष्टि खो दी थी। हालांकि ट्रंप की ताजा जीत के बीच उनके समर्थक इस बात पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे कि उनका नेता इस तरह की भविष्यवाणियों को झुठलाते हुए आने वाले समय में भी अपने राजनीतिक जीवन को मजबूती से आगे बढ़ाए।

ट्रंप के मामले में अदालत की समयसीमा रद्द

अमेरिका के 2020 राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े एक मामले में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने अदालत की शेष समयसीमा शुक्रवार को रद्द कर दी। अधिकारियों ने बताया कि अभियोजकों ने कहा कि उन्हें ट्रंप की इस सप्ताह हुई चुनावी जीत के बाद मामले में आगे बढ़ने के लिए उचित कदम का आकलन करने के लिए समय चाहिए, जिस पर न्यायाधीश ने समयसीमा को रद्द कर दिया। विशेष वकील जैक स्मिथ ने पिछले साल ट्रंप पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने और अपने 'मार-ए-लागो एस्टेट' में खुफिया दस्तावेजों को अवैध रूप से रखने का आरोप लगाया था। शुक्रवार को अदालत में दायर एक याचिका में स्मिथ की टीम ने कहा कि उसे ट्रंप की चुनावी जीत के बाद ''इस अभूतपूर्व परिस्थिति का आकलन करने'' और आगे की प्रक्रिया तय करने के लिए समय चाहिए। स्मिथ की टीम ने न्यायाधीश को 2 दिसंबर तक अपने विचारों के परिणाम के बारे में सूचित करने की बात की है।

कतर सरकार ने दी चेतावनी, हमास नेता बिना देर किए छोड़ें देश

दोहा,(ईएमएस)। कतर और अमेरिका के बीच बातचीत के बाद अब कतर ने हमास नेताओं को देश छोड़ने की चेतावनी दी है। हमास के कई प्रमुख नेता कतर की राजधानी दोहा में शरण लिए हुए थे, अब उन्हें वहां से जाने को कहा गया है। कतर सरकार का यह फैसला अमेरिका और कतर के हुई बातचीत का परिणाम है, जिसमें अमेरिका ने कतर से हमास नेताओं को शरण देना बंद करने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक हमास एक आतंकवादी समूह है जिसने न केवल अमेरिकी नागरिकों की हत्या की, बल्कि बंधक भी बनाया है और बार-बार बंधकों को रिहा करने के प्रस्तावों को नकारा है। इसके कारण अमेरिका ने कतर से कहा था कि हमास के नेताओं का किसी भी अमेरिकी साझेदार देश की राजधानी में रहना स्वीकार नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए इस समय हमास और इजराइल के बीच संघर्ष को रोकना और युद्धविराम लागू करना सबसे पहली प्राथमिकता है। इस संदर्भ में कतर पर दबाव बढ़ा है, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के बंधक की मौत और हमास द्वारा युद्धविराम प्रस्ताव को नकारे जाने के बाद। अमेरिका ने कतर से आग्रह किया कि वह हमास नेताओं को निष्कासन की धमकी दे, ताकि वे गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत हों। अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कतर से कहा था कि अगर हमास गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत नहीं होता है, तो उसे दोहा से बाहर निकाल दिया जाएगा।

पीएम मोदी के दोस्त पुतिन बोले- भारत को दुनिया की महान शक्तियों में शामिल किया जाए

मास्को(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास दोस्त और रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के तेज़ विकास की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस के प्राकृतिक साझेदार और दशकों से सहयोगी भारत को दुनिया की महान शक्तियों में शामिल किया जाए। यह बयान पुतिन ने सोची शहर में आयोजित वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब की 21वीं वार्षिक बैठक में दिया। पुतिन ने कहा, भारत अब सबसे बड़ा देश बन चुका है, जनसंख्या के मामले में- 1.5 बिलियन लोग। यह तेजी से विकास कर रहा है और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास में अग्रणी है। पुतिन ने भारत की प्रति वर्ष 7.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का भी जिक्र किया और इसे एक सशक्त संकेत बताया। पुतिन ने कहा कि भारतीय विकास की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा, डेढ़ अरब की आबादी, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ऊंची आर्थिक वृद्धि दर, एक प्राचीन संस्कृति, और इसके पास बहुत सारी संभावनाएं हैं।रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत उन देशों में से एक है, जिनकी विकास दर आज की सफलतापूर्वक विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक हो सकती है।

भारी दबाव के बाद जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानियों की मौजूदगी को स्वीकारा

ओटावा(ईएमएस)। भारत लंबे समय से कहता रहा है कि कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार खालिस्तानियों को संरक्षित कर रही है। अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की मौजूदगी की बात को स्वीकार किया है। ट्रूडो ने हालांकि कहा कि ये लोग कनाडा में सिख समुदाय का सम्पूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

उनका यह बयान भारत के उस रुख को सही ठहराता है जिसमें भारत ने आरोप लगाया था कि कनाडा सरकार खालिस्तानी समर्थक तत्वों को पनाह दे रही है। जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों के बारे में भी कहा। उन्होंने

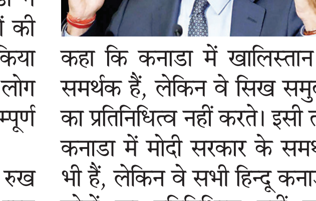

कहा कि कनाडा में खालिस्तान के समर्थक हैं, लेकिन वे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। इसी तरह कनाडा में मोदी सरकार के समर्थक भी हैं, लेकिन वे सभी हिन्दू कनाडाई लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। यह बयान उन्होंने ओटावा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दिया।

ट्रूडो के इस बयान से भारत और कनाडा के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच स्थिति और जटिल हो गई है। तनाव की शुरुआत तब हुई थी जब जस्टिन ट्रूडो ने हर्डीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ होने का आरोप लगाया था। यह घटना 2023 के जून में हुई थी। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर गोलियों से मारा गया था। इससे पहले, सितंबर 2023 में कनाडा और भारत के बीच रिश्ते और भी खराब हो गए थे। कनाडा ने भारतीय उच्चायुक्त को निज्जर की हत्या की जांच में एक रुचि रखने वाला व्यक्ति बताया। इसके जवाब में भारत ने इस आरोप को सख्त तरीके से नकारा और कनाडा के साथ अपने रिश्तों को और अधिक ठंडा कर दिया। ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त को वापस बुला लिया और छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने कई बार कहा है कि कनाडा सरकार ने निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का कोई ठोस सबूत साझा नहीं किया है। भारत ने बार-बार इस संबंध में जानकारी की मांग की थी। मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ट्रूडो पर वोट बैंक राजनीति करने का आरोप भी लगाया और यह भी कहा कि कनाडा सरकार ने अपनी जमीन पर खालिस्तानी तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। भारत और कनाडा के बीच यह तनाव बढ़ता जा रहा है।

मोबाइल फोन ने बच्चों से छीना बचपन और फिजिकल एक्टिविटी, पेरेंट्स परेशान

-ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं कर सकेंगे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

कैनबरा (ईएमएस)। बच्चों में स्मार्टफोन की लत बढ़ती ही जा रही है। मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे पढ़ाई के साथ फिजिकल एक्टिविटी से भी दूर होते जा रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। इसको लेकर भारत समेत कई देश इस समस्या का समाधान ढूंढने में लगे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा फैसला लिया है उसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया को बैन कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार कहा कि टेक कंपनियां बच्चों की सिक्योरिटी को लेकर जरुरी कदम उठाने में नाकाम रही हैं। ऐसे में उनकी सरकार ने बैन करने का यह कदम उठाने जा रही है। सोशल मीडिया बच्चों को नुकसान पहुंचा रहा है। इसे रोकने के लिए सरकार यह कदम उठा रही है। एंथनी ने इस साल की शुरुआत में सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर बात कई थी। ऐसे

में यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर उम्र सीमा लगाने की बात कही है। ऑस्ट्रेलिया के कम्युनिकेशन मंत्री ने कहा कि इस फैसले का असर मेटा के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ-साथ टिकटॉक और एक पर देखने को मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया पीएम ने कहा कि यह सोशल मीडिया और टेक कंपनियों की जिम्मेदारी होगी और उन्हें तय करना होगा कि यूजर्स की उम्र सीमा के हिसाब से हो। उनका कहना था कि यह बच्चों के पेरेंट्स की जिम्मेदारी नहीं होगी। क्योंकि वे पहले से ही बच्चों की ऑनलाइन सिक्योरिटी को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं तो जुर्माना माता-पिता या युवाओं पर नहीं होगा। सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर आयु सीमा तय करने के फैसले को सकारात्मक समर्थन मिला है। पीएम अल्बनीज ने कहा कि नया कानून इस हफ्ते तक सामने आ जाएगा। इसके साथ ही नवंबर में इस कानून को संसद में पेश किया जाएगा। उनका यह भी कहना था कि इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया से हो रही है और भविष्य में इसका असर दूसरे देशों में भी देखने को मिलेगा। सोशल मीडिया जिस तरह से बच्चों को नुकसान पहुंचा रहा है। यही कारण है कि इस फैसले का स्वागत हो रहा है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने के फैसले को सही मानते हैं बाइडेन

-व्हाइट हाउस के बयान में कहा- इस फैसले के बाद बाइडेन ने गर्व महसूस किया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का उनका फैसला सही था। व्हाइट हाउस की और से जारी बयान में कहा गया है कि बाइडेन ने इस फैसले के बाद गर्व महसूस किया और उन्हें विश्वास था कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की दौड़ में पूरी तरह से तैयार थीं।

बयान में यह साफ नहीं किया कि क्या बाइडेन को इस फैसले का कोई अफसोस है या नहीं, लेकिन उन्होंने बाइडेन की उपलब्धियों को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि हमने जो भी उपलब्धियां हासिल की हैं, इसके बावजूद कोविड-19 महामारी जैसी वैश्विक चुनौती का असर था। सप्लाई चेन में रुकावटें आईं और इसका राजनीतिक प्रभाव भी देखा गया।

इससे पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने कमला हैरिस को हार के बावजूद लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया था। बाइडेन ने उन्हें पीढ़ियों का नेता बताया और कहा कि वे सभी अमेरिकियों

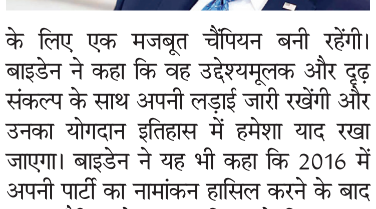

के लिए एक मजबूत चैंपियन बनी रहेंगी। बाइडेन ने कहा कि वह उद्देश्यमूलक और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेंगी और उनका योगदान इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। बाइडेन ने यह भी कहा कि 2016 में अपनी पार्टी का नामांकन हासिल करने के बाद कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनना उनका सबसे अच्छा और मजबूत फैसला था। उन्होंने कहा कि कमला की दास्तां अमेरिका की सबसे प्रेरणादायक कहानियों में से एक है और मुझे यकीन है कि वह इस कहानी को आगे लिखती रहेंगी। इस बयान से यह साफ होता है कि बाइडेन और कमला हैरिस दोनों एक-दूसरे के समर्थन में खड़े हैं और आगामी समय में भी अमेरिकी राजनीति में उनका प्रभाव बना रहेगा।

हार्ट अटैक के लक्षणः महिलाओं में होते हैं पुरुषों से अलग संकेत, रखें इन पर ध्यान

वॉशिंगटन (ईएमएस)। आजकल दिल का दौरा (हार्ट अटैक) एक आम समस्या बन गई है, और यह न सिर्फ बुजुर्गों, बल्कि कम उम्र के लोगों को भी प्रभावित कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि गलत खानपान, सुस्त जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी और तनाव जैसी स्थितियों के कारण यह समस्या बढ़ रही है। हार्ट अटैक तब होता है जब दिल की धमनियों में खून का थक्का जम जाता है, जिससे रक्त का प्रवाह रुक जाता है। इसका परिणाम दिल की मांसपेशियों के कमजोर होने और उनका काम न करने में होता है, जिसे मायोकार्डियल इंफार्क्शन कहा जाता है।

हालांकि हार्ट अटैक के लक्षण पुरुषों

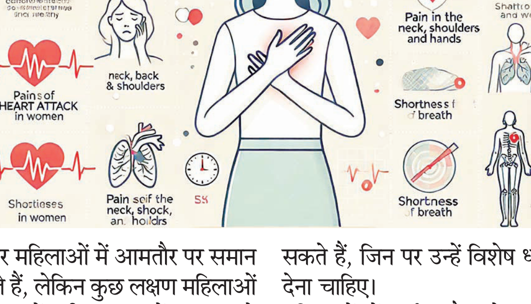

और महिलाओं में आमतौर पर समान होते हैं, लेकिन कुछ लक्षण महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अलग हो सकते हैं। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के अनुसार, महिलाओं को हार्ट अटैक के दौरान कुछ विशिष्ट लक्षण दिख सकते हैं, जिन पर उन्हें विशेष ध्यान देना चाहिए।

महिलाओं में हार्ट अटैक के प्रमुख लक्षण

मतलीः हार्ट अटैक के दौरान महिलाओं को मतली का अनुभव होना एक सामान्य लक्षण हो सकता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक मतली महसूस करती हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि 34% महिलाओं को हार्ट अटैक के दौरान मतली हुई, जबकि पुरुषों में यह संख्या 22% थी।

छाती में दबाव या दर्दः महिलाओं में छाती में हल्का दर्द, दबाव या जकड़न महसूस हो सकता है। यह लक्षण पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक सामान्य रूप से देखा जाता है।

गर्दन, पीठ, हाथ या कंधे में दर्दः दिल के दौरे के दौरान इन हिस्सों में दर्द महसूस हो सकता है। यदि यह दर्द अचानक और बिना किसी कारण के महसूस हो, तो यह हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

हाथों में सुन्नता या झुनझुनीः अचानक दोनों हाथों में सुन्नता या झुनझुनी हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि गठिया जैसी समस्याओं से भी यह हो सकता है, लेकिन इसे दिल की समस्या से जोड़कर देखना चाहिए।

सांस लेने में तकलीफः हार्ट अटैक के दौरान सांस लेने में परेशानी हो सकती है। यह लक्षण अक्सर हल्के सिरदर्द, खांसी या घबराहट के साथ दिखाई देता है।

पैनिक अटैक जैसी घबराहटः कई बार महिलाएं हार्ट अटैक के समय पैनिक अटैक जैसा महसूस कर सकती हैं, जिसमें घबराहट और अत्यधिक डर महसूस होता है।

यदि महिलाएं इन लक्षणों में से कोई भी अनुभव करें, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। समय रहते इलाज और सही उपचार से हार्ट अटैक को रोका जा सकता है और जीवन बचाया जा सकता है। महिलाएं खासतौर पर इन लक्षणों के प्रति सतर्क रहें और दिल की समस्याओं को हल्के में न लें। हार्ट अटैक से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सही आहार और नियमित शारीरिक गतिविधि को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। इसके अलावा, तनाव को नियंत्रित करना भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि मानसिक तनाव भी दिल के लिए हानिकारक हो सकता है।

लाहौर में 1 हजार के पार हुआ एक्यूआई,घर से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

लाहौर(ईएमएस)। पाकिस्तान का लाहौर शहर गैस चैंबर बन गया है। यहां एक्यूआई 1 हजार के पार है। लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। दम घुट रहा है और लोगों के फेंफड़े खराब हो रहे हैं। ऐसे में बीमारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदूषण के कारण लोग घर से बाहर निकलने से कतराने लगे हैं, और अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। प्रांतीय सरकार और डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है। इसके अलावा, पंजाब सरकार ने स्मॉग आपातकाल घोषित कर दिया है और लाहौर तथा अन्य प्रभावित जिलों में 17 नवंबर तक सभी उच्च माध्यमिक शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है।

पंजाब प्रांत की सरकार ने प्रदूषण की बढ़ती समस्या के मद्देनजर सार्वजनिक और निजी पार्कों, चिड़ियाघरों, ऐतिहासिक स्थानों, संग्रहालयों और मनोरंजन/खेल के मैदानों में लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह आदेश लाहौर में वायु गुणवत्ता के खतरनाक स्तर तक गिरने के बाद जारी किया गया, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स कई क्षेत्रों में 1000 अंक को पार कर गया, जिससे यह शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। पंजाब पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने यह आदेश जारी किया, और इसके महानिदेशक इमरान हामिद शेख ने बताया कि यह प्रतिबंध न केवल लाहौर, बल्कि शेखूपुरा, कसूर, ननकाना साहिब, गुजरांवाला, फैसलाबाद, मुल्तान और अन्य कई जिलों में भी लागू होगा। शेख ने स्पष्ट किया कि जो लोग इस आदेश का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश एक दिन बाद आया, जब लाहौर में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच गया, जो वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभाव को दर्शाता है। इससे पहले, लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) में एक तीन वर्षीय लड़की ने सरकार के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें धुंध और वायु प्रदूषण के प्रभावों को लेकर न्याय की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि वायु प्रदूषण विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए हानिकारक है और यह सरकार का कर्तव्य है कि वह नागरिकों को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करे।

नेपाल में हुई सड़क दुर्घटना में 1 भारतीय समेत 05 मरे

काठमांडु,(ईएमएस)। नेपाल के बागमती प्रांत में हुई सड़क दुर्घटना में एक भारतीय नागरिक समेत 05 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना चितवन जिले के सतराकिलो क्षेत्र में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग के नारायणगढ़-मुगलिंग खंड पर एक बस और इलेक्ट्रिक वाहन की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुई।

इस सड़क हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हुई है, जिसकी पहचान गंडकी प्रांत के कास्की जिले के पोखरा शहर के निवासी कुमार शाह के तौर पर हुई हैं। इसके अलावा, मृतकों में इलेक्ट्रिक वाहन का चालक भी था। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

भारत-अमेरिका संबंधों के बीच धार्मिक मुद्दे बन सकते है टकराव की वजह?

नई दिल्ली,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन पद दी है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में सुधार हुआ था लेकिन इस बार संबंधों में एक नया पहलू सामने आ सकता है, जो दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है जिसमें धर्म का मुद्दा। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में ईसाइयत को बढ़ावा देने की बात कही है, जो भारत में संवेदनशील मुद्दा बन सकता है। भारत के लोगों को लगता है कि ईसाई धर्म के समूह जबरन धर्मांतरण कराने में शामिल हैं, जो भारतीय समाज के लिए खतरे के रूप में देखा जा सकता है।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष बनने वाले जिम रिश ने भी भारत में धार्मिक स्वतंत्रता और चर्चों की फंडिंग पर प्रतिबंधों को लेकर अपनी चिंता जताई है। ट्रंप प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में कुछ धार्मिक समूहों को बढ़ावा मिल सकता है, जो भारत में चर्च और ईसाई समुदाय के मुद्दों पर एक सशक्त दृष्टिकोण रख सकते हैं। मणिपुर जैसे हाल के संघर्षों में धर्म से जुड़े मुद्दे भी सामने आए हैं, जो अमेरिका को भारत की धार्मिक नीतियों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

भारत की नीति साफ कहती है कि विदेशी वित्तपोषित एनजीओ और धर्मांतरण गतिविधियां भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। सरकार का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों पर नियंत्रण जरुरी है। इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच तनाव उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि ट्रंप अपनी मजबूत विचारधारा और कूटनीतिक शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में दोनों देशों के लिए चुनौती होगी कि वे अपने-अपने वैचारिक दृष्टिकोण और उद्देश्यों के साथ इस मुद्दे पर सहमति बना पाएं। ट्रंप की आक्रामक शैली और भारत की स्थिर नीति के बीच सामंजस्य बिठाना दोनों देशों के संबंधों की नई दिशा तय कर सकता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री का बयान...बीते चार साल में भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बीते चार वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंधों को और विस्तार दिया है। ऑस्टिन ने फ्लोरिडा में कहा, ''हमने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) को मजबूत किया है। इतना ही नहीं हमारी सरकार ने यूक्रेन को सुरक्षा सहायता देने के लिए 50 देशों पर ध्यान केन्द्रित किया है। बाइडन सरकार ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी जो काम किए हैं वे काफी लाभदायक हैं।''

ऑस्टिन ने कहा कि बाइडन प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका के रिश्ते और बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हमने देखा कि जापान ने रक्षा क्षेत्र में निवेश दोगुना किया है और यह सूची काफी लंबी होती जा रही है। तब इस प्रकार यूक्रेन को मदद करने तथा इजराइल के अपने क्षेत्र की रक्षा के प्रयासों का समर्थन करने के साथ ही हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भी ध्यान दिया है।''

मैक्सिको में बंदूकधारियों ने की नौसेना के रियर एडमिरल' की गोली मारकर हत्या

मैक्सिको सिटी (ईएमएस)। मैक्सिको में बंदूकधारियों ने नौसेना के एक 'रियर एडमिरल' की गोली मारकर हत्या की गई। मैक्सिको की नौसेना ने बताया कि बंदरगाह शहर मंजानिलो में हमलावरों ने एक रियर एडमिरल की गोली मारकर हत्या कर दी। रियर एडमिरल नौसेना के सर्वोच्च पद 'फुल एडमिरल' से नीचे का पद है। रिपोर्ट के मुताबिक नौसेना के अधिकारी का नाम फर्नांडो गुएरेरो अल्कांतार बताया है लेकिन नौसेना के प्रवक्ता ने नाम की पुष्टि नहीं की है। नौसेना ने बताया कि जिस समय अधिकारी पर हमला किया गया तब वह अपने निजी वाहन से यात्रा कर रहे थे। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। देश में मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा उच्च पदस्थ अधिकारियों पर हमले के मामले काफी कम हैं। वर्ष 2013 में बंदूकधारियों ने पड़ोसी राज्य मीचोआकन में वाइस एडमिरल कार्लोस मिगुएल सालाजार की हत्या कर दी थी।

आतंकी ओसामा के थे 24 बच्चे, किसी ने नहीं अपनाया पिता का रास्ता, सभी ने हासिल की अच्छी शिक्षा, कई अब भी रहस्यमय परिस्थितियों में

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ओसामा बिन लादेन की मौत के सालों बाद अब सवाल उठता है कि लादेन के कितने बच्चे हैं और क्या उनमें से कोई अपने पिता के नक्शेकदम पर चल रहा है? ओसामा बिन लादेन के पिता एक बड़े व्यापारी थे और उनके 55 बच्चे थे। ओसामा इनमें से एक था। उसने अपनी धार्मिकता को 16 साल की उम्र तक बनाए रखा और 17 साल की उम्र में शादी कर ली थी। इसके बाद उसने चार और शादियां कीं, जिससे उसके कुल 24 बच्चे हुए। 2011 में जब ओसामा मारा गया तो उसकी पत्नियों की उम्र 28 से 62 साल के बीच थी, जबकि बच्चों की उम्र 3 से 35 साल थी। ओसामा ने एबटाबाद में शरण लेने से पहले सूडान में रहकर अपने बच्चों की शिक्षा और विकास पर पूरा ध्यान दिया और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलवाई। हालांकि उसने अपने बच्चों के लिए कठोर नियम बनाए थे, जिससे वे परेशान हो गए थे। ओसामा के बच्चों में से कई ने अपने पिता के रास्ते को नहीं अपनाया। ओसामा के सबसे बड़े बेटे ने घर छोड़ दिया और वापस नहीं लौटा। अमेरिका ने ओसामा के तीन बेटों को भी मार दिया। ओसामा की एक बेटी की मौत प्रसव के दौरान हो गई थी।

सेहत के लिए फायदेमंद है पोषक तत्वों से भरपूर केला

सबसे हेल्दी खाद्य पदार्थ में से एक केला हमारे शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। कुछ साल पहले तक कहा जाता था कि यदि आप हर दिन एक सेब खाएंगे तो आपको डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ेगा, लेकिन अब यह कहावत बदल गई है और सेब की जगह केले ने ले ली है। अगर आप भी वजन घटाने की कोशिश में लगे हैं, तो आपको केला खाना चाहिए। बता दें कि एक केले में 3 ग्राम फाइबर और सिर्फ 100 कैलरी होती है, इसलिए केला स्नैक के लिहाज से परफेक्ट चॉइस है, उन लोगों के लिए जो वेट लॉस करने की कोशिश कर रहे हैं। केला खाने से आपका पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह आपकी भूख को भी कंट्रोल करता है। डेली फाइबर इन्टेक का 12 प्रतिशत हिस्सा आपको केले से ही मिल सकता है। केला, कैल्शियम को अब्ज़ॉर्ब करने में यानी शरीर द्वारा कैल्शियम को सोखने में मदद करता है। ऐसे में जब कैल्शियम शरीर में पहुंचेगा, तो जाहिर सी बात है कि आपकी हड्डियां मजबूत और हेल्दी बनेंगी। इसके अलावा शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व और फाइबर की पूर्ति के लिए हर दिन 1 केला खाना काफी है। जैसा कि सभी जानते हैं कि केले में पोटैशियम और मैग्नीशियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। केले में से एनर्जी धीरे-धीरे निकलती है जिससे हमारा ब्रेन अलर्ट बना रहता है, जिसके बदले में हमें बेहतर तरीके से फोकस कर पाने में सफल होते हैं। ऐसे में ब्रेन के बेहतर काम करने के लिए भी केला अच्छा है। साथ ही केले में ट्रिप्टोफान पाया जाता है, जो आगे चलकर सेरोटोनिन में बदल जाता है और ब्रेन में सेरोटोनिन की कमी होने पर ही डिप्रेशन और ऐंग्जाइटी यानी बेचैनी महसूस होने लगती है। ऐसे में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए और डिप्रेशन से बचने के लिए केला खाएं।

हर जीवन एक खिलौना है

हर जीवन एक खिलौना है, बलवान समय के हाथें में।
दिन द्विविधा में कटते अक्सर, सबके सुख-दुख के साथों में।।

हर जीवन ऐसी राह जहाँ हर कदम है अगला अनजाना
मुस्कानों को आँसू मिलते, आँसू को पड़ता मुस्काना।
मालूम नहीं कब कौन मिले, कब कौन अलग हो जाय कहाँ ?
निश्चित न कहीं दिखता कुछ भी, युग की घातों प्रतिघातों में।। 1 ।।

खुशियों की कभी चुलबुल बुलबुल दिखती नभ में उड़ती गाती
मन के ऑगन में जो आँसू चुचने, चुपके से आजाती।
आभास दिये बिन ही सारी उलझन खुद ही खुल जाती है-
बन जाती बातें सब बिगड़ी क्षण में बातों ही बातों में।। 2 ।।

चीलों से पसारे पर, काले, दुख सर पै जब मंडराते हैं
मन के नभ पै छोरों तक तब काले बादल छा जाते हैं।
ओझल हो जातीं आषायें, मन डूबा, डूबा सा लगता
सब स्वर्ण किरण की आभायें छुप जातीं उनकी पांतों में।। 3।।

सुख-दुख के कल्पित चित्रों की, अपनी मनमानी रेखायें-
हर मन अपने अहसासों से रंचता है जिनकी सीमायें।
क्या सही-गलत, क्या दूर-पास, अनुमान लगाना मुष्किल है
मिलती है मन को षांति सदा अपने मन की सौगातों में।। 4।।

रोज सुबह करें ये शुभ काम तो मिलेगी सफलता...

अगर दिन की शुरुआत शुभ हो तो पूरा दिन अच्छा रहता है। इसीलिए सुबह को शुभ बनाने के लिए कुछ खास काम ऐसे बताए गए हैं, जिन्हें करते रहने से किस्मत का साथ मिल सकता है। काफी लोग दिनभर और देर रात तक कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन मनचाहा लाभ प्राप्त नहीं कर पाते हैं। इस संबंध में ज्योतिष की मान्यता है कि जिन लोगों की कुंडली में ग्रहों के दोष होते हैं, वे आसानी से सफल नहीं हो पाते हैं, उन्हें ग्रहों का साथ नहीं मिलता है और वे दुखी रहते हैं। ग्रहों के दोष दूर करने और किस्मत का साथ पाने के लिए यहां जानिए 7 ऐसे शुभ काम जो सुबह-सुबह करना चाहिए...

- पहला काम-सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें। ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय से ठीक पहले। अगर ये संभव ना हो तो ज्यादा से ज्यादा 6-7 बजे तक जरूर उठ जाना चाहिए। इससे धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य को भी फायदा मिलता है।
- दूसरा काम-सुबह जागते ही सबसे पहले अपनी दोनों हथेलियों को देखना चाहिए। हाथों को देखते समय यह मंत्र बोलना चाहिए- कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमूले सरस्वती, करमध्ये तू गोविंद प्रभाते कर दर्शनं। इस मंत्र से लक्ष्मी, सरस्वती और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।
- तीसरा काम-पलंग से पैर नीचे रखते समय भूमि माता से क्षमा मांगें। भूमि भी देवी हैं, इन्हें पैर लगने से हमें दोष लगता है। इस दोष को दूर करने के लिए धरती माता से क्षमा मांगनी चाहिए।

- चौथा काम- स्नान करते समय सभी तीर्थों का और सभी पवित्र नदियों के नामों का जाप करना चाहिए। ऐसा करने पर सभी तीर्थों में स्नान का पुण्य मिलता है।
- पांचवां काम- स्नान के बाद साफ कपड़े पहनकर सूर्य को तांबे के लोटे से चल चढ़ाएं। जल चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप कम से कम 11 बार करें।
- छठा काम- घर के मंदिर में पूजा करें। तुलसी को जल चढ़ाएं। अगर संभव हो सके तो गाय को घास या रोटी खिलाएं।
- सातवां काम- घर से निकलने से पहले अपने माता-पिता का आर्शीवाद अवश्य लें। माता-पिता का आदर करने वाले लोगों को सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है।

ब्लैक राइस करता है गंभीर बीमारियों से बचाव

ब्राउन राइस से होने वाले फ़ायदों के बारे में तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप ब्लैक राइस के बारें में जानते है। क्योकि इसके बारें में बहुत कम लोग ही जानते है। लेकिन हम आपको बताते है कि ब्लैक राइस हमारे शरीर के लिए ब्राउन राइस से भी ज्यादा फायदेमंद वाला होता है। ब्लैक राइस में मिलने वाले पौष्टिक तत्व प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स काफी मात्रा में पाये जाते है। जो हमारे शरीर में ना जाने कितनी गंभीर बीमारियों से लड़ने में मदद करते है।

ब्लैक राइस से होने वाले लाभ

ब्लैक राइस में एंटी-ऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। जो शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालनें में सहायक होती है यह शरी को डिटॉक्स कर कई तरह की गंभीर बीमारियों से बचाती है।

दिल के लिए है लाभदायक

दिल की बिमारियों से ग्रस्त लोगों के लिये ब्लैक राइस बेहद अच्छा है। शोधों के अनुसार ब्लैक राइस में एंथोसाइनिन पाया जाता है, जो धमनियों में रक्त प्रवाह को संचारित करने में सहायक होता है। जिससे हार्ट अटैक के ख़तरों को कम करने में मदद मिलती है।

अल्ज़ाइमर, डायबिटीज़ में फ़ायदेमंद

मधुमेह, अल्ज़ाइमर, के अलावा शारीरिक रूप से कमज़ोर लोगों के लिये ब्लैक राइस काफी फायदेमंद वाला होता है। इसके अलावा यह कैंसर से बचाव के लिए भी काफी फ़ायदेमंद वाला होता है।

प्रोटीन और आयरन की भरपूर मात्रा

ब्लैक राइस दूसरे चावल की अपेक्षा सबसे अधिक प्रोटीन वाला होता है। इसमें आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर को ताकत प्रदान करती है।

स्तन कैंसर से बचाता है

ब्लैक राइस में फ़ाइबर भी काफी मात्रा पाया जाता है। जिससे पाचनक्रिया को मजबूत बनाये रखने में मदद करता है। इसके साथ ही यह शरीर में होने वाले पोषक तत्वों की कमी को पूरा करके ब्रेस्ट कैंसर जैसे खतरों से बचाता है।

शरीर में सूजन

ब्लैक राइस का सेवन करने से पाचन क्रिया सही रहती है जिससे लीवर में होने वाली सूजन और दर्द की समस्या से राहत मिलती।

वज़न कम होता है

ब्लैक राइस फाइबर की मात्रा होने से यह शरीर के वजन को कम करने में सहायक होता है। इस तरह से मिलने वाले फायदों को देखकर आप जल्द ही इसे अपनी डाइट में शामिल करे। ये सेहत के लिए काफ़ी फायदेमंद है।

तनाव हमारी सदी का सबसे बड़ा अभिशाप

तनाव हमारी सदी का सबसे बड़ा अभिशाप हैं। इससे सब परिचित हैं और करीब करीब सभी इसके शिकंजे में हैं। ग़लतफ़हमी तनाव की माँ हैं और असंतोष इसका पिता, आशंका इसका कारण हैं, विक्षोभ और असंतोष परिणाम। यह संस्कृत की "तन" धातु की संतान हैं इससे कई शब्द बने हैं जिसमे तान और तनाव विशेष हैं। तान लय को कहते हैं खाट या पलंग पर जो रस्सियां कसी जाती हैं, उस सारे जाल को तान कहते हैं।

ऐसा ही जटिल नसों और मांस पेशियों का जाल बिछा हैं इस तन में। जब इसमें खिचाव, या कसाव होता हैं तब हम व्यग्रता महसूस करते हैं और जब शिथिल होता हैं तब हम शांति और सुख का अनुभव करते हैं। इस तरह तनाव का सीधा अर्थ हुआ मन का ऐसे असमंजस में फंस जाना की तन की नस नस तन जाये और पेशियाँ एक अजीब से कसाव में आ जाए, चारो और बैचेनी छ जाए और चित्त लगभग विक्षिप्त हो उठे। तनाव को प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण मानसिक या भावनात्मक तनाव की स्थिति के रूप में परिभाषित किया जाता है। ज्यादा तनाव लेना कई बीमारियों की जननी के रूप में जाना जाता है। जीर्ण तनाव आपके शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित कर सकती है।

ज्यादा तनाव लेने पर इसका असर आपके चेहरे पर मुंहासे के रूप में दिखाई देता है। तनाव की वजह से हार्मोन में बदलाव होता है जो मुहांसों का कारण है। आपको बता दें कि शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिन तत्व जमा होने से हो एक्ने या मुंहासे हो सकते हैं। कई अध्ययनों ने यह भी पुष्टि की है कि मुंहासे तनाव के उच्च स्तर से जुड़ा हो सकता है।

शरीर के किसी भी अंग में भयंकर उठने वाले दर्द को क्रोनिक पेन कहा जाता है। दर्द और पीड़ा एक आम शिकायत है जो तनाव के स्तर को बढ़ा सकती है। कई अध्ययनों से पता चला है कि तनाव हार्मोन कार्टिसोल का बढ़ा हुआ स्तर क्रोनिक पेन से जुड़ा हुआ है।

नियमित रूप से होने वाला सिरदर्द भावनात्मक तनाव, थकान व शोरगुल से भी हो सकता है। तनाव सिरदर्द के लिए एक आम ट्रिगर है। कई अध्ययनों से पता चला है कि तनाव सिरदर्द को बढ़ा सकता है। सिर या गर्दन के क्षेत्र में ये दर्द ज्यादा होता है। ऐसे दर्द अक्सर तनाव की लंबी अवधि से संबंधित होते हैं!

अनिद्रा से ग्रसित कुछ लोग अक्सर रात में नींद न आने और पूरी रात जागने की शिकायत कर सकते हैं।

तनाव हमें भीतर से विखंडित कर देता हैं, हमारी जीवनी शक्ति को मटियामेट कर देती हैं, रिश्तों को असंतुलित का देता हैं, हमारी शेष उम्र में घुन की तरह लग जाता हैं और यदि हम इसके बखिये उधेड़ कर देखें तो पाएंगे की वस्तुतः यह कुछ नहीं हैं ,मात्र एक मरीचिका हैं जिसने इसे जनमा हैं।

यह समस्या तनाव से शुरू हो सकती है। पुरानी थकान और कम ऊर्जा के स्तर भी लंबे समय तक तनाव का कारण हो सकती है। तनाव भी नींद को बाधित कर सकता है और अनिद्रा का कारण बन सकता है, जिससे शरीर को भरपूर ऊर्जा नहीं मिलती है।

आप ज्यादा तनाव ले रहे हैं इसका एक संकेत यह है कि आपको बिना कुछ किए ज्यादा पसीना आएगा। आपको बता दें कि शरीर को अतिरिक्त तनाव में शरीर के तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए अधिक पसीना आता है। अत्यधिक पसीना चिंता, थकावट, थायराइड की स्थिति और कुछ दवाओं के उपयोग के कारण हो सकता है।

दिल हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। हमारी जिंदगी तभी तक है जब तक हमारे दिल की धड़कन चल रही है। तेज दिल की धड़कन और हृदय गति में वृद्धि उच्च तनाव के स्तर के लक्षण भी हो सकता है। कई अध्ययनों से पता चला है कि उच्च तनाव के स्तर में तेजी दिल के तेज धड़कने से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा दिल की बीमारी और पक्षाघात के लिए तनाव को दोषी ठहराया जाता है।

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि जीर्ण अवसाद के विकास में योगदान दे सकती है। अवसाद के अलावा तनाव को बढ़ाने में संभावित योगदानकर्ताओं में पारिवारिक इतिहास, हार्मोन स्तर, पर्यावरणीय कारक और यहां तक कि कुछ दवाएं भी शामिल हैं।

ज्यादा तनाव लेने से भूख में परिवर्तन आम हैं। इसमें भूख बहुत ही कम लगने लगती है। कई लोग ऐसे भी होते हैं जब वो तनाव में होते हैं तो उन्हें बहुत ज्यादा भूख लगती है।

तनाव हमें भीतर से विखंडित कर देता हैं, हमारी जीवनी शक्ति को मटियामेट कर देती हैं, रिश्तों को असंतुलित का देता हैं, हमारी शेष उम्र में घुन की तरह लग जाता हैं और यदि हम इसके बखिये उधेड़ कर देखें तो पाएंगे की वस्तुतः यह कुछ नहीं हैं ,मात्र एक मरीचिका हैं जिसने इसे जनमा हैं। यदि हम इस वैयक्तिक और सामाजिक जहर से जूझ पाए तो देखेंगे की ऐसा कोई कारण नहीं हैं की हमारा समग्र वैयक्तिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन शांत, सुखद, संतुलित, संतुष्ट और समृद्ध न हो।

इसका इलाज़ औषधि के अलावा हमारी सोच समझ को बदलना होगा। इसका प्रभाव शरीर पर पहले पड़ता है और मन अवसाद ग्रसित होने लगता हैं।

ज्यादा कार्टून देखना होता है नुकसानदेह

बच्चा है तो कार्टून तो देखेगा ही। अगर आपकी भी यही सोच है तो इसे बदलने की जरूरत है। ज्यादा कार्टून देखना आपके बच्चे के मानसिक सेहत के साथ-साथ उसके सामान्य स्वभाव को भी प्रभावित कर सकता है। टीवी की लत से बच्चे को इस प्रकार बचायें। किसी भी मां से पूछ कर देखिए, वह अपने बच्चे के टीवी देखने की लत से परेशान जरूर मिलेगी। साइकोलॉजिस्ट, कामना छिब्बर के मुताबिक, 'सभी जानते हैं कि बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। टीवी और उस पर आने वाले कार्टून सीरियरल का असर उन पर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर उनमें सोशल स्किल्स कम हो रहे हैं। यही वजह है कि 8 से 15 साल के 13 प्रतिशत बच्चों में एडीएचडी, ऑटिज्म, एंजाइटी आदि मानसिक परेशानियां पाई जाती हैं। टीवी की इसी लत के कारण किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित करने में भी उन्हें परेशानी होती है। पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी परेशानियां भी इसी लत का नतीजा है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है, टीवी देखने की आदत पर नियंत्रण।' अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चे को कार्टून की लत न लगे, वह खेलकूद और पढ़ाई में भी पूरी तरह से सक्रिय रहे, तो इसके लिए कोशिश भी आपको ही करनी होगी।

टीवी प्रोग्राम हो सही

बच्चे पर टीवी के लिए एकदम पाबंदी लगाना तो संभव नहीं है, इसलिए जरूरी है कि आप यह ध्यान दें कि आपका बच्चा टीवी पर कोई अच्छा व ज्ञानवर्धक प्रोग्राम ही देखे। ऐसा कोई भी सीरियल या कार्टून शो जो बच्चे की सोच को नकारात्मक बना सकता है, उससे बचें। कोशिश करें कि बच्चा ऐसा प्रोग्राम देखे जिसमें वह भाग ले सके। जैसे कि क्विज प्रतियोगिता, कोई आर्ट वर्क बनाने की विधि आदि। इस तरह के प्रोग्राम देखने से आपके बच्चे का मानसिक विकास होगा। यदि आपका बच्चा कुछ देखने की जिद करता है तो सबसे पहले उससे उस प्रोग्राम को देखने की वजह जानें। यदि वह ऐसा न कर पाए या उसकी मांग गलत हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण समझाएं।

टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें

अक्सर माता-पिता बच्चे की शैतानियों व जिद से बचने के लिए उसे टीवी में ही व्यस्त रहने देने में राहत महसूस करते हैं। उन्हें लगता है, बाहर जाएगा, धूल-मिट्टी में खेलेगा, कपड़े गंदे करेगा या चोट लगा बैठेगा, इससे बेहतर है घर में ही आंखों के सामने टीवी देखता रहे लेकिन आपकी यह सोच गलत है। आप इसके दीर्घकालिक प्रभाव को नजरअंदाज कर रही हैं। बच्चे को अपने आसपास के वातावरण से सीखने का मौका दें। इस तरह उनका शारीरिक व मानसिक विकास ठीक प्रकार से होगा। उनकी टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें। बच्चे को 1 या 2 घंटे से ज्यादा टीवी बिल्कुल न देखने दें।

टीवी देखते समय रहे साथ

कोशिश करें कि जब भी आपके बच्चे का टीवी देखने का टाइम है, उस वक्त आप भी उसके साथ बैठें। अपने काम करने के चक्कर में उसे अकेला बिल्कुल नहीं छोड़ें। टीवी देखते वक्त उसके हर सवाल का सही जवाब दें, यदि बच्चा सवाल न पूछे तो आप उससे उसके संदर्भ में सवाल पूछें। यदि बच्चे में किसी सीन को देखकर कोई गलत बात सीखने का अंदेशा हो तो बातों-बातों में उसे उस काम के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दें।

खाना-टीवी साथ नहीं

ज्यादातर परिवारों में लोग रात के वक्त खाना खाते हुए एक साथ बैठकर टीवी देखने को पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक समझने की भूल करते हैं लेकिन यह सोच सरासर गलत है। रात का खाना सब मिलकर खाएं, लेकिन साथ में टीवी नहीं देखें। आपस में बात करें। खासकर बच्चों के मामले में अक्सर देखा गया है कि बच्चा टीवी में इतना मशगूल हो जाता है कि मां को बार-बार टोक कर खाना खत्म करने के लिए बताना पड़ता है। जब बच्चा खाना खा रहा है तो टीवी बिल्कुल न चलाएं। आप जैसा माहौल बनाएंगी, बच्चे में वही आदत बन जाएगी।

टीवी देखने के दौरान बतायें सही और गलत

बच्चे बहुत मासूम होते हैं। आप उन्हें जैसा बनाना चाहें, वैसा बना सकती हैं। अगर आपका बच्चा कुछ गलत कर रहा है तो उसकी वजह आप ही हैं। अक्सर माता-पिता टीवी और कार्टून को दोष देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। आपको यह समझना होगा, यदि बच्चे ने टीवी कार्टून से कुछ गलत सीखा है तो उसकी वजह है कि आप उस वक्त उसके साथ नहीं थीं। यदि उसी वक्त आपने बच्चे के साथ उस प्रोग्राम पर बात की होती, तो गलत सीख को दिमाग में घर करने से रोक सकती थीं।

न्यूजीलैंड से हार के बाद बीसीसीआई ने रिव्यू मीटिंग कीःछह घंटे की मीटिंग में रोहित-गंभीर शामिल; भारत 3-0 से टेस्ट सीरीज हारा था

मुंबई : भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड से खेली गई टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रिव्यू मीटिंग की। मीटिंग 6 घंटे तक चली। इमसें कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच गौतम गंभीर, सिलेक्शन कमेटी हेड अजीत अगरकर के साथ बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी मौजूद रहे। गंभीर ऑनलाइन इस मीटिंग में शामिल हुए।

इसमें मुंबई टेस्ट के लिए रैंक टर्नर पिच का सिलेक्शन, जसप्रीत बुमराह को आराम देना और गौतम गंभीर की कोचिंग स्टाइल पर चर्चा की गई। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीती थी।

तीसरे मैच में बुमराह की गैरमौजूदगी से खुश नहीं है बीसीसीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के अधिकारी इस बात से खुश नहीं थे कि तेज गेंदबाज और टीम के उप-कप्तान बुमराह को तीसरे टेस्ट के लिए आराम दिया गया। मैच की सुबह बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'जसप्रीत बुमराह वायरल फीवर से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं और मुंबई में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं।'

बुमराह ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में 41 ओवरों में 42.33 की औसत से केवल तीन विकेट लिए। उनकी गैरमौजूदगी में भारत ने खराब फॉर्म में चल रहे मोहम्मद सिराज को तीसरे मैच में खिलाया, जो एक भी विकेट नहीं ले पाए।

रैंक टर्नर पिच का सिलेक्शन भी मुद्दा वहीं, मुंबई में रैंक टर्नर पिच के सिलेक्शन को लेकर भी चर्चा की गई। टीम ने पुणे में इसी तरह की पिच पर हारने के बाद मुंबई में भी रैंक टर्नर पर खेला। यहां भारत को 25 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए तैयारी को लेकर भी चर्चा हुई एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, हां, बीसीसीआई सचिव जय शाह, रोहित, गंभीर और अगरकर के बीच करीब छह घंटे तक बैठक हुई। कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के रिव्यू के अलावा ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए तैयारी को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

न्यूजीलैंड से हार के बाद बीसीसीआई ने रिव्यू मीटिंग कीःछह घंटे की मीटिंग में रोहित-गंभीर शामिल; भारत 3-0 से टेस्ट सीरीज हारा था
मुंबई : भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड से खेली गई टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रिव्यू मीटिंग की। मीटिंग 6 घंटे तक चली। इमसें कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच गौतम गंभीर, सिलेक्शन कमेटी हेड अजीत अगरकर के साथ बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी मौजूद रहे। गंभीर ऑनलाइन इस मीटिंग में शामिल हुए।
इसमें मुंबई टेस्ट के लिए रैंक टर्नर पिच का सिलेक्शन, जसप्रीत बुमराह को आराम देना और गौतम गंभीर की कोचिंग स्टाइल पर चर्चा की गई। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीती थी।
तीसरे मैच में बुमराह की गैरमौजूदगी से खुश नहीं है बीसीसीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के अधिकारी इस बात से खुश नहीं थे कि तेज गेंदबाज और टीम के उप-कप्तान बुमराह को तीसरे टेस्ट के लिए आराम दिया गया। मैच की सुबह बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'जसप्रीत बुमराह वायरल फीवर से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं और मुंबई में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं।'
बुमराह ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में 41 ओवरों में 42.33 की औसत से केवल तीन विकेट लिए। उनकी गैरमौजूदगी में भारत ने खराब फॉर्म में चल रहे मोहम्मद सिराज को तीसरे मैच में खिलाया, जो एक भी विकेट नहीं ले पाए।
रैंक टर्नर पिच का सिलेक्शन भी मुद्दा वहीं, मुंबई में रैंक टर्नर पिच के सिलेक्शन को लेकर भी चर्चा की गई। टीम ने पुणे में इसी तरह की पिच पर हारने के बाद मुंबई में भी रैंक टर्नर पर खेला। यहां भारत को 25 रन से हार का सामना करना पड़ा था।
बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए तैयारी को लेकर भी चर्चा हुई एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, हां, बीसीसीआई सचिव जय शाह, रोहित, गंभीर और अगरकर के बीच करीब छह घंटे तक बैठक हुई। कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के रिव्यू के अलावा ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए तैयारी को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग करेंगे नीरज चोपड़ा

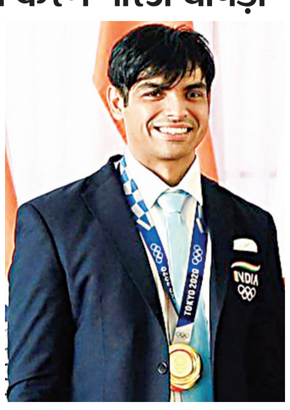

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा अगले साल की प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी के उद्देश्य से दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग करेंगे। दो ओलंपिक पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाले 26 वर्षीय नीरज इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में 31 दिन तक रहेंगे, जहां उनका सारा खर्च खेल मंत्रालय द्वारा उठाया जाएगा। खेल मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि नीरज जल्द ही ट्रेनिंग शुरू करेंगे और उनके साथ उनके फिजियोथेरेपिस्ट भी रहेंगे। मंत्रालय द्वारा उनके खाने-पीने, ठहरने और ट्रेनिंग का खर्चा वहन किया जाएगा। नीरज पहले भी तोक्यो और पेरिस ओलंपिक से पहले पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग कर चुके हैं और जनवरी 2020 में उन्होंने वहां एक प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया था।नीरज इस साल जांघ की मांसपेशियों की समस्या से परेशान रहे, जिससे उनका पेरिस ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। सत्र के अंत में उन्होंने इस परेशानी के समाधान के लिए डॉक्टरों से परामर्श लिया और सर्जरी कराने पर विचार किया। हालांकि, 27 सितंबर को पीटीआई को दिए बयान में उन्होंने कहा था कि चोट अब ठीक है और वह आगामी सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता अपनी तकनीक को और सुधारने की रहेगी। नीरज ने अपनी इस चुनौतीपूर्ण यात्रा को जारी रखते हुए एक नई शुरुआत की योजना बनाई है, ताकि वह आगामी ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में और मजबूत प्रदर्शन कर सकें। बता दें कि हाल ही में नीरज के जर्मनी के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने निजी कारणों से उनके साथ पांच साल का कोचिंग संबंध समाप्त कर दिया।

फिलीपींस के लगुना प्रांत में एशियाई वॉलीबॉल परिसंघ (एवीसी) 2024 एशियाई सीनियर बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप में चीन की जू चेन/ज़ेंग जिनजिन और फिलीपींस की खाइलेम हार्ल प्रोगेला/सोफिया शैनिन पगारा के बीच महिलाओं के राउंड 16 के मैच के दौरान प्रतिस्पर्धा करती चीन की ज़ेंग जिनजिन (बाएं)।

ओपनिंग विकल्पों के लिए अब भी जूझ रहीं टीम इंडिया, प्रैक्टिस मैच में खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के विपरीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को उम्मीद थी कि आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में चल रहे इंडिया ए के प्रैक्टिस मैच से कोई ऐसा ओपनर उभर कर सामने आएगा, जो यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा की जगह पारी की शुरुआत कर सके। प्रैक्टिस मैच में सभी दावेदारों के नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी गावस्कर-बार्डर ट्रॉफी से पहले एक ठोस ओपनर की तलाश चुनौती बन गई है। टीम प्रबंधन ने पांच संभावित ओपनिंग विकल्पों को आजमाया, लेकिन सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के विपरीत रहा। प्रैक्टिस मैच में भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करना पड़ा। दोनों पारियों में एक भी ओपनर प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सका, जिससे टीम की ओपनिंग लाइन-अप को लेकर चुनौतियाँ और बढ़ गई हैं। ओपनिंग विकल्पों में केएल राहुल, अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, रुतुराज गायकवाड़ और देवदत्त पड्डीकल को मौका दिया गया था। ये सभी बल्लेबाज अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए ओपनिंग करते हैं, लेकिन इस मैच में इनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा।

प्रैक्टिस मैच में बल्लेबाजों के प्रदर्शन की बात करें तो केएल राहुल ने पहली पारी में 4 रन, दूसरी पारी में 10 रन, अभिमन्यु ईश्वरन ने पहली पारी में 0 रन, दूसरी पारी में 17 रन, साई सुदर्शन ने पहली पारी में 0 रन, दूसरी पारी में 3 रन, रुतुराज गायकवाड़ ने पहली पारी में 4 रन, दूसरी पारी में 11 रन और देवदत्त पड्डीकल ने पहली पारी में 26 रन, दूसरी पारी में 1 रन रहा। प्रैक्टिस मैच की दोनों पारियों में इन बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन ने टीम मैनेजमेंट को असमंजस में डाल दिया है। 22 नवंबर से शुरू होने वाले पर्थ टेस्ट से पहले अब यह सवाल बड़ा हो गया है कि जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ए टीम के खिलाफ यह स्थिति है, तो मुख्य ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने यह चुनौती और कठिन हो सकती है।

टीम मैनेजमेंट ने प्रैक्टिस मैच में केएल राहुल और अभिमन्यु ईश्वरन को ओपनर के रूप में आजमाया, जो संकेत देता है कि फिलहाल इन्हें ही प्राथमिकता दी जा सकती है। हालाँकि, लगातार फेल होने के कारण चयनकर्ता अब इनकी घरेलू फॉर्म पर भी विचार कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, टीम ने अभिमन्यु ईश्वरन को पहले दो टेस्ट के लिए तैयार रहने का संकेत दिया है, वहीं केएल राहुल को भी एक और मौका दिया जा सकता है।

केएल राहुल और अथिया शेट्टी के यहां आने वाला है नया मेहमान

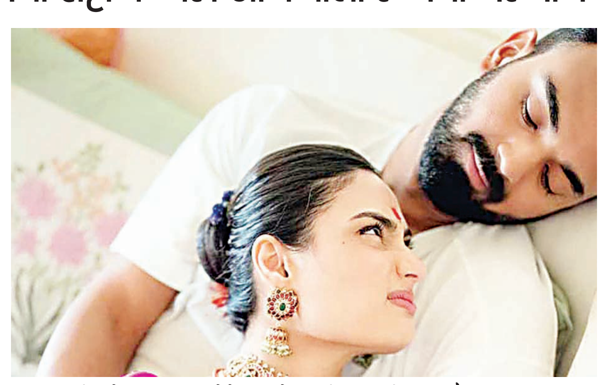

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी के यहां नया मेहमान आने वाला है। यही वजह है कि यह इस समय बेहद खुशी के पल जी रहे हैं। इस बारे में राहुल ने सोशल मीडिया पर एक प्यारे संदेश के साथ बताया कि हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है, 2025।

इस घोषणा के बाद से उनके फैंस और करीबी दोस्त उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। राहुल और अथिया ने 23 जनवरी, 2023 को शादी की थी। यह खास समारोह सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित घर में हुआ था, जिसमें केवल करीबी परिवार और दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी से पहले का उत्सव 21 जनवरी को पारंपरिक तरीके से मनाया गया था। उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब दोनों एक पारस्परिक मित्र के जरिए मिले थे।

शुरुआत में दोनों ने अपने रिश्ते को छिपाकर रखा, लेकिन बाद में 2020 में थाईलैंड में की गई अपनी यात्रा की एक तस्वीर के जरिए उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। अथिया के पिता और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी हमेशा से राहुल के बड़े समर्थक रहे हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि वह दादा बनने के लिए तैयार हैं। अब उनकी यह इच्छा पूरी हो रही है, और उनके परिवार में खुशियों का माहौल है। सुनील शेट्टी ने हमेशा राहुल की दयालुता और व्यक्तित्व की तारीफ की है, और कहा है कि अथिया उनके लिए बेहद भाग्यशाली हैं कि उन्हें ऐसा जीवनसाथी मिला है।

राहुल और अथिया के इस नए सफर को लेकर उनके दोस्त और फैन्स बेहद खुश हैं। बॉलीवुड की कई प्रमुख हस्तियों ने इस मौके पर जोड़े को बधाई दी है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, हे भगवान, भगवान बहुत खुश हैं, जबकि ईशा गुप्ता ने लिखा, ओमगग्ग... आप दोनों को बधाई। रिया कपूर ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, ओह बधाई। अथिया और राहुल के जीवन में एक नई शुरुआत होने जा रही है।

सऊदी अरब के रियाद में किंग सऊद यूनिवर्सिटी इंडोर एरिना में चीन की किनवेन झेंग सऊदी अरब के रियाद में किंग सऊद यूनिवर्सिटी इंडोर एरिना में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल मैच के दौरान गेंद को शूट करती हुई।

सऊदी अरब के रियाद में किंग सऊद यूनिवर्सिटी इंडोर एरिना में बेलारूस की आर्यना सबालेंका के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल मैच के दौरान एक्शन में अमेरिका की कोको गॉफ।

बारबोरा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में बनाई जगह

रियाद (ईएमएस)। कोको गॉफ को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराकर बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। प्रतियोगिता के दौरान दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को जीत के बावजूद बाहर होना पड़ा। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली क्रेजिसिकोवा अंतिम खिलाड़ी हैं, जिनके साथ शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, झेंग किनवेन और कोको गॉफ ने पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली थी। क्रेजिसिकोवा, जो इस साल विंबलडन चैंपियन भी रहीं, ऑरेंज ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल में उनका मुकाबला झेंग से होगा।

रोहित शर्मा के पहले टेस्ट में खेलने को लेकर अनिश्चितता बरकरार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पूरी तरह से फिट हैं और वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे। हालांकि वह आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट खेलेंगे या नहीं इसे लेकर संशय बरकरार है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद अब 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है। हालांकि, रोहित शर्मा की पहले टेस्ट मैच में उपलब्धता को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि रोहित शर्मा दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, जिससे उनके पहले टेस्ट मैच में खेलने को लेकर संदेह है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद रोहित ने यह स्वीकार किया था कि वह पहले टेस्ट में खेल पाएंगे या नहीं, इस बारे में वह अभी तक निश्चित नहीं हैं। बता दें कि रोहित शर्मा 10 नवंबर को भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे, लेकिन उनकी पहले टेस्ट में खेलने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है कि रोहित यात्रा करेंगे, लेकिन पहले टेस्ट में उनकी भागीदारी की पुष्टि नहीं की गई है।

टीम इंडिया 22 नवंबर से खेलेगी पहला टेस्ट

रोहित के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने के पीछे एक अहम कारण यह हो सकता है कि टीम इंडिया 22 नवंबर को पहले टेस्ट में उतरेगी और इसके पहले रोहित के पास ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के अनुकूल होने का समय होगा। इससे उन्हें पितृत्व अवकाश के दौरान वापस भारत लौटने और फिर टीम में शामिल होने का मौका मिलेगा। वह पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में कुछ समय बिता चुके होंगे, इसलिए उन्हें किसी अतिरिक्त समय की आवश्यकता नहीं होगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए को अनऑफिशियल टेस्ट में हराया, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले 2-0 से जीती सीरीज

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए को लगातार दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में हराकर र सीरीज 2-0 से जीत ली। भारत-ए ने 168 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया-ए ने 47.5 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने शुरू में शानदार प्रदर्शन किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया-ए को झटका दिया। उन्होंने मार्कस हैरिस को दूसरी गेंद पर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया और फिर कैमरून बैनक्रॉफ्ट को अगली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया-ए का स्कोर 1 रन पर दो विकेट हो गया, लेकिन इसके बाद नाथन और सैम कॉन्स्टास ने पारी को संभालते हुए 48 रनों तक पहुंचाया। मुकेश कुमार ने नाथन को 25 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया, लेकिन इसके बाद सैम और पीयू वेबस्टर ने जीत के लिए जरूरी रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया-ए को 169 रन तक पहुंचाया। सैम ने 128 गेंदों में 7 चौकों और एक छक्के के साथ 66 रन बनाए, जबकि पीयू ने 46 नाबाद रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया-ए की टीम में कई इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी थे, लेकिन भारतीय टीम के अनुभव को देखते हुए इस मैच में उनका प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। ऑस्ट्रेलिया-ए के सात खिलाड़ी ऐसे थे, जिन्होंने अब तक किसी भी फॉर्मेट में इंटरनेशनल मैच नहीं खेले थे। जबकि भारत-ए टीम में केएल राहुल, रुतुराज गायकवाड़, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल थे।

भारतीय पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत प्लेयर ऑफ द ईयर खिताब से नवाजे गए

मस्कट,(ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को 2024 के प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब और पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश को गोलकीपर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से नवाजा गया। यह सम्मान ओमान में 49वें एफआईएच स्टेच्युटरी कांग्रेस में एक समारोह में दिया गया। विजेताओं की घोषणा पैनल, राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों और कोचों, प्रशंसकों और मीडिया द्वारा मिले वोटों के आधार पर किया गया। पेरिस 2024 ओलंपिक में हरमनप्रीत सिंह ने अपना फॉर्म दिखाते हुए 10 गोल किए थे, जिसमें क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच में निर्णायक गोल शामिल थे। भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक पदक हासिल किया था। इससे पहले भी 2020-21 और 2021-22 में यह खिताब जीतने वाले हरमनप्रीत के लिए इस बार की जीत कप्तान के रूप भारतीय टीम को पदक दिलाने के कारण खास थी। हरमनप्रीत ने एफआईएच और टीम के सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए इस अवॉर्ड को अपने परिवार, खासकर अपनी पत्नी और बेटी को समर्पित किया है। पेरिस 2024 में अपने करियर का अंतिम मैच खेलते हुए गोलकीपर श्रीजेश ने भारतीय टीम के लिए दूसरी बार ओलंपिक पदक जीता। यह तीसरी बार है जब उन्हें एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड हासिल किया है। श्रीजेश ने विशेष रूप से क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया, जहां टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए जीत दर्ज की थी। इस अवसर पर श्रीजेश ने अपने करियर में मिले समर्थन के लिए हॉकी इंडिया और अपने टीम साथियों का आभार माना है। भारत के इन खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के जरिए से देश का गौरव बढ़ाया है और हॉकी में भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है।

टेस्ट मैचों में चेतेश्वर पुजारा की भूमिका हो सकती है अहम : रोबिन उथप्पा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत को ऑस्ट्रेलिया के आगामी चुनौतीपूर्ण दौरे के दौरान चेतेश्वर पुजारा की टीम जगह बनती हैं। ऐसा बल्लेबाज जो पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेल सके और परिस्थितियों के अनुसार पारी को संभाल सके, पर उन्हें इस बार टीम में शामिल नहीं किया गया है। टीम में पारंपरिक शैली के खिलाड़ी की जरूरत है, जो टीम को स्थिरता प्रदान कर सके। यह कहना है पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा का।पूर्व अनुभवी खिलाडी उथप्पा ने यह भी कहा कि अनुभवी चेतेश्वर पुजारा की भूमिका ऐसे टेस्ट मैचों में महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजी क्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकांश बल्लेबाज आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे टीम को एक मजबूत एंकर की कमी महसूस हो रही है। उथप्पा ने कहा, हमें एक ऐसे खिलाड़ी की जरूरत है जो पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेल सके और परिस्थितियों के अनुसार पारी को संभाल सके। लोकेश राहुल और अभिमन्यु ईश्वरन ऐसे खिलाड़ी हैं, जो यह भूमिका निभा सकते हैं। उथप्पा का मानना है कि ज्यादातर बल्लेबाज तेजी से रन बनाना पसंद करते हैं, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो स्वाभाविक रूप से आक्रामक स्ट्रोक प्लेयर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गिल जैसे खिलाड़ी से धीमा खेलने की उम्मीद करना मुश्किल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2018-19 और 2020-21 की ऐतिहासिक सीरीज में पुजारा के महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद उन्हें इस बार टीम में शामिल नहीं किया गया है। उथप्पा का मानना है कि पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ी का टीम में होना आवश्यक है, जो एक छोर पर टिककर खेल सकें, जिससे अन्य खिलाड़ी उनके आसपास अपनी आक्रामकता दिखा सकें।

गौतम गंभीर के लिए ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज करो या मरो का मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हार और न्यूजीलैंड से घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होने के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे हैं। उनके कोचिंग करियर में अब सबकी नजरें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के टॉप अधिकारियों ने टीम के खराब प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज गौतम गंभीर के लिए करो या मरो का मामला बन चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, अगर भारत ऑस्ट्रेलिया में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं करता, तो बीसीसीआई गंभीर से टेस्ट कोच की भूमिका छीन सकता है।

एलआईसी की अब हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में एंट्री की तैयारी ! प्राइवेट कंपनियों को मिलेगी कड़ी टक्कर

देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी, भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड (एलआईसी) की योजना अब हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में भी अपनी धाक जमाने की है। कंपनी अब इस सेक्टर में कदम रखने की तैयारी कर रही है। बीमा कंपनी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने शुक्रवार, 8 नवंबर को बताया कि एलआईसी चालू वित्त वर्ष में एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने पर फैसला करेगी। मोहंती ने सरकारी बीमा कंपनी के नतीजों के ऐलान के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। बीमा दिग्गज के हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में कदम रखने के बाद प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, जमीन पर काम चल रहा है...उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी की खोज हो रही है...हम इस वित्तीय वर्ष के भीतर हिस्सेदारी को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने बताया कि एक बार सभी तैयारी पूरी हो जाने के बाद एलआईसी हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में कदम रखने के लिए बोर्ड से मंजूरी हासिल करने के लिए संपर्क करेगी। हालांकि मोहंती ने उस कंपनी का नाम नहीं बताया, जिसमें एलआईसी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है।

बीमा अधिनियम में संशोधन की होगी जरूरत

फरवरी 2024 में, एक संसदीय समिति ने बीमा प्रदाताओं के लिए खर्च और नियामकीय बोझ को कम करने के उद्देश्य से कॉम्पोजिट इंश्योरेंस लाइसेंस को लागू करने की सिफारिश की थी। वर्तमान में, जीवन बीमा कंपनियों को विस्तारित हेल्थ इंश्योरेंस लाभ प्रदान करने तक सीमित किया गया है। जीवन बीमा कंपनियों को अस्पताल में भर्ती और मुआवजा कवरेज प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए बीमा अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता होगी।

नए सरेंडर वैल्यू नियमों के आधार पर एलआईसी ने रिडिजाइन किए अपने बीमा प्रोडक्ट

इसके अलावा, 1 अक्टूबर से लागू हुए सरेंडर वैल्यू के नए नियमों पर, महंती ने कहा कि एलआईसी ने अपने बीमा प्रोडक्ट्स को फिर से डिजाइन किया है और वे पूरी तरह से नियमों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने ग्राहकों और बाजार मध्यस्थों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखा है। नए सरेंडर वैल्यू नियम उन जीवन बीमा पॉलिसीधारकों के लिए बेहतर निकासी भुगतान सुनिश्चित करते हैं, जो अपनी पॉलिसी का प्रीमियम जारी रखने में असमर्थ या अनिच्छुक होते हैं। सरेंडर वैल्यू वह राशि होती है जो पॉलिसीधारक को मिलती है जब वे अपनी पॉलिसी को मैच्योरिटी से पहले समाप्त करने का निर्णय लेते हैं। बीमाकर्ता योजना की शर्तों के आधार पर एक निश्चित राशि को 'सरेंडर चार्ज' के रूप में काटते हैं।

सितंबर तिमाही में कैसा रहe एलआईसी की रिजल्ट?

सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी का नेट प्रॉफिट सितंबर तिमाही में 3.75 प्रतिशत घटा क्योंकि कंपनी ने अर्जित प्रीमियम की तुलना में अधिक लाभ का भुगतान किया। सितंबर तिमाही में बीमा दिग्गज का नेट प्रॉफिट 7,729 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 8,030.28 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही के दौरान सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (GNPA) 1.72 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही में 1.95 प्रतिशत थी। पिछले वर्ष की इसी अवधि में GNPA 2.43 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष की समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की नेट प्रीमियम आय 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गई।

ट्रंप की जीत व फेडरल की कटौती से भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी

भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत

मुंबई, (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत और सत्ता में वापसी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के चलते भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव आया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (एचएनआई) ने बाजार को समर्थन दिया।

विशेषज्ञों के मुताबिक शेयर बाजार की वर्तमान स्थिति विशेष रूप से अत्यधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों में कंसोलिडेशन (समेकन) की प्रक्रिया को दर्शाती है। एफआईआई की बिक्री के बावजूद भारतीय शेयर बाजार लचीला बना है क्योंकि घरेलू निवेशकों ने गिरावट को सहन किया और बाजार को मजबूत किया। अक्टूबर में डीआईआई ने भारतीय इक्विटी में 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया, जिससे भारतीय शेयर बाजार अपने वैश्विक समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी आम चुनावों के बाद सरकारी खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय में सुधार हो सकता है। तीसरी तिमाही में त्योहारी सीजन के कारण खपत में तेजी आ सकती है, जो बाजार की धारणा को सकारात्मक दिशा में प्रभावित कर सकता है। वैश्विक स्तर पर ट्रंप की वापसी ने राजनीतिक अनिश्चितता को कम किया है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है।

इसके साथ ही फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती से भी बाजार में स्थिरता आई। अक्टूबर में एफआईआई द्वारा 113,858 करोड़ रुपए की बिकवाली के बाद नवंबर में एफआईआई ने अब तक 19,849 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची है। विशेषज्ञों कहते हैं कि यह बिकवाली का रुझान तब तक जारी रहेगा, जब तक डेटा रुझान में बदलाव का संकेत नहीं मिलता। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में हल्की गिरावट आई थी। सेंसेक्स 55.47 अंक या 0.07 फीसदी गिरकर 79,486.32 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 51.15 अंक या 0.21 फीसदी गिरकर 24,148.20 पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख ने कहा कि निफ्टी का अल्पकालिक रुझान उतार-चढ़ाव भरा रहेगा और यह समेकन की स्थिति में कमजोर पूर्वाग्रह के साथ जारी रहने की उम्मीद है। निफ्टी के लिए अगला निचला समर्थन 23,800 के स्तर पर और तत्काल प्रतिरोध 24,537 के स्तर पर रहेगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस का फोकस ज्यादा इंटरनेशनल फ्लाइट पर, अगले वर्ष 110 विमानों का होगा बेड़ा!

एयर इंडिया एक्सप्रेस छोटे शहरों और कस्बों को महानगरों से जोड़ने के साथ ही नए विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एआई एक्सप्रेस ने कहा कि नेटवर्क विस्तार और समूह के साथ तालमेल से उसे बढ़त मिलेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस में हाल में एआईएक्स कनेक्ट का विलय हुआ है। एयरलाइन के पास लगभग 90 विमानों का बेड़ा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह संख्या 110 को पार कर सकती है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरना है और इसने एयर इंडिया समूह की रणनीति के तहत अपने नेटवर्क को युक्तिसंगत भी बनाया है।

अधिकारियों ने कहा कि घरेलू मार्गों को जोड़ने के अलावा, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन थाईलैंड के बैंकॉक और फुकेट जैसे और विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा कि एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा मेट्रो से लेकर गैर-मेट्रो तक है।

सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कंपनी मुख्य रूप से टियर-2, टियर-3 शहरों से खाड़ी, पश्चिम-एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और फिर दक्षिण-एशिया से जोड़ेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एयरलाइन की नेटवर्क रणनीति समूह की नेटवर्क रणनीति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है।

टाटा समूह ने एआईएक्स कनेक्ट का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय कर दिया है और विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय अगले सप्ताह पूरा होने वाला है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) अंकुर गर्ग ने कहा कि बैंकॉक और फुकेट के लिए सेवाएं शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंकॉक के लिए उड़ानें टियर-2 शहरों से और फुकेट के लिए उड़ानें मेट्रो शहरों से शुरू हो सकती हैं। इसके अलावा एयरलाइन भविष्य में मलेशिया, हांगकांग और 'सीआईएस' देशों के लिए उड़ान भरने की संभावनाएं भी तलाश सकती है।

लॉफिंग ज़ोन

एक कंजूस व्यक्ति पहली बार डाक्टर के पास गया. डाक्टर के कक्ष के बाहर उसकी फीस का चार्ट लगा था जिस पर लिखा था-पहली बार दिखाने पर सौ रुपये और दूसरी बार दिखाने पर 50 रुपये. उस व्यक्ति ने 50 रुपए बचाने की गरज से डाक्टर से कहा, डाक्टर साहब नमस्कार, दोबारा आपसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई. जवाब में डाक्टर हल्का सा मुस्करा दिया. उसके बाद डाक्टर ने उसका मुआयना किया. व्यक्ति ने डाक्टर से पूछा कि आखिर मुझे क्या बीमारी है?

'कुछ खास नहीं, आपको वही है जो मैं पिछले तीन बार से बताता आ रहा हूं.' डाक्टर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति गोल्फ खेल रहा था और खेलते हुए वह बार-बार दाएं-बाएं मुड़ता, झुकता और कुछ ढूंढने की कोशिश कर रहा था. उसके साथी खिलाड़ी ने झुंझलाकर पूछा कि आखिर तुम यह क्या कर रहे हो. उस व्यक्ति ने जवाब दिया कि दरअसल दूर की खिड़की से मेरी बीवी मेरा खेल देख रही है और मैं उससे यह वादा करके आया हूं कि मैं आज एक शानदार शाट लगाकर दिखाऊंगा.

'बेकार परेशान हो रहे हो. तुम कितनी भी ताकत लगा लो, यहां से शाट मारकर तुम उस खिड़की पर बैठी बीवी को गेंद से नहीं मार सकोगे.' साथी खिलाड़ी ने जवाब दिया.

आज का इतिहास

1970 सोवियत संघ ने वायुसीमा का उल्लंघन करने वाले विमान के दो अमरीकी जनरलों, तुर्की के एक अधिकारी और विमान चालक को रिहा किया।
1975 अंगोला स्वतंत्र हुआ।
1976 सिरीयाई फौजें लेबनान में एक समझौते के तहत पहुंची।
1987 नाइजर के राष्ट्रपति सेयनी माउंटशे का निधन।
1988 सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर श्रीलंका में सुरक्षाकर्मियों की गोली से 15 व्यक्ति मारे गए।
1989 अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास।
1990 चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने।
1992 त्रिपुरा में पुलिस विद्रोह, सेना को सतर्क किया।
1993 ब्रिटेन में अमरीकी पर्यटकों को ले जा रही बस के खड्डे में गिर जाने से 10 व्यक्ति मारे गए।
2000 बंगलादेश का टेस्ट क्रिकेट में प्रवेश।
2001 केरल के तिरुअनंतपुरम के निकट अंबूरी में भारी वर्षा के कारण हुए भूस्खलन से 40 मरे।
2004 मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भाजपा से निस्काषित।
2006 पुलवामा जिले में एक मस्जिद में हुए शक्तिशाली ग्रेनेड विस्फोट में 9 लोगों कि मृत्यु व 50 घायल।

दैनिक पंचांग

10 नवम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

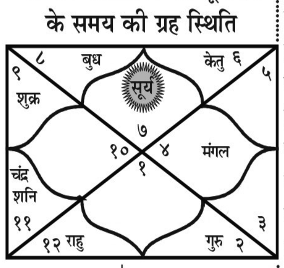

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.42 ब.से
चंद्र	कुंभ में	धनु	08.58 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.03 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.50 बजे से
गुरु	वृष में	मीन	14.23 बजे से
शुक्र	धनु में	मेष	15.53 बजे से
शनि	कुंभ में	वृष	17.33 बजे से
राहु	मीन में	मिथुन	19.31 बजे से
केतु	कन्या में	कर्क	21.45 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.01 बजे से
4.30 से 6.00		कन्या	02.13 बजे से
बजे तक		तुला	04.24 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 315 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 21.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 11.00 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 01.42 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 09.58 बजे तदनन्तर कौलव 21.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 13'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872159
जूलियन दिन 2460624.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जमादि उलावल **तारीख** 07
विशेष अक्षय (आंवला) नवमी, जगद्धात्री पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8183

■	1		2	■	3			4
5		■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	24	
25				■	26			■

बाएँ से दाएँ
1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब (अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे
1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8182 का हल

झ	न्डा	■	ते	■	प	■	श	क
र	■	दा	ल	■	री	ता	■	ल
ना	खु	दा	■	पा	■	रा	इ	मा
■	श	■	अ	ला	वा	■	न्द्र	■
ब	ग	दा	द	■	स	म	ध	न
■	वा	■	द	ल	ना	■	नु	■
ग	र	म	■	क्ष	■	ऋ	ष	भ
र	■	स्त	र	■	कृ	षि	■	ला
ल	ब	■	क्षा	■	मि	■	ता	ई

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7724

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	15	22	40	43	■	■	15	21	■
26		5		7	■	6		5	15
22	4		2		■		7		20
■		8		7		4		6	35
■	■	■	7		3		2		33
38		2		7		9	■	■	■
40	5		5		3		7		■
19		8		■		8		3	24
18	5		7	■	3		7		17
■	22	18	■	■	26	48	21	16	■

अंकजाल 7723 का हल

■	18	20	23	■	26	16	14	15	■
12	2	7	3	■	5	4	9	2	20
20	7	5	8	■	7	5	3	8	23
15	2	6	7	■	3	7	2	5	17
29	7	2	5	7	8	■	■	■	■
■	■	■	■	7	3	6	4	5	25
16	2	5	6	3	■	7	8	8	23
23	5	8	6	4	■	6	8	7	21
21	3	5	6	7	■	3	2	7	12
■	10	18	18	28	■	22	22	27	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6668

	3			1		5
7	30		25	2	34	
4		1		6		2
	28	5	35		39	
	2	4		7		
5	30	3	42		34	7
			6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6667 का हल

1	2	7	6	4	5	3
7	34	2	31	2	28	4
4	5	6	3	1	7	2
6	30	3	29	5	39	6
2	3	1	4	6	7	5
5	28	5	36	3	38	7
3	5	4	6	7	2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6028

20		16		30		5	=	11
	■		■		■		■	
30		15		30		30	=	15
	■		■		■		■	
20		4		45		20	=	30
	■		■		■		■	
30		30		1		3	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40		34		45		45	=	36 / 6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6027

33	+	66	-	4	-	20	=	75
-	■	+	■	-	■	-	■	+
24	x	4	÷	2	-	8	=	40
+	■	-	■	x	■	-	■	-
71	-	24	+	2	+	5	=	54
-	■	-	■	+	■	+	■	-
45	-	20	+	30	-	40	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
35	-	26	+	34	+	47	=	46 / 90

शब्दजाल - 7715

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आगरा, अलीगढ़, इलाहबाद, आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ.

शब्दजाल - 7714 का हल

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बुरे फंसे जयराम महतो व विनोद स्वांसी, देर शाम तक सभा करने पर बोड़ाम थाना में प्राथमिकी दर्ज

जमशेदपुर । झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जुगसलाई विधानसभा सीट से प्रत्याशी विनोद स्वांसी के समर्थन में शुक्रवार को बोड़ाम में आयोजित विशाल महासंकल्प सभा की सफलता से जहां पार्टी कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं वहीं देर शाम तक सभा करने पर पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो व प्रत्याशी विनोद स्वांसी के खिलाफ चुनाव आयोग के निर्देश पर एफएसटी की शिकायत पर बोड़ाम थाना में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की प्राथमिकी दर्ज की गई है। सूत्रों के अनुसार पार्टी की ओर से दोपहर 1 बजे से 5 तक की ही अनुमति चुनाव आयोग से ली गई थी लेकिन टाइगर जयराम महतो शाम 6.30 बजे बोड़ाम पहुंचे थे और शाम 7.30 बजे कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसकी लगातार ऑनलाइन शिकायत जुगसलाई सीट से प्रमुख प्रतिद्वंदी दल की ओर से चुनाव आयोग के पास की गई थी। जयराम महतो के लिए भले ही यह मामला कोई नया नहीं है लेकिन जिंदगी में कभी 107 का भी केस नहीं खाने वाले विनोद स्वांसी को राजनीति में आने के बाद उनका संभवतः यह पहला केस है। इस संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए जेएलकेएम के पूर्वी सिंहभूम जिला प्रवक्ता फनी महतो ने कहा कि टाइगर जयराम महतो व हमारे प्रत्याशी विनोद स्वांसी से विपक्षी पार्टी घबरा गई है , इसलिए साजिश के तहत यह केस करवाया गया है।

सहीस की पत्नी और बेटा ने संभाले प्रचार प्रसार की कमान ,लोगो से मिल ले रही जीत की आशीर्वाद

जमशेदपुर । एनडीए प्रत्यासी सह आजसू केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र साहिस के पक्ष में चुनाव प्रचार का जिम्मा सरस्वती साहिस और पुत्र सत्यजीत सहीस ने अपने कंधे पर ले लिया और जगह जगह प्रचार कर आजसू को जिताने का संकल्प ले हर दिन 10 घंटे मेहनत कार रही है उनके प्रचार प्रसार से ग्रामीणों में खासे उत्साह का माहौल है वही सहीस की पत्नी सरस्वती साहिस ने बताया कि मेरे पति द्वारा बोड़ाम और पटमदा क्षेत्र में जो विकास कार्य है उन्हें जनता के बीच रख उनके द्वारा नई सोच और बोड़ाम पटमदा के आलावे पूरे जुगसलाई विधानसभा का समुचित विकास का सपना देखा है और उनके जीत के प्रति आश्वस्त है क्योंकि बिगत 5 वर्षों में वर्तमान विधायक लोगो के भावनाओ से खिलवाड़ किया है महिलाओ के सुरक्षा और परिवार नियोजन के साथ शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई भी कार्य सराहनीय नहीं रहा है और नाही कोई छात्र नौजवानों के रोजगार सृजन के लिए ठोस कदम उठाया है , मै इस मिट्टी में पली बढी हुई हु इहा के मूल भूत विषयो से अवगत हु यहाँ के मूल समस्याओं के साथ जूझ रहे आम जनमानस के साथ खड़ी रहूंगी । उनके साथ उनके पुत्र सत्यजीत सहीस ने रामचंद्र सेना बनाकर और युवाओं की टोली के साथ लोगो से संवाद स्थापित कर जन जन तक अपने पिता और माता के विचारों से अवगत कराते हुए अपने पिता के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे है और लोगो को बता रहे है कि मेरे पिता शिक्षा के प्रति कितने सजग और चिंतित है लेकिन वर्तमान विधायक शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं से दूर लोगो को गुमराह करते है उनकी नीयत में जुगसलाई विधानसभा के मतदाताओं को जागरूक होने नहीं देना चाहते है लेकिन वर्तमान समय में मतदाताओं में भी जिज्ञासा आई है और लोग रामचंद्र साहिस के हाथों में जुगसलाई विधानसभा का भविष्य संवारने का जिम्मा सौंपेगी । इनलोगो के साथ परिवार के सदस्यों के आलवे आरती महतो, वंदना महतो, रेणुका महतो, लक्ष्मी सहीस, कागजी महतो समेत अन्य मौजूद रहे ।

एनसीपी उम्मीदवार महेश ठाकुर चौपारण प्रखंड मे किया जनसंपर्क

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में एनसीपी उम्मीदवार महेश ठाकुर ने जनसम्पर्क कर ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बरही विधानसभा को विगत तीस वर्षों से सिर्फ लुटा जा रहा है। जनता का विकास न कर अपना विकास और अपने परिवार का विकास कर रहे हैं। वहीं उन्होंने बोला कि बाहरी नेताओं को भगाओ और घर के माटी के बेटा को लाओ तभी बरही का विकास संभव है। आनेवाले 13 तारीख को घड़ी छाप पर बटन दबाकर माटी के बेटा को जिताये। मैं आपलोग के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। मौके पर महेंद्र सिंह, जीतेन्द्र कुमार, मनोज सिंह, धीरज ठाकुर, सौरभ कुमार, पिंटू साव, बिट्टू कुमार चंद्रवंशी, गणेश ठाकुर, चंदन दास, गणेश मेहता, ओम सिंह, नीरज सिंह, कृष्णा प्रजापति, बिनोद साव, केशव साव, मनोज पासवान, पवन यादव, सिकंदर भुईया सहित कई लोग शामिल थे।

इटखोरी भाजपा मंडल की पथ सभा का आयोजन आज होगा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी(चतरा) जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के मतदान की तिथि गरीब आते जा रही है वैसे-वैसे विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क साधने की जुगत में लगे हुए हैं। कार्यकर्ता मतदाताओं से लेकर बूथ स्तर तक सक्रियता पूर्वक अधिक से अधिक मतदाताओं के बीच जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने में लगे हुए हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सिमरिया विधानसभा चुनाव 2024 के लिए कल इटखोरी मंडल के सभी पंचायतों में पथ सभा का आयोजन किया जाएगा। पथ सभा में भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों के बीच साझा की जाएगी। कोनी पंचायत के लिए रामकुमार सिंह, धुना पंचायत के लिए रामाधार राम और राजकुमार सिंह, इटखोरी पंचायत के लिए अजय सिंह, परसौनी पंचायत के लिए योगेन्द्र सिंह, नवादा पंचायत के लिए बसंत नारायण सिंह, मलकपुर पंचायत के लिए देवकुमार सिंह और टुन्नी सिंह, धनखेरी पंचायत के लिए राजेश कुमार गुप्ता और ऋषिबाला सिंह, शहरजाम पंचायत के लिए सुनिल कुमार रवानी और यसवंत सिंह, करनी पंचायत के लिए डोमन राणा, हलमत्ता पंचायत के लिए देवकुमार सिंह और ब्रम्हदेव यादव, टोनाटांड पंचायत के लिए देवकुमार सिंह और ब्रम्हदेव यादव, और पितीज पंचायत के लिए डॉ दुलार ठाकुर और इन्द्रदेव सिंह को प्रभारी बनाया गया है।

23 नवंबर को झारखंड में नया सूर्योदय होगा : शिवराज सिंह चौहान

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के निमित्त, कोकर के बिजली मैदान में केंद्रीय कृषि मंत्री एवं झारखंड विधानसभा के चुनाव प्रभारी शिव राज सिंह चौहान ने जन सभा को संबोधित किया, जन सभा में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, देवास के सांसद सुरजीत सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक समरी लाल, कांके विधानसभा चुनाव प्रभारी शशि भूषण भगत, कांके विधानसभा चुनाव संयोजक संजीव विजयवर्गीय, कांके विधानसभा के प्रत्याशी डॉ. जीतू चरण राम, भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, ग्रामीण जिला के उपाध्यक्ष प्रीतम साहू, कांके विधानसभा प्रवासी प्रभारी कृष्णकांत राय जी, भाजपा अनुसूचित जाति के महानगर अध्यक्ष युवराज पासवान, भाजपा के वरिष्ठ नेता नसीब लाल महतो, विरेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। मंच का संचालन संजीव विजयवर्गीय ने किया, स्वागत भाषण कोकर मंडल के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने दिया, धन्यवाद ज्ञापन कांके विधानसभा के प्रत्याशी डॉ. जीतू चरण राम ने किया।

जन सभा को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा की, यह सरकार जनता की हितैषी नही, जनता को ठगने वाली सरकार है, उन्होंने कहा की, हेमंत सोरेन के हर एक वादों का जवाब जनता अपने मत का प्रयोग कर के देगी, उन्होंने कहा की, आज झारखंड में अपराध चरम पर है, महिला, बेटी कोई सुरक्षित नही है, आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है और राज्य के मुखिया सिर्फ बयानबाजी कर रहे है, उन्होंने कहा की, हेमंत सोरेन को बताना चाहिए कि महिलाओं के चूल्हा योजना पैसा कहा गया, युवाओं को नौकरी कहा गई, बेरोजगारी भत्ता का क्या हुआ, आधार कार्ड से लोन देने की बात का क्या हुआ, नौकरी में महिलाओं को 50 % आरक्षण का क्या हुआ। उन्होंने कहा की आज पूरे राज्य में बालू की की चोरी हो रही है और बालू माफिया हेमंत सोरेन के साथ घूम रहे है, बांग्लादेशी रोहिंगिया के घर में जेएमएम के झंडे लगे हुए है, आज झारखंड के आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है लेकिन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन मौन है, उन्होंने कहा की 23 नवंबर को झारखंड में नया सूर्योदय होगा, शिवराज सिंह चौहान ने कांके विधानसभा के प्रत्याशी डॉ. जीतू चरण राम के पक्ष में 13 नवंबर को मतदान करने की अपील की।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा की, हेमंत ने झूठ की इमारत खड़ी की है, हेमंत सोरेन ने राज्य के युवाओं के साथ ठगी किया है, महिलाओं के साथ ठगी किया है, उन्होंने कहा की, अब झारखंड की भोली भाली जनता हेमंत सोरेन के बहकावे में नही आने वाली है, उन्होंने कहा की, हेमंत सोरेन ने अपने चुनावी वादों का प्रतिशत भर भी काम नही किया है, उन्होंने कहा की हेमंत सोरेन ने शादी के बाद नवविवाहिता जोड़े को सोने के कंगन देने का वादा किया था, जिससे वो मुकर गई, उन्होंने कहा की राज्य के जब हेमंत सोरेन से रोजगार मांगते है तो उनपर केस कर जेल भेजवाती है।

संचालन कर रहे कांके विधानसभा के चुनाव संयोजक संजीव विजयवर्गीय ने कहा की, आज पूरा झारखंड रोटी बेटी माटी पुकार रही है, झारखंड की जनता हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार के आतंक से परेशान हो चुकी है, उन्होंने कहा की आज झारखंड के हर एक विभाग में भ्रष्टाचार के भेट चढ़ गई है, उन्होंने कहा की बिना चढ़ावा कोई काम नही, उन्होंने कहा की इस आतंक का सफाया करने को जनता आतुर है।

जनसभा में वरिष्ठ नेता जय प्रकाश भल्ला, प्रमोद सिंघानिया, तुषार विजयवर्गीय, रणधीर सिंह, बसंत पांडे, अर्जुन ठाकुर, अनिल अग्रवाल, अजनेश सिंह, पवन सिंह, माणिक चंद्र ठाकुर, पवन सिंह, सोनू मिश्रा, अरुण गुप्ता, रूबी देवी, गोपाल रवि, संतोष सिंह, चंदन शर्मा, प्रदीप रवि, शीतल वर्मा, राजू पांडे, विजय पोद्दार, किरण बाखला, निर्मला देवी, दीपक महतो समेत भारी संख्या में आम जनता उपस्थित रहे।

भाजपा से हटिया प्रत्याशी नवीन जयसवाल की जनसंपर्क और पदयात्रा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : आज हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ भाजपा से हटिया प्रत्याशी नवीन जयसवाल ने हेहल जतरा मैदान, बगीचा टोली, बजरा स्कूल,नया सराय कल्लू मैदान, आनी चौक, भवानी पुर,कृष्णा कॉलोनी, नवनीत नगर, काली मन्दिर रोड,झण्डा चौक, बाजार मुहल्ला, तुलसी चौक, डोरंडा,कटहल मुहल्ला, हटिया सिंह मोड़,लटमा, गढ़ा टोली, पीपर टोली बस्ती, नीचे हटिया, डोमन नगर, न्यू पीपर टोली, सरई नगर, आदि विभिन्न मुहल्लों मे पदयात्रा व जनसंपर्क कर जनता जनार्दन का आशीर्वाद लिया.. हटिया प्रत्याशी नवीन जयसवाल ने कहा की वहां के स्थानीय लोगों से मिले स्नेह और प्यार से अभिभूत हूँ . इस बार जनता ने जैसे ये तय कर लिया है.

भाजपा प्रत्याशी के साथ मुख्य रूप से सुबेश पांडेय,पीयूष साहु,अजीत भगत, राजेश तिर्की,सुजीत केसरी, राकेश केसरी, जय किशन महतो,श्याम मुंडा,कमलेश ओदार, शंकर बैठा,अर्जुन बैठा,कुणाल सहदेव, दीपक केसरी, राम मनोज साहु,संतोष मिश्रा ,राकेश सिंह गुड्डू,पवन आर्या, विशाल कुमार सिंह, लाल प्रमोद नाथ सहदेव,समुंदर मिर्धा, पीयूष विजयवर्गीय, विवेक कुमार, महेश विजय, अभिजित गुप्ता,मंटू लाल, मनोज वर्मा,प्रदीप पांडेय आदि सेकडों कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे.

मध्य विद्यालय चकला के बच्चों ने मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदान के प्रति लोगों को किया जागरूक

ओरमांझी(मोहसीनआलम):चुनाव आयोग मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के पहल पर शनिवार को ओरमांझी प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में प्रभात फेरी निकालकर मतदान देने चलो स्लोगन के साथ जागरूकता अभियान चलाया। इसी के तहत राजकीयकृत मध्य विद्यालय चकला,एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय उर्दू कन्या चकला के संयुक्त तत्वावधान में बच्चों ने रैली निकालकर गांव के विभिन्न टोलों में नारे लगाते हुए अभिभावकों को मतदान में अवश्य भाग लेने का अनुरोध किया। इस अवसर पर बच्चों ने नारा लगाते हुए कहा कि सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, पहले मतदान फिर जलपान आदि कई नारे लगाए। इसके उपरांत विद्यालय में बच्चों के बीच मतदान के महत्व पर कविता, रंगोली निबंध,भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कविता में चंदन कुमार, रंगोली प्रतियोगिता में राधिका की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।मौके पर शिक्षक संघ केअध्यक्ष सहविद्यालय के सहायक शिक्षक सतीश बड़ाईक सुचित्रा कुमारी,आशा कुमारी संगीता कुमारी अनुपा शैल बाला कुजूर,प्राथमिक विद्यालय उर्दू कन्या चकला के प्रधानाध्यापका मो.जमाल अंसारी सहित दोनों विद्यालय के छात्र छात्राएं शामिल थे।

खूंटी में 77 लाख का अफीम धराया; दो गिरफ्तार

खूंटीः खूंटी पुलिस ने तोरपा बाजार टांड स्थित शशिभूषण साहु के घर 15.550 किलोग्राम अफीम बरामद किया है। वहीं इस मामले में जोडन नाग और अल्बर्ट कंडीर को गिरफ्तार किया है। दोनों शशिभूषण साहु के घर किराएदार के रूप में रहते थे।

जानकारी के मुताबिक खूंटी एसपी गुप्त सूचना मिली की हेन्देहस्सा का रहने वाला जोडन नाग अपने किराए के मकान में अफीन रखा हुआ है। वहीं उसका दोस्त भी आया हुआ है। दोनों अफीम को बेचने के लिए तत्काल बाहर ले जाने की फिराक में है।

प्राप्त सूचना के वेरिफिकेशन के बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने छापेमारी करते हुए शशिभूषण नाग के घर से दोनों को अरेस्ट किया।

14 लाख नगद सहित बाइक भी बरामद

पुलिस ने बताया कि छापेमारी के क्रम में 15.550 किग्रा अफीम के साथ-साथ 14 लाख 58 हजार रुपए नगद, एक R15 मोटरसाईकिल, एक KTM duke मोटरसाईकिल, एक स्कूटी सहित पांच मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों ने अपनी-अपनी संलिप्तता की बात को स्वीकार कर लिया है। साथ ही उन्होंने बताया कि हम अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर अवैध अफीम का कारोबार करते हैं। इस संबंध में तोरपा थाना में मामला दर्ज किया गया है। बरामद अफीम की बाजार में कीमत 77,75,000 रुपए हैं।

मयूरहण्ड में जे एम एम प्रत्याशी मनोज चंद्रा के पक्ष में कल्पना सोरेन ने किया जनसभा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

मयूरहण्ड (चतरा) ज्यों ज्यों चुनाव के दिन करीब आते जा रहे हैं त्यों त्यों प्रत्याशी जन समर्थन जुटाना के लिए पूरे की जान से अपनी पूरी शक्ति झोंक दिए हैं।

विदित हो कि सिमरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 13 नवंबर को मतदान होना सुनिश्चित है। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र से विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने अपने दल के प्रचार प्रसार और मतदाताओं से संपर्क साधने की जुगत में मशगूल दिख रहे हैं।

इसी क्रम में चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड के मयूरहंड स्टेडियम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा एक जनसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन सिमरिया विधानसभा क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मनोज चंद्रा के पक्ष में सभा को संबोधित किया। मौके पर बोलते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के लोगों के हित में काम किया है और भविष्य में भी हमारी सरकार राज्य वासियों के हितों का ख्याल रखेगी। हमारी सरकार ने जनहित में कई योजनाएं लाई हैं जिसका लाभ प्रत्यक्ष रूप से आम लोगों को मिल रहा है। भविष्य में यदि मेरी सरकार बनती है तो निश्चित रूप से जो योजनाएं पूरी नहीं हो सकी है उन्हें पूरा करने का पूरा-पूरा प्रयास रहेगा। इस अवसर पर बोलते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि आप अपने क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी मनोज चंद्रा को अधिक से अधिक मतों से जीता कर विधानसभा में भेजें ताकि पिछले जन प्रतिनिधियों के द्वारा जो विकास का कार्य नहीं हो सका है उसे पूरा किया जा सके। मौके पर उन्होंने अपने सरकार के उपलब्धियों को मतदाताओं के समक्ष रखा। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि अपने लिए एक योग्य प्रत्याशी का चयन करें जिससे सिमरिया विधानसभा क्षेत्र का सतत एवं समुचित विकास हो सके। इसके लिए उन्होंने सभा मंच से मतदाताओं को संबोधित करते हुए निवेदन किया कि आपका एक-एक वोट इस विधानसभा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करेगा। विकास के सोपानों को ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेगा। इसलिए आप 13 नवंबर को अपने बूथ पर जाकर मनोज चंद्रा के पक्ष में मतदान करें। मौके पर सैकड़ो की संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता एवं समर्थन उपस्थित थे।

मानगो स्वर्णरेखा छठ घाट पर जिला बार संघ ने लगाया सहायता शिविर

जमशेदपुर । जिला बार संघ जमशेदपुर के अधिवक्ताओं द्वारा छठ महापर्व के अवसर पर मानगो स्वर्णरेखा नदी घाट पर छठ व्रतियों के लिए सहायता शिविर लगाया गया । मौके पर जिला बार संघ के अधिवक्ताओं ने बताया कि इस वर्ष जिला बार संघ द्वारा आयोजित यह 7वां छठ शिविर है, जिसका उद्देश्य जमशेदपुर पुलिस और जमशेदपुर प्रशासन को मदद करना है तथा जमशेदपुर के किसी भी नागरिक द्वारा किए गए किसी भी गैरकानूनी कृत्य के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करना और प्री मेडिकल का लाभ उठाकर जरूरतमंदों को चिकित्सा सुरक्षा प्रदान करना है। इस शिविर की शुरुआत 2017-2018 में जमशेदपुर के अधिवक्ताओं द्वारा की गई थी और यह निरंतर जारी है। इस शिविर का उद्घाटन जिला बार संघ के वर्तमान अध्यक्ष अधिवक्ता रतींद्र नाथ दास सहित अन्य गणमान्य अधिवक्ताओं द्वारा सामुहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर उनके साथ जिला बार संघ के महासचिव अधिवक्ता कुमार राजेश रंजन , उपाध्यक्ष अधिवक्ता बलाई पांडा , संयुक्त सचिव अधिवक्ता विनीता सिंह और अधिवक्ता संजीव रंजन बरियार , कोषाध्यक्ष अधिवक्ता जय प्रकाश भगत ज, सहायक कोषाध्यक्ष अधिवक्ता श्रीमती पुष्पा सिंह और कार्यकारी सदस्य अभय सिंह, आलोक सिंह, गौरव पाठक, रवि ठाकुर, आई. कश्यप, रंजना मिश्रा, विनीता सिंह, आनंद गोप और वेद प्रकाश सिंह आदि अधिवक्ता गण मुख्य रूप से उपस्थित थे। बार संघ के अध्यक्ष व महासचिव ने मौके पर कहा कि सभी अधिवक्ता इस पुण्य शिविर में हमेशा सेना की तरह कार्य करते हैं । इन सभी लोग 7 और 8 नवंबर दोनों दिन मानगो स्वर्णरेखा नदी घाट जमशेदपुर में सभी छठ भक्तों की सुरक्षा और सेवा के लिए उपलब्ध रहकर मानगो स्वर्णरेखा नदी छठ घाट पर तत्परता के साथ डटे रहे जो निम्न प्रकार हैंः राजेश कुमार, शिव शंकर कुमार, जयंत कुमार, रवि शंकर सिंह, कार्तिक डे, केशव सिंह, कमल कुमार, शिव पांडे, राजीव बॉक्सी, विश्वजीत, चौधरी, महादेव डे, बिजय गुप्ता, देबाशीष दत्ता, लालटू चंद्रा, परमजीत श्रीवास्तव, अमित कुमार, विनोद मिश्रा, अविनाश चौधरी, अनंत गोप, निर्मल महतो और वेद प्रकाश सिंह , विनीता सिंह सहित अन्य अधिवक्ताओं की अहम भूमिका रही । प्रथम दिन 7 नवंबर को छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री एवं अंतिम दिन 8 नवंबर को सभी श्रद्धालुओं के बीच खीर और चाय बिस्कुट का वितरण किया गया।

चतरा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य चुनाव उत्सव कार्यक्रम हुआ आयोजित

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय के द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रातः 8 बजे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य चुनाव उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चुनाव उत्सव कार्यक्रम में सेल्फी प्वाइंट, मतदाता शपथ, हस्ताक्षर अभियान, नुक्कड़ नाटक समेत अन्य आयोजन किए गये। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के चतरा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाता मतदान के प्रति जागरूक होकर लोकतंत्र के महापर्व में भाग ले और 13 नवंबर को मतदान करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा रमेश घोलप ने कहा 13 नवंबर को चतरा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में मतदान होना है। आप सभी लोग इस चुनावी महापर्व में भाग लें। स्वयं मतदान करें तथा पुरे परिवार के साथ मतदान करें और अपने आस पास और जननेवाले लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें। आप सभी लोगों ने लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए शपथ लिया तथा सभी प्रखण्डों से आए लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अपने घर को लौटने के बाद 13 नवंबर को स्वयं भी और परिवार के साथ मतदान करने हेतु संबंधित बूथ केन्द्रों पर जाएंगे तथा आस पास के लोगों को भी मतदान केन्द्र पहुंच कर वोट करने के लिए उत्साहित करेंगे और एक जागरूक मतदाता होने का फर्ज निभाएंगे। मतदान केन्द्रों में मतदाताओं के लिए पेयजल, दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, वृद्ध मतदाताओं के लिए वाहन, बैठने के लिए शेड समेत अन्य सुविधाएं चुनाव आयोग द्वारा दी जा रही हैं। सभी मतदाता निर्भीक एवं भयमुक्त होकर मतदान करें इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक लोगों ने नशे को ना, वोट को हां थीम पर 330×210 फीट की भव्य कलाकृति बनाई जिसे देखने के लिए जिले के विभिन्न प्रखण्डों व जिला मुख्यालय के हजारों मतदाता दर्शक उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान ही सेल्फी अभियान में हजारों से अधिक की संख्या में महिला व पुरूष मतदाता ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और सेल्फी खिंचाई। वहीं हस्ताक्षर अभियान, नशा को ना कहें, वोट को हां कहें बोर्ड पर भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, सामान्य प्रेक्षक,व्यय प्रेक्षक पुलिस प्रेक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा व सिमरिया, जिले के अधिकारियों समेत मतदाताओं ने हस्ताक्षर किया।

स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति की गई एवं नाटक के माध्यम से 13 नवंबर को मतदान केंद्र पहुंच मतदान करने और मतदान केंद्रों पर दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिए बहाल की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई साथ ही भय मुक्त एवं निर्भीक होकर मतदान केंद्र पहुंच मतदान करने का अपील किया गया।

जिला प्रशासन मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रत्यनशील है। इसी क्रम में चुनाव उत्सव कार्यक्रम आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में आयोजित किया गया। आप सभी से अपील है कि जिला प्रशासन को इस कार्य में सहयोग करें एवं 13 नवंबर 2024 को अपने घरों से निकल कर मतदान केन्द्र पहुंच कर वोट अवश्य करें। सभी लोगों ने मिलकर एक स्वर में 13 नवंबर को वोट करेगा चतरा का नारा बुलंद किया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।